THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 194 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन कृ.2 2080 रविवार, 1 अक्टूबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

'यकीनन, हम दोषियों को पकड़ेंगे...'

मुख्यमंत्री ने छात्रों की मौत पर जारी हंगामे के बीच कही बड़ी बात

इंफाल, 30 सितंबर (एजेंसियां)। मणिपुर में दो छात्रों की हत्या पर जारी हंगामे के बीच मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा कि दोषियों को जरूर पकड़ा जाएगा। सीएम ने कहा कि जल्द ही सबकुछ ठीक हो जाएगा। बता दें कि इस मामले की जांच सीबीआई कर रही है और जांच के लिए सीबीआई के विशेष निदेशक अजय भटनागर इंफाल पहुंच चुके हैं। बता दें कि मणिपुर में दो युवक बीती जुलाई में लापता हो गए थे। अब उनकी शवों की एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इससे सोमवार से इंफाल में हिंसा भड़क गई और गुस्साए लोगों ने कई जगह आगजनी और तोड़फोड़ की।

गुस्साई भीड़, सुरक्षाबलों से भी भिड़ गई। हालात को देखते हुए सरकार ने एक अक्तूबर तक राज्य में मोबाइल इंटरनेट को बर्खास्त कर दिया है। स्कूलों को भी बंद कर दिया गया है और इंफाल घाटी के सभी जिलों में कर्फ्यू लगा दिया गया है। वहीं दो युवकों की हत्या के मामले में सीबीआई की टीम जल्द ही घटनास्थल पर जाएगी और वहां फिर से क्राइम सीन रिक्रिएट किया जाएगा। साथ ही फोरेंसिक सबूत भी इकट्ठा किए जाएंगे। हिंसा को देखते हुए सीबीआई टीम के साथ सीआरपीएफ के जवानों को भेजा जाएगा। गुरुवार को इंफाल में केंद्रीय सुरक्षा पुलिस बल के शीर्ष अधिकारियों की बैठक हुई, जिसमें कानून व्यवस्था पर चर्चा हुई।

मोदी स्टेडियम की सुरक्षा को लेकर एजेंसियां अलर्ट

खालिस्तानियों की धमकी के बाद गुजरात पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों से मदद मांगी

अहमदाबाद, 30 सितंबर (एजेंसियां)। आगामी 5 अक्टूबर में भारत में क्रिकेट वर्ल्ड कप की शुरुआत होने जा रही है। मैच का शुभारंभ अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम से होना है। इसी बीच खालिस्तानियों की मैच में गड़बड़ी फैलाने की धमकियों के चलते गुजरात पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों से मदद मांगी है।

एनआईए, आरओ, सेंट्रल आईबी भी शामिल

अहमदाबाद साइबर क्राइम के डीसीपी अजीत राजियान ने दैनिक भास्कर को बताया कि सुरक्षा के मद्देनजर हमने केंद्रीय एजेंसियों से मदद मांग है। अब इस मामले में देश की टॉप एजेंसी अहमदाबाद साइबर क्राइम के साथ मिलकर काम करेगी। इसमें एनआईए, आरओ, सेंट्रल आईबी भी शामिल होंगी। आधिकारिक रूप से हमने काम भी शुरू कर दिया है।

सभी कॉल विदेशी धरती से किए गए है

डीसीपी अजीत राजियान ने आगे बताया कि अगले कुछ दिनों में भारत में क्रिकेट विश्व कप शुरू होने वाला है, इस विश्व कप पर खालिस्तानी समर्थक ने रिकॉर्डेड कॉल कर अपना डर फैलाने की कोशिश की है। ये सभी कॉल विदेशी धरती से किए गए थे। सुरक्षा एजेंसियों ने भी सुरक्षा के मद्देनजर कमर कस ली है। गौरतलब है कि खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवन्त पन्नू के खिलाफ अहमदाबाद साइबर सेल में एफआईआर दर्ज की गई है। पन्नू ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत-पाकिस्तान के बीच खेले जाने वाले वर्ल्ड कप के क्रिकेट मैच में हमले की धमकी दी है। आतंकी पन्नू ने प्री-रिकॉर्डेड मैसेज वीडियो में कहा है कि पीएम मोदी शहीद निज्जर की हत्या के लिए जिम्मेदार हैं और सिख फॉर जस्टिस इस हत्या का बदला लेगा। 5 अक्टूबर को अहमदाबाद में होने वर्ल्ड कप के मैच हमारे टारगेट होंगे।

अहमदाबाद स्टेडियम में खालिस्तानी झंडा फहराने की भी धमकी

पन्नू ने धमकी भरे मैसेज में भारत-पाकिस्तान मैच को निशाना बनाने और अहमदाबाद स्टेडियम में खालिस्तानी झंडा फहराने की बात कही है। दावा किया जा रहा है कि इस ऑडियो का खुलासा खुद पन्नू ने किया है। बता दें, इससे पहले भी पन्नू ने 15 अगस्त और जी-20 समिट में गड़बड़ियां फैलाने की धमकियां दी थीं। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने कुछ लोगों को अरेस्ट भी किया था। भारत में 5 अक्टूबर को अहमदाबाद के मोदी स्टेडियम से विश्व क्रिकेट कप की शुरुआत नहीं होगी। यह विश्व आतंक कप की शुरुआत होगी। सिक्ख फॉर जस्टिस खालिस्तान के झंडे के साथ अहमदाबाद में धावा बोलने जा रहा है। हम शहीद निज्जर हत्याकांड का बदला लेने जा रहे हैं। हम आपकी हिंसा के खिलाफ वोट का इस्तेमाल करने जा रहे हैं।

अलग-अलग लोगों को भेजी गई ऑडियो क्लिप

अज्ञात मोबाइल नंबर से धमकी भरी एक ऑडियो क्लिप अलग-अलग लोगों को भेजी गई। इस ऑडियो क्लिप के अंत में धमकी देने वाले शख्स ने खुद को गुरपतवंतसिंह पन्नू बताया है। गुरपतवंतसिंह पन्नू भारत राही खालिस्तान आंदोलन के नाम पर 'सिख फॉर जस्टिस' (एसएफजे) नामक संगठन चलाने वाला मुख्य मास्टरमाइंड है। जिसे भारत सरकार ने आतंकवादी घोषित किया है।

रोचक खबरें

आखिर क्यों प्लेन पर नहीं ले जा सकते थर्मामीटर?

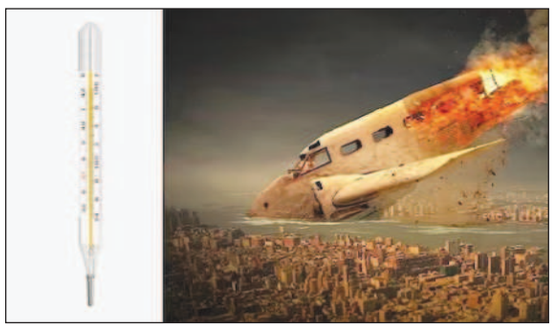

मर्करी की एक बूंद भी मचा सकती है तबाही, ले डूबेगी सबकी जान!

आज के समय में ज्यादातर लोग ट्रेवल करने के लिए हवाई मार्ग का चुनाव करते हैं. इसके जरिये जहां आसानी से और जल्दी इंसान अपनी मंजिल तक पहुंच जाता है, वहीं थकान भी काफी कम होती है. दूर तक के मार्ग के लिए लोग इस साधन को चुनते हैं. लेकिन प्लेन में ट्रेवल करने के लिए कई तरह के सिक्युरिटी नॉर्म्स को पूरा करना पड़ता है. कई बार आपको चेकिंग से गुजरना पड़ता है और कई तरह के गाइडलाइन्स का पालन करना पड़ता है.

प्लेन से यात्रा करने के लिए कई तरह के नियम बनाए गए हैं. यात्रियों को एक स्पेसिफिक वजन का ही सामान कैरी करने की इजाजत होती है. इसके अलावा ऐसे कई सामान हैं, जो आप प्लेन से नहीं ले जा सकते. इनपर बैन लगाया हुआ है. अगर किसी यात्री के पास बैन की हुई सामानों की लिस्ट में शामिल कोई चीज मिलती है तो उसे चेकिंग के दौरान ही बाहर निकाल लिया जाता है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस लिस्ट में मर्करी थर्मामीटर भी शामिल है?

नहीं ले जा सकते थर्मामीटर

जी हां, जिस थर्मामीटर का इस्तेमाल बुखार नापने के लिए किया जाता है, वो प्लेन में वर्जित है. अब आप सोच रहे होंगे कि बुखार में इस्तेमाल होने वाले थर्मामीटर को भला क्यों बैन किया गया है? दरअसल, फ्लाइट में मर्करी वाले थर्मामीटर बैन है. अगर डिजिटल थर्मामीटर आपके पास है, तो उसे आप कैरी कर सकते हैं. लेकिन मर्करी वाले थर्मामीटर को तुरंत निकाल लिया जाता है. इसके पीछे एक बड़ी वजह है. प्लेन में अगर किसी यात्री के पास मर्करी थर्मामीटर हो और वो टूट जाए तो अंदर तबाही आ जाएगी. दरअसल, मर्करी की एक बूंद भी प्लेन को दुर्घटनाग्रस्त करने के लिए काफी है.

भालू को देखते ही मां ने ढंक दी बेटे की आंख, खुद बन गई मिट्टी का पुतला

आपने ऐसे कई वीडियो देखे होंगे जिसमें भालुओं को अटैक करते स्पॉट किया गया. जैसे-जैसे इंसान ने जंगली जानवरों के स्पेस पर कब्जा जमाया, वैसे-वैसे ही जानवर भी इंसानों के इलाकों में घूमने लगे हैं. सोशल मीडिया पर ऐसे कई वीडियोज आप देख सकते हैं, जिसमें इन जानवरों को खाने की तलाश में इंसानों के नजदीक जाते देखा गया. ये पहले तो खाने की तलाश में रेसिडेंशियल इलाकों में आते हैं, इसके बाद कई बार इंसान पर अटैक कर देते हैं.

भालू खासकर खाने की तलाश में इंसानों के नजदीक चले जाते हैं. अगर इन्हें खाना मिल गया तो ये शांति से खाकर वहां से निकल जाते हैं. लेकिन अगर उन्हें जरा सा भी खतरा महसूस होता है, तो वो अटैक कर देते हैं. सोशल मीडिया पर ऐसे अटैक के कई वीडियोज मौजूद हैं. लेकिन हाल ही में एक ऐसा वीडियो शेयर किया गया, जिसे देखने के बाद आपको समझ आएगा कि असल में इस स्थिति में क्या करना चाहिए?

बेटे को लेकर बैठी रही मां

सोशल मीडिया पर शेयर इस वीडियो ने सबको हैरान कर दिया. इसमें अपने बेटे के साथ घर से बाहर बैठकर लंच करती फैमिली नजर आई. लेकिन अचनाक ही उनके टेबल पर भालू चढ़ आया. ये देखते ही मां ने सबसे पहले अपने बेटे की आंख ढंक दी. मां बूत बने अपने बच्चे की आंख बंद किये हुई थी. वहीं भालू बड़े आराम से टेबल पर रखे खाने को एन्जॉय कर रहा था. बीच में वो महिला के नजदीक जाकर उसकी स्मेल ले रहा था.

सावन खत्म होते ही मांसहारी हुआ दरियाई घोड़ा!

घास खिलाने आए शख्स पर किया अटैक, जबड़ा खोल चबा ही जाता जिंदा

इंसान और जानवर के बीच का रिश्ता काफी क्लोज है. कई ऐसे जानवर हैं, जिन्हें इंसानों ने पालतू बना लिया. ये बात भी सच है कि इंसान को जैसा स्वार्थ होता है, वो उसी के हिसाब से जानवरों का शोषण करता है. जिन्हें मारकर उनकी स्किन, या टस्क से पैसे मिलते हैं, उन्हें बेहिसाब मार दिया जाता है. इसी वजह से पृथ्वी पर कई जानवर अब विलुप्त होने की कगार पर हैं. कई जंगली जानवर अब दुनिया से खत्म होने की कगार पर ही पहुंच गए हैं.

इंसानों की करामात की वजह से कई जानवर आक्रामक हो जाते हैं. दरियाई घोड़े शाकाहरी होते हैं. लेकिन हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया गया, जिसमें एक दरियाई घोड़े ने इंसान पर अटैक कर दिया. वो अपना जबड़ा खोले शख्स को नोचने के लिए दौड़ा. शख्स किसी तरह जान बचाकर उसके पिंजरे से बाहर पीछे-पीछे ये दैत्य भी अपना जबड़ा खोले दौड़ पड़ा. इसका वीडियो जैसे ही शेयर किया गया, ये वायरल हो गया.

हाथ में पकड़े था घास

वीडियो को किस चिड़ियाघर में शूट किया गया, इसकी जानकारी नहीं दी गई है. लेकिन शुरुआत में एक शख्स को हाथ में घास का बंडल लिए दरियाई घोड़े के पिंजरे से बाहर दौड़ते हुए देखा गया. थोड़ी देर में उसके पीछे से दौड़ता दरियाई घोड़ा भी नजर आया. शख्स किसी तरह अपनी जान बचाकर एक तरफ चला गया. लेकिन गुस्से में लाल दरियाई घोड़े ने लौटकर उसपर फिर से अटैक कर दिया. गनीमत थी कि शख्स को भागने के लिए सुरक्षित जगह मिल गई.

31 साल पुराने रेप केस में 215 सरकारी कर्मचारी दोषी

तमिलनाडु के वचथी गांव में पुलिस, फॉरेस्ट और रेवेन्यू अफसरों ने किया था दुष्कर्म

चेन्नई, 30 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के वचथी गांव के 31 साल पुराने रेप केस में मद्रास हाईकोर्ट ने 215 लोगों को दोषी करार किया है। दोषियों में पुलिसवाले, फॉरेस्ट और रेवेन्यू अधिकारी शामिल हैं।

1992 में इन लोगों ने आदिवासी गांव वचथी में 18 महिलाओं का रेप और पुरुषों को टॉर्चर किया था। 2011 में एक लोअर कोर्ट ने इन लोगों को दोषी ठहराया था। इस आदेश के खिलाफ आरोपियों ने मद्रास हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। शुक्रवार (29 सितंबर) को हाईकोर्ट ने लोकर कोर्ट का फैसला बरकरार रखा। 20 जून 1992 को फॉरेस्ट और रेवेन्यू अधिकारियों के साथ मिलकर पुलिस टीम ने वाचथी गांव में रेड डाली थी। ये लोग यहां तस्करी की गई चंदन की लकड़ी ढूंढने आए थे। पुलिस और सरकारी अधिकारियों ने गांव के लोगों को चंदन तस्कर वीरप्पन का समर्थक बताते हुए तीन दिन तक उनके साथ बर्बरता की थी। 269

दोषियों में से 126 फॉरेस्ट ऑफिसर, 84 पुलिसवाले और 5 रेवेन्यू अधिकारी थे। 2011 में जब लोकर कोर्ट का आदेश आया, तब तक 54 दोषियों की मौत हो चुकी थी। 2011 के अपने फैसले में लोअर कोर्ट ने सभी दोषियों को 1 से 10 साल तक की जेल की सजा सुनाई थी। इसके साथ ही हर दोषी को 10 लाख रुपए देने आदेश दिया गया था, जो 18 रेप विक्टिम्स को दिए जाते। इनमें से हर दोषी 5 लाख रुपए जमा कर चुका है, जबकि 5 लाख बकाया है। शुक्रवार को हाईकोर्ट ने अपने आदेश में राज्य सरकार को निर्देश दिया कि पीड़ितों को नौकरी या उनके और उनके परिवारों को स्व-रोजगार के अवसर मुहैया कराए जाएं। कोर्ट ने सरकार को ये निर्देश भी दिया था कि तत्कालीन जिला कलेक्टर, सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस और डिविजनल फॉरेस्ट ऑफिसर दोषियों के खिलाफ एक्शन ले क्योंकि उन्होंने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर थी।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का गुजरात दौरा

अहमदाबाद में 1651 करोड़ रुपए की कई परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया

अहमदाबाद, 30 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह एक दिन के गुजरात दौरे पर हैं। पहले कार्यक्रम के तहत उन्होंने अहमदाबाद के सरखेज में ओकाफ लेक के रेनोवेशन के लिए भूमि पूजन किया। इसके बाद भदाज, ओगंज और जगतपुर में नई झील, त्रागड में सार्वजनिक पार्क का उद्घाटन किया।

इसके साथ ही अहमदाबाद में 1651 करोड़ रुपए की कई परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। अहमदाबाद के कार्यक्रमों के बाद गृहमंत्री गांधीनगर में निपर इंस्टीट्यूट की नई बिल्डिंग का उद्घाटन करेंगे। दोपहर में वह गांधीनगर में निर्वाचन क्षेत्र के विकास की समीक्षा के लिए अधिकारियों के साथ बैठक भी करेंगे। इसके बाद ट्रागाड में एक बड़ी जनसभा को भी संबोधित करेंगे। साथ ही नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च - एनआईपीईआर की नई इमारत का उद्घाटन करेंगे, जो गांधीनगर में पालज एयरपोर्ट स्टेशन के सामने स्थित है। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल समेत मंत्री भी मौजूद रहेंगे। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अमित शाह की अहमदाबाद आए आरएसएस प्रमुख भागवत से मुलाकात की संभावना है। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल समेत कई मंत्री भी मौजूद रहने की बात कही जा रही है। हालांकि, आधिकारिक रूप से इस मुलाकात के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

एनडीए में पास होने वाले सैनिक स्कूल के बच्चों से मिलेंगे केजरीवाल

32 छात्रों ने पास की है परीक्षा

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार के पहले शहीद भगत सिंह आर्म्ड फोंसेज प्रिपेटरी स्कूल (एएफपीएस सैनिक स्कूल) के पहले बैच के 32 बच्चों ने पहली बार में ही एनडीए परीक्षा पास कर बाजी मारी है। इनमें नौ लड़कियां भी शामिल हैं। इन बच्चों से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शनिवार शाम मुलाकात करेंगे। केजरीवाल ने इस बात की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी है। अरविंद केजरीवाल ने लिखा, 'इन 32 बच्चों को आज मैंने मिलने के लिए शाम को अपने घर बुलाया है। हर बच्चे की कहानी प्रेरणादायी है।'

दिल्ली सरकार का आर्म्ड फोंसेज स्कूल देशभर में दूसरे नंबर पर रहा जहां सर्वाधिक बच्चों ने इस परीक्षा को पास किया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सफल छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि इतने बच्चों का एनडीए परीक्षा पास करना गर्व की बात है। मुख्यमंत्री ने एक्स कर कहा कि दिल्ली के शहीद भगत सिंह आर्म्ड फोंसेज प्रिपेटरी स्कूल के 32 छात्रों ने एनडीए परीक्षा उत्तीर्ण की है, जो देशभर में किसी एक स्कूल से एनडीए परीक्षा पास करने वाले छात्रों में से एक है।

13वीं मंजिल से गिरा झूला, तीन मजदूरों की मौत

अहमदाबाद, 30 सितंबर (एजेंसियां)। गुजरात से बड़ी खबर आ रही है। यहां अहमदाबाद में भवन निर्माण स्थल पर हादसा हुआ है। बताया जा रहा है कि इमारत की 13वीं मंजिल से झूला गिरने की वजह से हादसा हुआ है। अब तक तीन लोगों की मौत की जानकारी सामने आई है।

जानकारी के मुताबिक, हादसा बीती रात जवेरी ग्रीन की निर्माणाधीन साइट की 13वीं मंजिल पर उस वक्त हुआ, जब वहां काम चल रहा था। अचानक से झूला टूट गया और श्रमिक नीचे गिर गए। इस दौरान तीन मजदूरों को गंभीर चोटें आईं। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटना की शिकायत दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

'लापरवाह सरकार... सीएम बीरेन सिंह को पद से तुरंत हटाया जाए'

मणिपुर के हालातों पर बोले कपिल सिब्बल

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। मणिपुर की स्थिति को लेकर राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने शनिवार को केंद्र पर निशाना साधा और कहा कि भाजपा को लापरवाह सरकार बताया। उन्होंने कहा कि केंद्र को तुरंत मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह को हटा देना चाहिए और राज्य को अब और जलने नहीं देना चाहिए।

सोशल मीडिया से भड़की थी हिंसा

गौरतलब है कि जुलाई में लापता हुए दो युवकों, जिनमें एक पुरुष और एक लड़की के शवों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित होने के एक दिन बाद मंगलवार को इंफाल में हिंसा की एक और आग भड़क गई। सीबीआई की एक टीम वर्तमान में पूर्वोत्तर राज्य में हत्याओं की जांच कर रही है, जहां लगभग पांच महीने से जातीय संघर्ष चल रहा है।

एक्स पर पोस्ट से साधा निशाना

एक्स(पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में सिब्बल ने कहा, मणिपुर से एक लापरवाह सरकार(भाजपा) को सीएम बीरेन सिंह को तुरंत हटा देना चाहिए और मणिपुर को और अधिक जलने नहीं देना चाहिए। उन्होंने कहा कि "इंटरनेट बंद करना कोई समाधान नहीं है। प्रचार बंद करो और अभी मणिपुर से निपटो! बता दें कि यूपीए I और II के दौरान केंद्रीय मंत्री रहे सिब्बल ने पिछले साल मई में कांग्रेस छोड़ दी और समाजवादी पार्टी के समर्थन से एक स्वतंत्र सदस्य के रूप में राज्यसभा के लिए चुने गए। उन्होंने अन्याय से लड़ने के उद्देश्य से एक गैर-चुनावी मंच 'इंसाफ' बनाया है।

खेत में पराली जला रहे थे किसान, सैटेलाइट ने पकड़ ली चालाकी-भरना पड़ा जुर्माना

गोहाना, 30 सितंबर (एजेंसियां)। खेतों में पड़ी पराली जलाने और इससे फैलने वाले प्रदूषण की बात नई नहीं है. लेकिन हरियाणा सरकार इस पर रोकथाम के लिए गंभीरता के साथ प्रयासों में जुटी है. यही वजह है कि खेतों में पराली न जले, इसकी बाकायदा हाईटेक निगरानी की जा रही है. जमीन पर जहां सरकारी एजेंसियां इसकी रोकथाम में लगी हैं, वहीं आसमान के ऊपर से भी पराली जलाने पर नजर रखी जा रही है. जैसे-जैसे धान की फसल की कटाई हो रही है और ठंड दस्तक दे रही है, वैसे-वैसे हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश के इलाकों में पराली जलाने की घटनाएं सामने आ रही हैं. लेकिन अबकी बार हरियाणा सरकार ऐसे किसानों पर पैनी नजर बनाए हुए है.

खासकर खेतों में पराली न जले, इसके लिए सैटेलाइट तक से नजर रखी जा रही है. इसका एक उदाहरण सोनीपत जिले में देखने को मिला, जहां प्रशासन ने सैटेलाइट की मदद से गोहाना के गांव बुटाना में कई एकड़ में पराली जलाने की घटना को पकड़ा है. पराली जलाने के आरोप में प्रशासन ने दो किसानों के ऊपर ढाई-ढाई हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है. साथ ही उनको हिदायत भी दी गई है कि आगे से इस तरह पराली ना जलाएं.

सैटेलाइट से निगरानी करा रही सरकार

गोहाना के एसडीएम आशीष कुमार ने इस बारे में बताया कि हरियाणा और उत्तर भारत के कई राज्यों में धान कटाई का सीजन जारी है. इस सीजन में पराली में आग लगाने की घटनाएं सामने आती हैं. इसको लेकर हंगामा मचता है. इससे बचने के लिए अबकी बार हरियाणा सरकार पराली ना जलाने को लेकर किसानों को जागरूक कर रही है. सरकार का आदेश न मानने वालों पर सख्ती भी की जा रही है. इसी क्रम में शनिवार को सोनीपत जिला प्रशासन ने गोहाना के गांव बुटाना के कई खेतों में पराली में आग लगने की जानकारी पर कार्रवाई की. एसडीएम ने बताया कि हमें सैटेलाइट से गांव बुटाना के खेतों में पराली जलाने की जानकारी मिली थी, जिस पर हम यहां पहुंचे थे. पता चला कि किसान सतबीर सिंह और रणबीर सिंह के खेतों में पराली जलाई गई थी. दोनों किसानों पर ढाई-ढाई हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है. उन्हें आगे से ऐसा ना करने की हिदायत दी गई है.

फरार पूर्व वित्तमंत्री मनप्रीत बादल के नजदीकी शराब कारोबारी के घर विजिलेंस की दबिश

बठिंडा, 30 सितंबर (एजेंसियां)। प्लॉट घोटाले में फरार चल रहे पूर्व वित्त मंत्री और भाजपा नेता मनप्रीत बादल के खिलाफ पंजाब विजिलेंस ने कार्रवाई तेज कर दी है। शनिवार को विजिलेंस में बठिंडा में बादल के नजदीकी शराब कारोबारी जसविंदर जुगनू के घर रेड की।

हालांकि विजिलेंस टीम के हाथ कुछ नहीं लगा क्योंकि जुगनू के घर पर कोई नहीं था। जुगनू के घर रेड करने पहुंचे विजिलेंस अधिकारी ने बताया कि प्लॉट घोटाले में जुगनू से रूटीन की पूछताछ करनी थी। इसी के चलते विजिलेंस टीम आज उनके घर पहुंची। मनप्रीत की गिरफ्तारी के बारे में विजिलेंस अधिकारी ने कहा कि गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। इस मामले में अभी तक विजिलेंस ने राजीव कुमार, अमनदीप सिंह, विकास अरोड़ा को गिरफ्तार कर लिया है जबकि मुख्य आरोपी मनप्रीत बादल, पीसीएस अधिकारी बिक्रमजीत शेरगिल और सुपरिंटेंडेंट पंकज की गिरफ्तारी बाकी है।

उलझता जा रहा कावेरी जल विवाद सुप्रीम कोर्ट और सीडब्ल्यूएमए से पुनर्विचार की अपील करेगी कर्नाटक सरकार

बंगलूरू, 30 सितंबर (एजेंसियां)। कावेरी नदी के पानी को छोड़ने का मामला उलझता जा रहा है। कर्नाटक सरकार कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) और सुप्रीम कोर्ट से एक बार फिर विचार करने के लिए अपील करेगी। इसके लिए वह शनिवार को पुनर्विचार याचिका दायर करेगी।

सीडब्ल्यूएमए ने शुक्रवार को अपने सहायक निकाय कावेरी जल नियमन समिति (सीआरडब्ल्यूसी) के उस निर्देश का समर्थन किया, जिसमें कर्नाटक से तमिलनाडु के लिए 3,000 क्यूसेक पानी छोड़ने को कहा गया था। इस पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने साफ कह दिया है कि कर्नाटक के पास पर्याप्त पानी नहीं है। इसलिए वह पानी नहीं दे सकते। मुख्यमंत्री ने सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों और राज्य के पूर्व महाधिवक्ताओं के साथ बैठक के बाद अपने गृह कार्यालय 'कृष्णा' में पत्रकारों से बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि कुछ राय और सुझाव मिले हैं। राज्य की सिंचाई परियोजनाओं के संबंध में विशेष रूप से सरकार को एक विशेषज्ञ सलाहकार समिति बनाने का सुझाव दिया गया है।

उन्होंने सुझाव के बारे में बैठक में जानकारी दी। कहा कि आंकड़ों का संग्रह और सलाहकार का काम समिति द्वारा किया जाना चाहिए। समिति को सरकार को सलाह देनी चाहिए और अंतरराज्यीय जल विवादों के बारे में कानूनी टीम को जानकारी देनी चाहिए। सिद्धारमैया ने कहा कि उसी के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। बैठक में उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार, गृह मंत्री जी परमेश्वर, कानून मंत्री एच के पाटिल और कृषि मंत्री एन चेलुवरयास्वामी भी मौजूद थे।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

वर्ष-28 अंक : 194 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन कृ.2 2080 रविवार, 1 अक्टूबर-2023

पीएम ने संकल्प सप्ताह की शुरुआत की

भारत मंडपम में बोले-सरकार सब कर लेगी इस सोच से बाहर निकलने की जरूरत

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार (30 सितंबर) को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के तहत 'संकल्प सप्ताह' का शुभारंभ किया। ये कार्यक्रम 3 अक्टूबर से 9 अक्टूबर तक एक हफ्ते चलेगा। भारत मंडपम में पीएम ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार ही सब कर लेगी इस सोच से हमें बाहर निकलने की जरूरत है। समाज की शक्ति सबसे बड़ी शक्ति होती है। जिन-जिन ब्लॉक या जिलों में समाज को जोड़ने की ताकत है, वहां परिणाम जल्दी मिलते हैं।

संकल्प सप्ताह के उद्घाटन कार्यक्रम में देश भर से लगभग 3,000 पंचायत और ब्लॉक स्तर के जन प्रतिनिधि और पदाधिकारी भारत मंडपम पहुंचे थे। इसके अलावा ब्लॉक और पंचायत स्तर के पदाधिकारियों, किसानों करीब दो लाख लोग वर्चुअल रूप से जुड़े। आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम में ब्लॉक पंचायतों की बहुत बड़ी भूमिका होती है। जब हर ग्राम पंचायत काम तेजी से करेगी। अभी जो लोग यहां (भारत मंडपम) आए हैं, वो देश के दूर-सुदूर गांवों की चिंता करने वाले लोग हैं। आखिरी छोर पर बैठे हुए परिवार की चिंता करने वाले लोग हैं।

उनकी भलाई के लिए योजनाओं को आगे बढ़ाने वाले लोग हैं और इसी महीने यहां वो लोग भी बैठे थे, जो दुनिया को दिशा देने का काम करते थे। आकांक्षी जिला कार्यक्रम ने 112 जिलों में 24 करोड़ से ज्यादा लोगों की जिंदगी बदली है। आकांक्षी जिला योजना की तरह आकांक्षी ब्लॉक योजना भी सफल होगी। आकांक्षी जिला कार्यक्रम के लिए हमने बहुत ही सरल रणनीति से काम किया, क्योंकि सर्वांगीण विकास, सर्व-स्पर्शी विकास, सर्व-हितकारी विकास ये अगर हम नहीं करते हैं तो बदलाव संभव नहीं होता है। आकांक्षी ब्लॉक्स के लिए मैं राज्य सरकारों और अधिकारियों से आग्रह करूंगा कि वे इस बात पर भी ध्यान दें कि जो लोग ब्लॉक के अंदर सफल हैं, उनका भविष्य भी उज्ज्वल होना चाहिए, ताकि उनमें कुछ करने का जुनून हो।

जो लोग परिणाम लाते हैं, उनको आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

जरूरी है कि ग्रास रूट लेवल पर परिवर्तन करते हुए हमें आगे बढ़े। विकास को सबसे निचले तबके तक पहुंचाना है। संसाधनों का समान वितरण करने की जरूरत है। जीवन के हर क्षेत्र में नेतृत्व की जरूरत है।आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम को लागू करने और प्रभावी ब्लॉक विकास रणनीति तैयार करने के लिए देश भर में गांव और ब्लॉक स्तर पर चिंतन शिविर आयोजित किए गए।

ANDHRA PRADESH MAHESH CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.

महेश बैंक ESTD. 1978

(MULTI-STATE SCHEDULED BANK)

Head Office : 8-2-680/1&2, Road No.12, Banjara Hills, Hyderabad - 500 034 (T.S.) India
Tel. : 040-24615296 / 5299, 23437100 - 7103 & 7105 Fax : 040 - 24616427
Website : www.apmaheshbank.com E-mail : info@apmaheshbank.com

ABRIDGED

BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2023

Particulars	As at 31.03.2023 ₹	As at 31.03.2022 ₹
Capital and Liabilities		
1. Capital	31 94 19 040	33 12 79 720
2. Reserve fund and Other Reserves	420 71 69 377	388 35 95 586
3. Principal / Subsidiary / State Partnership Fund Account	-	-
4. Deposits and Other Accounts	2342 18 43 067	2662 58 64 788
5. Borrowings	-	35 092
6. Bills for collection being bills receivable as per contra	1 04 854	12 51 419
7. Branch Adjustments	-	16 72 973
8. Overdue Interest Reserve (As per Contra)	54 93 27 844	45 12 05 501
9. Interest payable	9 74 34 655	11 09 98 936
10. Other Liabilities	47 47 06 491	47 05 93 114
11. Profit and Loss	21 64 82 426	41 56 08 844
Total	**2928 64 87 754**	**3229 21 05 973**
Property and Assets		
1. Cash	144 21 65 875	184 18 82 681
2. Balances with other Banks	500 89 29 359	370 98 68 436
3. Money at call and Short Notice (TREPS)	75 00 00 000	260 00 00 000
4. Investments	1091 31 84 913	1122 70 37 607
5. Investments out of Principal / Subsidiary /State Partnership Fund Account	-	-
6. Advances	946 32 60 025	1132 05 49 633
7. Interest Receivable		
i. on Investments	41 84 70 477	34 59 96 937
ii. on Loans and Advances (As per Contra)	54 93 27 844	45 12 05 501
8. Bills receivable being Bills for Collection as per contra	1 04 854	12 51 419
9. Branch Adjustments	35 23 271	65 09 966
10. Premises less depreciation	36 35 98 746	37 53 01 282
11. Furniture and Fixtures less depreciation	8 11 26 207	10 13 27 827
12. Capital Work In Progress	2 56 93 170	1 04 98 750
13. Other Assets	26 71 03 013	30 06 75 934
14. Non-Banking Assets acquired in satisfaction of claims	-	-
Total	**2928 64 87 754**	**3229 21 05 973**
Contingent Liabilities	**37 82 92 071**	**31 80 98 612**

PROFIT AND LOSS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2023

Particulars	Year ended 31.03.2023 ₹	Year ended 31.03.2022 ₹
Income		
1. Interest & Discount	230 50 00 755	265 71 62 711
2. Commissions, exchange and brokerage	30 45 373	73 31 216
3. Profit on Sale of Securities (Net)	10 07 18 582	15 33 62 644
4. Other Receipts	5 77 88 669	10 39 93 802
Total (A)	**246 65 53 379**	**292 18 50 373**
Expenditure		
1. Interest on Deposits, Borrowings	142 82 27 772	171 62 33 044
2. Salaries, allowances and Provident fund	29 78 03 794	27 65 17 109
3. Directors' and local committee members' fees and allowances	-	-
4. Rent, Taxes and Lighting	7 16 01 532	6 72 43 846
5. Law Charges	13 82 450	28 84 415
6. Postage, telegram and telephone charges	23 97 786	25 72 924
7. Auditor's Fees	10 90 000	15 60 652
8. Depreciation on and repairs to property	5 73 49 041	6 45 81 770
9. Stationery, Printing and Advertisement	97 49 411	1 28 35 309
10. Other Expenditure	31 07 27 690	18 14 82 894
11. Provisions	5 97 27 607	15 54 26 003
12. Income Tax Expense		
i. Current Tax	3 41 62 040	10 59 00 000
ii. Deferred Tax	(2 47 000)	56 38 000
iii. Tax Paid for earlier year	1 93 80 676	-
Total (B)	**229 33 52 799**	**259 28 75 966**
Net Profit/Loss carried to Balance Sheet (A-B)	**17 32 00 580**	**32 89 74 407**

As per our report of even date
For NATARAJA IYER& CO.,
Chartered Accountants
(Firm Registration No: 002413S)
Sd/-
N. SUNDER
Partner
Membership Number: 020634
UDIN : 23020634BHANXM7446

Place : Hyderabad
Date : 14-09-2023

for and on behalf of the Board of Directors

Sd/-
VIRENDRA K. KHANDELWAL
MANAGING DIRECTOR & CEO

Sd/-
RAMESH KUMAR BUNG
CHAIRMAN

Sd/-
LAXMINARAYAN RATHI
VICE-CHAIRMAN

Sd/-
SMT. PUSHPA BOOB
DIRECTOR

आन्ध्र प्रदेश महेश को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड, हैदराबाद

47वीं वार्षिक साधारण सभा, 30 सितम्बर, 2023

अध्यक्षीय अभिभाषण : श्री रमेश कुमार बंग

प्रिय सदस्यगण,
आप सबको सहकारिता अभिवादन !
आन्ध्र प्रदेश महेश कोआपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड की 47वीं वार्षिक साधारण सभा में निदेशक मण्डल और अपनी ओर से आप सभी का हार्दिक स्वागत करते हुये मुझे अपार प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। आप सभी की इस सभा में प्रेरणादायी उपस्थिति और बैंक के प्रति आपके अटूट विश्वास के लिये आभार मानता हूँ।
इस अवसर पर महेश बैंक परिवार की ओर से इन्डियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन के कर्मठ वैज्ञानिकों के योगदान के प्रति भी आभार अभिव्यक्त करता हूँ जिनके अथक प्रयासों से 14 जुलाई 2023 को चन्द्रयान-3 का सफल प्रक्षेपण किया गया, और विश्व में भारत एकमात्र पहला देश बन गया जिसने चंद्रमा के साउथ पोल पर 23 अगस्त 2023 को चन्द्रयान की सफलता पूर्वक सॉफ्ट लैंडिंग कर नया वैश्विक कीर्तिमान रच दिया। अन्तरिक्ष के क्षेत्र में भारत के विकास का यह और एक नया कीर्तिमान है।
आप सभी भलीभांति जानते हैं कि पिछले कुछ समय से बैंक के सुचारु प्रबन्धन पर विभिन्न प्रकार के अनेक दबावों के बावजूद बैंक परिवार ग्राहकों को सक्षमता से अनवरत सेवायें उपलब्ध करा रहा है।
31 मार्च 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष का कार्य विवरण, ऑडिटेड हिसाब, निदेशक मण्डल का प्रतिवेदन आपको प्रेषित किया गया। आप सभी की सहमति से मैं उसे पठित मानता हूँ। विगत वर्ष के बैंक के कार्य विवरण को प्रस्तुत करने के पूर्व आपके समक्ष बैंकिंग एवं वित्तीय परिवेश को प्रस्तुत करना चाहूँगा।

वित्तीय एवम् बैंकिंग परिदृश्य :

विश्व में भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से विकास की ओर अग्रसर है और भारत ने सितम्बर माह में जी-20 सम्मेलन का सफल आयोजन किया जिसमें विश्व के बडे-बडे देशों ने भाग लिया।
भारत के राष्ट्रीय सांख्यिकि कार्यालय द्वारा जारी आंकडों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारत की वास्तविक आर्थिक विकास दर 7.2 रही। यह भविष्य में और सुदृढ रहेगी। भारतीय रिजर्व बैंक ने वर्ष 2023-2024 के लिये जीडीपी विकास दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान व्यक्त किया है।
समग्र बैंक ऋण में वृद्धि अस्थिर बॉंड मार्केट में ऋण लेने वालों की वित्तीय आवश्यकता अन्य विकल्प रहने के कारण प्रभावित हुयी। बाहरी वाणिज्यिक उधारी के कारण ब्याज व हेजिंग की लागत में वृद्धि हुयी। उम्मीद की जाती है कि यदि मुद्रास्फीति की दर में गिरावट आती है और ऋण की वास्तविक लागत नहीं बढ़ती है, तो 2024 में ऋण वृद्धि तेज होने की संभावना है।

हमारे बैंक की कार्यशीलता :

विगत वर्ष की तुलना मे वर्ष 2022-2023 में बैंक की कार्यशीलता के कुछ मुख्य बिन्दु आपके समक्ष रख रहा हूँ :

- बैंक का स्वयं का कोष विगत वर्ष के 390.19 करोड से बढ कर 398.35 करोड हो गया।
- कर पूर्व लाभ 22.65 करोड रहा।
- कर भुगतान के बाद लाभ 17.32 करोड रहा।
- कासा 667.30 करोड रु. से बढ कर 686.15 करोड रु. हो गया।
- सकल एनपीए 8.48 प्रतिशत से घट कर 7.99 प्रतिशत रह गया।
- नेट एनपीए 1.56% से कम होकर शून्य प्रतिशत हो गया।
- बैंक सीआरएआर भारतीय रिजर्व बैंक के निर्धारित 12 प्रतिशत के मानदण्ड की तूलना में 35.51 प्रतिशत रहा।
- यद्यपि बैंक का सकल व्यापार 3794.64 करोड से कम होकर 3288.51 करोड रहा, तथापि रिजर्व एवं सरप्लस बढ़कर 366.41 करोड रहा।
- डिपाजिट भी 2662.59 करोड से घट कर 2342.18 करोड रहा।
- ऋण परिसम्पत्तियाँ भी विगत वर्ष के 1132.05 करोड से कम होकर 946.33 करोड हो गयी।
- शेयर की बुक वेल्यु 235.57 रु से बढ कर 249.42 पहुँच गयी।
- प्रति शेयर आय 10.67 रु रही।

लाभांश :

आप सभी भलीभांति जानते हैं कि महेश बैंक 1978 में अपने स्थापना काल से ही शेयर होल्डर्स को लगातार प्रतिवर्ष लाभाँश वितरण में पीछे नहीं रहा। बैंक की कार्य क्षमता और लाभ के अनुपात में एक तरफ जहाँ शेयर होल्डर्स को समुचित लाभांश देने में बैंक के निदेशक मण्डल ने सदैव उदारता तो दिखायी है वहीं दूसरी ओर बैंक की वित्तीय स्थिति सुदृढ करने समय-समय पर सुरक्षित कोष में भी यथेष्ट वृद्धि की है जिससे कि वित्तीय स्थिति सुदृढ होती रहे तथा शेयर होल्डर्स को भी लाभांश प्राप्त हो। परन्तु वित्तीय वर्ष 2022-2023 के लिये विगत वर्षों की तुलना में यह परिदृश्य सर्वथा विपरीत रहा। संक्षेप में निदेशक मण्डल के अथक प्रयासों के बावजूद इस वर्ष कोई लाभांश प्रस्तावित नहीं किया गया।
बैंक की वर्तमान स्थिति और कार्यप्रणाली पर कुछ तथ्यों की जानकारी आपको समझनी बहुत जरुरी है। वास्तव में विगत कुछ वर्षो से कुछ असंतुष्ट तत्वों द्वारा अर्थहीन और अवांछनीय आरोपों से येन केन प्रकारेण बैंक को अस्थिर करने के प्रयासों के फलस्वरुप बैंक बहुत कठिन परीक्षा के दौर से गुजर रही है। कुछ लगातार दुष्प्रचार करने वालों की बैंक को नीचे गिराने की सोंच ने बैंक की साख को भी प्रभावित किया है। बिना कारण बैंक एवं बैंक के अधिकारियों को सुपरवाईजरी संस्थान के साथ लम्बे विवाद में उलझना पड़ा है। बैंक के प्रति नकारात्मक प्रचार ने बैंक के व्यापार को बहुत प्रभावित किया है और इसके कारण बैंक विकास की दौड में एक दशक पीछे हो गया है। फलस्वरूप बैंक का रेवेन्यु और प्राफिटेबिलिटी बहुत कम हो गयी। बैंक के व्यापार व साख में पहले जैसा वैभव लाने में कुछ समय जरूर लगेगा। मैं बैंक के शेयर होल्डर्स, ग्राहक और शुभचिन्तकों ने इस तथ्य रहित दुष्प्रचार के बावजूद बैंक के प्रति जो दृढ विश्वास रखा और पूरा समर्थन दिया उसके लिये आभार मानना अपना कर्त्तव्य मानता हूँ। मुझे पूरा विश्वास है कि आप सभी के सहयोग और विश्वास के बलबूते पर बैंक पुन: अपने गौरव को प्राप्त करेगा तथा शेयर होल्डर्स को समुचित लाभाँश दे सकेगा।
मैं शेयरधारकों से अनुरोध करता हूं कि वे इस बात पर ध्यान दें :
माननीय तेलंगाना उच्च न्यायालय ने दिनांक 08.01.2021 के आदेश के माध्यम से नवनिर्वाचित निदेशकों को निर्देश दिया है कि वे बैंक के मामलों को प्रभावित करने वाले नीतिगत निर्णय न लें और इसके अलावा 26.08.2022 को माननीय उच्च न्यायालय ने ए.पी.महेश को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक शेयरहोल्डर्स वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा दायर अवमानना मामले में अवमानना आदेश भी जारी किया।
इसके अलावा, तेलंगाना के माननीय न्यायालय ने 24.04.2023 को एक आदेश पारित किया है जिसमें कहा गया है कि चुनाव की वैधता और सदस्यों के परिणामी चुनाव का फैसला रिट याचिका में मामले की अंतिम सुनवाई के बाद किया जाएगा। हालाँकि, शेयरधारकों के हितों की रक्षा करने और बैंक को दिन-प्रतिदिन के आधार पर अपना व्यवसाय चलाने की अनुमति देने के लिए, आरबीआई को निर्देश दिया गया कि वह मुख्य रिट याचिका में अंतिम आदेश तक बैंक के वरिष्ठ कर्मचारी की सहायता से शेयरधारकों के हित में नीतिगत निर्णय लेने सहित बैंक के प्रशासन और दिन-प्रतिदिन के मामलों को चलाने के लिए अपनी पसंद का एक अधिकारी नियुक्त करे। माननीय न्यायालय ने आगे कहा कि हालाँकि की गई अंतरिम व्यवस्था लंबित रिट याचिका के परिणाम के अंतिम परिणाम के अधीन है। हालाँकि, अब तक माननीय न्यायालय के निर्देशानुसार भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा किसी अधिकारी की नियुक्ति नहीं की गई है।
लंबित मुकदमेबाजी के मद्देनजर वर्तमान बोर्ड वित्त वर्ष 2022-23 के लिए लाभांश और एक्सग्रेशिया की सिफारिश सहित नीतिगत निर्णय लेने की स्थिति में नहीं है।
मुझे पूर्ण विश्वास है कि महेश बैंक परिवारके शेयर होल्डर्स मेरे वक्तव्य से सहमत होंगे तथा बैंक के विकास में लगातार अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। मुझे विश्वास है कि आप सभी के सहयोग एवं संरक्षण से बैंक आने वाले वर्षों में विकास के लक्ष्य प्राप्त करेगा, शेयर होल्डर्स को लाभांश घोषित करने का तथा बैंक कर्मियों को एक्सग्रेशिया देने का क्रम चलता रहेगा।

एनपीए प्रबन्धन :

विषम परिस्थितियों के बावजूद बैंक की लगातार कोशिशों के कारण ग्रास एनपीए 95.95 करोड से घटकर 75.58 करोड रह गया। यह बैंक की सकल ऋण परिसम्पत्तियों का 7.99 प्रतिशत है। नेट एनपीए शुन्य प्रतिशत रहा। बैंक लगातार कोशिश कर रही है कि 31-03-2024 तक एनपीए को कम कर 40 करोड तक लाया जाये।

सूचना तकनीक :

बैंक ने अपने ग्राहकों को अति विशिष्ट सेवायें देने के लिये अपनी डिजिटल कार्य क्षमताओं को लगातार मजबूत किया है। तकनीकी सेवायें बहुत तेजी से बदल रही है, बैंक भी परिवर्तन की दौड में कदम से कदम मिला कर चल रहा है। बैंक अपने ग्राहकों को रिटेल एवम कार्पोरेट इन्टरनेट बैंकिंग, युनिफाइड पेमेन्ट इन्टरफेस, प्रीपेड पेमेन्ट प्रणाली, मोबाइल बैंकिंग, एटीएम डेबिट कार्ड, एवम पाजीटीव पे सुविधायें उपलब्ध करा रहा है। ग्राहकों की सुविधा हेतु निकट भविष्य में आर्टीफिशियल इन्टेलिजेन्स आधारित इजढ सल्युशन उपलब्ध करा कर टेब बैंकिंग, लोन ओरिजिनेशन तकनीक उपलब्ध कराने के प्रयास हो रहे हैं।
बैंकिंग कार्य संचालन को और अधिक सुरक्षित व सुदृढ करने के लिये सायबर सुरक्षा के दृष्टीकोण से बैंक ने इस वर्ष नवीनतम उन्नत तकनीक का अनुपालन करते हुये केन्द्रीय स्तर पर एंटि वायरस, नीतिगत और प्रोसेसिंग में नवीनतम सुरक्षा कन्ट्रोल, आन्तरिक स्तर पर प्रतिबन्धात्मक पहुँच, हैंकिंग आदि से बचाव के लिये न्यू जेनरेशन फायरवाल सिस्टम जैसे परिवर्तन किये गये है।

निगमित सामाजिक दायित्व :

बैंक ने निगमित सामाजिक दायित्व को केवल औपचारिकाता नहीं माना है, अपितु बैंक ने समाज से उसे जो प्राप्त हुआ है उसे पुन: समाज कल्याण हेतु किसी न किसी रूप में लौटाने को कर्त्तव्य माना है। बेंक ने इस कर्त्तव्य निर्वहन के लिये समाज के हर घटक का ध्यान रखते हुये रचनात्मक और सकारात्मक पहल की है।
तदनुसार, बैंक ने विभिन्न परोपकारी गतिविधियों के लिए मदद का हाथ बढ़ाया और वर्ष के दौरान कुल 12.70 लाख रुपये की राशि दान की।

मानव संसाधन :

बैंक के मानव संसाधन विभाग का प्राथमिक लक्ष्य है कि हर स्तर के कर्मचारी की कार्यदक्षता बढे और उसे समायोचित नवीनतम कार्यप्रणाली का पूरा ज्ञान रहे। बैंक के प्रधान कार्यालय में प्रशिक्षण के लिये हर नवीनतम सुविधा युक्त प्रशिक्षण सभागार है। बैंकिंग के विभिन्न विभागों जैसे ऋण, वित्तीय निवेश, एमएसएमई. रिटेल व प्राथमिकता सेक्टर लेन्डिंग, व्यापार विकास, ग्राहक सम्बन्ध, बैंक के उत्पाद की मार्केटिंग, रिकवरी, सायबर सुरक्षा, शाखा प्रबन्धन, नियामक संस्थाओं के दिशा निर्देशों का कठोरता से अनुसरन जैसे विषयों पर नियमित रूप से विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण कार्यशाला एवं परिचर्चा गोष्ठीयों का आयोजन किया जाता है।

चालू वित्त वर्ष के लिये विकास लक्ष्य :

बैंक वर्तमान में जिस कठीन दौर से गुजर रहा है उसको देखते हुये चालू वित्तीय वर्ष 2023-2024 के लिये निम्न लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं।

- सकल व्यापार रु. 3900.00 करोड तक पहूँचाना।
- सकल अकार्यशील पूंजी को 40.00 करोड़ तक लाना।

बाय-ला में संशोधन :

बैंक की पिछली वार्षिक साधारण सभा में बाय ला सं. 3(e)(vii) में संशोधन की स्वीकृति दी गयी थी। उसे सेन्ट्रल रजिस्ट्रार के पास स्वीकृति के लिये भेजा गया वह स्वीकृत हो गया है।

स्मरणीय आयोजन :

बैंक का 46वाँ स्थापना दिवस बंजारा हिल्स स्थित प्रधान कार्यालय के सभागृह में 9 अगस्त 2023 को मनाया गया। इस अवसर पर नेशनल फेडरेशन आफ स्टेट कोआपरेटीव बैंक्स के चेयरमैन व तेलंगाना स्टेट कोआपरेटीव एपेक्स बैंक के अध्यक्षश्री कोन्डुरु रविन्द्र राव, फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इन्डस्ट्री के अध्यक्ष श्री मीला जयदेव ने कार्यक्रम को मुख्य अतिथी के रूप में गरीमा प्रदान की।
मुख्य अतिथियों ने बैंक के संचालन की सराहना करते हुये सुझाव दिया कि बैंक को प्रतिवर्ष कम से कम एक नयी शाखाखोलनी चाहिये।

इन्श्युरेन्स म्युचुअल फण्ड एवम धन हस्तांतरण सुविधा :

अपने ग्राहकों की सुविधा हेतु बैंक एवं मेक्स लाईफ इन्श्यरेन्स कं., लाईफ इन्श्यरेन्स कार्पोरेशन ऑफ इन्डिया, निप्पॉन लाईफ इन्डिया एसेट मेनेजमेन्ट लि. न्यू इंडिया एश्युरेन्स कं. लि, एपेक्स मनी एक्सप्रेस प्रा. लि. जैसी कम्पनियों के साथ थर्ड पार्टी उत्पाद उपलब्ध कराने के लिये सार्थक गठजोड चालू है। सदस्यों के लाभ के लिए, बैंक तीसरे पक्ष के उत्पादों और सेवाओं को बेचने के लिए अपने रणनीतिक गठजोड़ को जारी रख रहा है

शोक समाचार :

बैंक के पूर्व चेयरमैन श्री जवाहरलालजी राठी का स्वर्गवास हो गया। मैं विशेष रुप से कहना चाहूँगा कि चेयरमैन के रूप में उनके द्वारा बैंक के विकास के लिये किये गये प्रयासों को सदैव सराहा जायेगा।
बैंक के पूर्व आर्बिट्रेटर श्री बी. दामोदर का स्वर्गवास हुआ। श्री बी. दामोदरजी ने आर्बिट्रेटर के रूप में बैंक को एक दशक से अधिक समय तक सेवायें प्रदान की थी। आर्बिट्रेशन के केसों के निपटान में उनकी कर्मठता को सदैव सराहा जायेगा।
बैंक के प्रधान कार्यालय में श्राफ के रूप में सेवारत टी. रूप सिंह का स्वर्गवास हुआ तथा काचीगुडा शाखा में श्राफ के रूप में सेवारत प्रभु कदमपुरे का स्वर्गवास हुआ।
महेश बैंक परिवार की ओर से परमात्मा से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को चिर शान्ति प्राप्त हो तथा उनके परिवार को अपूरणीय क्षति पर असीम धैर्य व साहस प्रदान करें।

आभार :

अपनी बात समाप्त करने के पहले बैंक के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने बैंक प्रबन्धन एवं बैंक कर्मियों के प्रति अटूट विश्वास दिखाया है। विशेष रुप से बैंक के सीनियर वाइस चेयरमैन, वाइस चेयरमैन एवं निदेशक मण्डल के सभी साथियों और बोर्ड ऑफ मेनेजमेंट के सभी सदस्यों ने बैंक के विकास में जो अमूल्य सहयोग मार्गदर्शन दिया उसके लिये मैं उनका हार्दिक आभार मानता हूँ। बैंक के लगातार विकास के लिये पूर्व निदेशकों के योगदान के लिये भी मैं सभी का आभार व्यक्त करता हूँ।
बैंक के सभी ग्राहकों शुभ चिन्तकों ने बैंक के प्रति जो विश्वास दिखाया और सहयोग किया उसके लिये उनका भी आभार मानता हूँ। भारतीय रिजर्व बैंक, केन्द्र सरकार के सहकारिता मंत्रालय के अधिकारियों का तेलंगाना, आन्ध्र प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र प्रदेश के सहकारिता कमीश्नर एवं रजिस्ट्रार और अन्य नियामक संस्थाओं के अधिकारियों का समय-समय पर जो मार्गदर्शन मिला एवं सहयोग मिला उसके लिये उनका हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।
विशेष रूप से नेशनल पेमेन्ट कार्पोरेशन, क्लीयरिंग कार्पोरेशन ऑफ इन्डिया, माननीय आर्बिट्रेटर, लिगल परामर्शदाता, वेल्युअर्स, कन्सलटेन्ट्स, आर्किटेक्ट, स्टैच्युटरी, इन्टरनल एवं कॉनकरेन्ट ऑडिटरों के सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिये भी आभार व्यक्त करता हूँ।
प्रिन्ट व इलेक्ट्रानिक मीडिया को भी बेंक को मिले सहयोग के लिये मैं धन्यवाद देता हूँ।
मैं स्वयं कि ओर से तथा सभी साथी निदेशकों की ओर से बैंक के प्रबन्ध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी की विशेष रुप से सराहना करता हूँ, जिन्होंने दिसम्बर 2022 में कार्यभार संभालने के बाद अपने बैंकिग क्षेत्र में वैश्विक विशिष्टता एवं अनुभव के आधार पर सभी साथी बैंक कर्मियों को पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ बैंक के सुव्यवस्थित संचालन के लिये मार्गदर्शन एवं प्रेरणा दी।

जय भारत, श्रेष्ठ भारत

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

रविवार, 1 अक्टूबर, 2023 4

सुविचार

यदि परिस्थितियों पर आपकी मजबूत पकड़ है तो जहर उगलने वाला भी आपका कुछ नहीं बिगाड़ सकता।

हर किसी को पर्यावरण की रक्षा के लिए आगे आना होगा : रोनाल्ड रोज़

हरितहारम तत्वावधान में कुक्कटपल्ली जोन में बड़े पैमाने पर पौधे लगाए गए

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के ऑयुक्त रोनाल्ड रोज़ ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा के लिए सभी को सामाजिक और व्यक्तिगत रूप से आगे आना चाहिए। हरितहारम कार्यक्रम के तहत शनिवार को जीएचएमसी, रोटरी क्लब ऑफ मोइनाबाद और एजेस फेडरल के संयुक्त तत्वावधान में कुकटपल्ली जोन में बड़े पैमाने पर पौधे लगाए गए।

इस अवसर पर कुतबुल्लापुर विधानसभा क्षेत्र में शाहपुर नगर से सुराराम कट्टा मैसम्मा मंदिर तक लगभग 5 किलोमीटर तक सड़क के मध्य में पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में जीएचएमसी कमिश्नर रोनाल्ड रोज़, जोनल कमिश्नर ममता, कुतबुल्लापुर विधायक विवेकानंद, कुक्कटपल्ली जोन के उपायुक्त और रोटरी क्लब ऑफ मोइनाबाद के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, आयुक्त ने कहा कि जीएचएमसी से बजट का 10 प्रतिशत विशेष रूप से विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से पौधे उगाकर शहर में हरियाली बढ़ाने और शहर के निवासियों को प्रदूषण मुक्त वातावरण प्रदान करने के लिए निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि शहर की जरूरत के पौधे तैयार करने के लिए शहर में 600 नर्सरियां स्थापित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि खासकर राज्य सरकार का हरितहरम कार्यक्रम एक सुखद वातावरण प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि वाहन प्रदूषण व अन्य प्रदूषण के अलावा लोगों को अस्वास्थ्यकर दूध नहीं मिल रहा है, बल्कि शहर में हरियाली के माध्यम से बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया जा रहा है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि शहर के 185 तालाबों का सौंदर्यीकरण किया जायेगा और लोगों के लिए जरूरी वॉकिंग ट्रैक और कुर्सियों की व्यवस्था की जायेगी। कार्यक्रम में सरकार के साथ-साथ स्वयंसेवी संस्थाएं भी आगे आएंगी, इसके लिए उन्होंने सभी को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर आयुक्त ने कहा कि जीएचएमसी भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वातावरण प्रदान करने के इच्छुक लोगों को पूर्ण सहायता प्रदान कर रहा है। कुतबुल्लापुर विधायक विवेकानन्द ने कहा कि तेलंगाना राज्य के मुख्यमंत्री केसीआर के दिमाग की उपज हरितहरम कार्यक्रम के माध्यम से, राज्य में वन क्षेत्र पहले से अधिक बढ़ गया है। पर्यावरण संतुलन बढ़ गया है, बारिश प्रचुर मात्रा में हो रही है, और राज्य के इतिहास में पहले से कहीं अधिक बारिश हो रही है। राज्य के मुख्यमंत्री द्वारा लिए गए निर्णय के कारण फसल की पैदावार बढ़ रही है। यूबीडी के अतिरिक्त आयुक्त ने कहा कि इस साल 100 लाख पौधे लगाने का निर्णय लिया गया है और हैदराबाद शहर में पहले ही हरियाली लगा दी गई है। शहर के चारों ओर वन विभाग की जमीनों पर सिटी पार्क स्थापित कर लोगों को उपलब्ध कराया गया है, क्षेत्र के लोग इनका उपयोग कर जीवन स्तर सुधारने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं, इसी तरह विभिन्न नवीन तरीकों से पौधे भी लगाए गए हैं शहर के लोगों को सुखद वातावरण प्रदान करने के लिए शहर में फ्लाईओवर के नीचे सब्जी उद्यान स्थापित किए गए हैं ताकि वाहन चालकों को सुखद वातावरण मिल सके। उन्होंने कहा कि खुशनुमा माहौल मुहैया कराया जायेगा. उन्होंने कहा कि विभिन्न नवीन पद्धतियों से वृक्षारोपण किया जा रहा है।

पं. गंगाराम स्मारक मंच द्वारा प्रो. सर्राजू का सम्मान

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंडित गंगाराम स्मारक मंच द्वारा केंद्रीय विश्वविद्यालय हैदराबाद के समकुलपति प्रो. आरएस सर्राजू के सम्मान में एक विशष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन प्रो. सर्राजू को केंद्रीय हिंदी मंडल (भारत सरकार), केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के शासी परिषद के सदस्य मनोनीत किये जाने पर आर्यकन्या विद्यालय, हनुमान व्यायामशाला, सुल्तान बाजार में किया गया। सर्वप्रथम मंच के अध्यक्ष भक्त राम ने मंच का उद्देश्य औश्र कार्य के संबंध में बताया। प्रो. सर्राजू का परिचय आत्माराम ने प्रस्तुत किया। अपने संबोधन में प्रो. सर्राजू ने अपने हिंदी प्रेम का बखान करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने अपनी दादी से हिंदी सिखने की प्रेरणा पाई। उनकी दादी ने उन्हें ट्यिूशन रखकर हिंदी सिखाई। वे आर्य समाज से भी प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि देश विदेश में अब हिंदी परचम लहरा रही है। उन्होंने मास्को में भी विदेशी विद्यार्थियों को हिंदी पढाई है। कार्यक्रम का संचालन सचिव श्रृतिकांत भारती ने किया। अंत में रुद्र ने सभी का आभार ज्ञापन किया।

ताज डेक्कन में "पिंक लेमोनेड" प्रदर्शनी में उमड़ी भीड़

ताज डेक्कन में पिंक लेमोनेड में भाग लेती हुईं आयोजक अंकिता संघी, नंदिता सुरेखा, साक्षी गोयनका तथा प्रदर्शनी में भाग लेने वाले खरीददारों की भारी भीड़ का दृश्य।

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को बंजारा हिल्स स्थित ताज डेक्कन में बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के कपड़ों और वस्तुओं के साथ आयोजित "पिंक लेमोनेड" बच्चों की प्रदर्शनी ने सभी को प्रभावित किया। आयोजक अंकिता संघी, नंदिता सुरेखा, साक्षी गोयनका के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शनी को शानदार प्रतिक्रिया मिली। बच्चों के कपड़े, महिलाओं के कपड़े, स्टेशनरी, उपहार, आभूषण, आस्तीन के कपड़े, खिलौने, शिक्षा से जैसी विभिन्न प्रकार की वस्तुओं के साथ 65 से अधिक स्टॉल लगाए गए थे। प्रदर्शनी में आगंतुकों को मुफ्त प्रवेश दिया गया। 7 घंटे तक चली इस प्रदर्शनी में 3,000 से अधिक आगंतुकों ने भाग लिया।

सेवानिवृत्त अपर आयुक्त विजयलक्ष्मी को दी गई विदाई

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी की अतिरिक्त आयुक्त विजयलक्ष्मी ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले लिया। शनिवार को गोलकोंडा होटल में जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज़ द्वारा उनकों सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, आयुक्त ने कहा कि अतिरिक्त आयुक्त विजयलक्ष्मी ने 34 वर्षों तक जीएचएमसी में विभिन्न पदों पर काम किया है। उनकों सेवाओं की ऑयुक्त ने प्रशंसा की। बाद में कमिश्नर रोनाल्ड रोज ने विभिन्न मंडलों में काम करने वाले सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में ईवीडीएम निदेशक प्रकाश रेड्डी, सीसीपी राजेंद्र प्रसाद नाइक, अतिरिक्त आयुक्त यादगी राव, वी.कृष्णा, उपेन्द्र रेड्डी, सरोजा, जयराज कैनेडी, जोनल कमिश्नर वेंकटेश डोत्रे, श्रीनिवास रेड्डी, ममता, एसी एस्टेट गीताराधिका, खेल निदेशक पाशा, यूसीडी परियोजना अधिकारी सौजन्या, संयुक्त आयुक्त मंगतयार, उमा प्रकाश, जयंत, सचिव लक्ष्मी, खेल प्रशिक्षक श्रीनिवास गौड़, रफ, इम्तियाज, वीरानंद और अन्य ने भाग लिया।

महेश बैंक का कर पूर्व लाभ 22.65 करोड़

स्वयं का कोष 398.35 करोड रुपए पहुंचा * महेश बैंक की 47 वीं वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आन्ध्र प्रदेश महेश कोआपरेटीव अर्बन बैंक लिमिटेड ने वर्ष 2022-23 के वित्तीय परिणाम आज बैंक के बंजारा हिल्स स्थित प्रधान कार्यालय के सभागार में आयोजित 47 वीं वार्षिक साधारण सभा में घोषित किये। बैंक देश के चार राज्य तेलंगाना, आन्ध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान में 45 शाखाओं के साथ ग्राहकों की सेवा कर रही है। वार्षिक साधारण सभा में उपस्थित सदस्यों का स्वागत करते हुये चेयरमैन रमेशकुमार बंग ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिये बैंक का कर पूर्व लाभ 22.65 करोड रहा तथा टैक्स भुगतान के बाद यह 17.32 करोड रुपए रहा। बैंक का स्वयं का कोष 390.19 करोड से बढकर 398.35 करोड पहुंच गया। प्रति शेयर बुक वेल्यु 249.42 रुएफ रही, तथा प्रति शेयर आय 10.67 रुपए हुई। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद बैंक का ग्रास एनपीए 8.48 प्रतिशत से 7.99 प्रतिशत तक आ गया। सदस्यों को सम्बोधित करते हुये रमेश कुमार बंग ने कहा कि वास्तव में विगत कुछ वर्षो से कुछ असंतुष्ट तत्वों द्वारा अर्थहीन व अवांछनीय तरीकों से येन केन प्रकारेण बैक को अस्थिर करने के प्रयासों के कारण निदेशक मण्डल एवं बैक की कार्यप्रणाली बहुत कठिन परीक्षा के दौर से गुजर रही है। लगातार दुष्प्रचार करने वालों की बैंक को नीचे गिराने की सोंच ने, बैंक की साख को भी धूमिल किया है। बैंक के प्रति नकारात्मक प्रचार ने बैंक के व्यापार को बहुत प्रभावित किया है और इसके कारण बैंक विकास की दौड में एक दशक पीछे हो गया है। फलस्वरूप बैंकका रेवेन्यु और प्राफिटेबिलिटी बहुत कम हो गयी। बैंक के व्यापार व साख में पहले जैसा वैभव लौटने में कुछ समय जरुर लग सकता है। रमेशकुमार बंग ने कहा कि महेश बैंक 1978 में अपने स्थापना काल से ही शेयर होल्डर्स को लगातार प्रतिवर्ष लाभाँश वितरण में पीछे नहीं रहा। बैंक की कार्य क्षमता और लाभ के अनुपात में जहाँ एक ओर शेयर होल्डर्स को पुरस्कार स्वरूप समुचित लाभांश देने में बैंक के निदेशक मण्डल ने सदैव उदारता दिखायी है वहीं दूसरी ओर बैंक की वित्तीय सुदृढता के लक्ष्य से सुरक्षित कोष में समय समय पर बढोतरी भी की है । माननीय उच्च न्यायालय, तेलंगाना के समक्ष लम्बित एक मुकदमें में प्राप्त आदेश के कारण निदेशक मण्डल कोई नीतिगत निर्णय लेने में असमर्थ है, अत: वर्ष 2022-2023 के लिये शेयर होल्डर्स को लाभांश एवम बैंक कर्मियों को एक्स ग्रेशिया प्रस्तावित नहीं किया गया। रमेश कुमार बंग ने कहा कि बैंकिंग कार्य संचालन को और अधिक सुरक्षित व सुदृढ करने के लिये सायबर सुरक्षा के दृष्टीकोण से बैंक ने इस वर्ष नवीनतम उन्नत तकनीक का अनुपालन करते हुये केन्द्रीय स्तर पर एंटि वायरस , नीतिगत और प्रोसेसिंग में नवीनतम सुरक्षा कन्ट्रोल, आन्तरिक स्तर पर प्रतिबन्धात्मक पहुँच, हैंकिंग, आदि से बचाव के लिये न्यु जेनरेशन फायरवाल सिस्टम जैसे परिवर्तन अपनाये है । आगे बताया कि बैंक वर्तमान में जिस कठिन दौर से गुजर रहा है उसको देखते हुये चालू वित्तीय वर्ष 2023-2024 के लिये निम्न लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं। सकल व्यापार रु. 3900.00 करोड तक पहुँचाना और सकल अकार्यशील पूंजी को 40 करोड तक लाना है।

रमेशकुमार बंग ने कहा कि बैंक के शेयर होल्डर्स, ग्राहक और शुभचिन्तकों ने अवांछनीय असंतुष्ट लोगों के तथ्यहीन दुष्प्रचार के बावजूद बैंक के प्रति जो दृढ़ विश्वास रखा और पूरा समर्थन दिया उसके लिये आभार मानना अपना कर्त्तव्य मानता हूँ। पूरा विश्वास है कि सभी के सहयोग और विश्वास के बलबूते परआने वाले वर्षो में बैंक पुन: अपने गौरव को प्राप्त करेगा तथा शेयर होल्डर्स को समुचित लाभाँश दे सकेगा। बैंक के प्रबन्ध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी वीरेन्द्र के. खण्डेलवाल ने सभा का संचालन किया तथा सदस्यों की शंकाओ का समाधान किया। साधारण सभा में अधिकतर सदस्यों ने निदेशक मण्डल से परस्पर विरोधाभास को दूर कर एक मत से लाभांश एवं एक्सग्रेसिया वितरण का निर्णय लेन का आग्रह किया। कुछ सदस्यों ने तथाकथित शेयर होल्डर्स वेलफेयर एसोसिएशन से कहा कि यदि वे सच में शेयर होडर्स के हित की रक्षा में काम करने की बात करते हैं तो बैंक पर किये गये सभी मुकदमें वापिस लें जिससे बैंक पुन: सुचारू काम काज कर सकें और अपने प्राचीन गौरव को प्राप्त कर सकें तथा शेयर होल्डर्स को लाभाँश मिले तथा निष्ठावान बैंक कर्मियों को एक्स ग्रेशिया वितरण किया जा सके। साधारण सभा में निदेशक मण्डल के अनीता सोनी, अरूणकुमार भांगडिया, बदरीविशाल मूंदडा, भगवान पन्सारी, बृजगोपाल असावा, गोविन्दनारायण राठी, सीए मुरली मनोहर पलोड, प्रेमकुमार बजाज, पुष्पा बूब, रामप्राकश भण्डारी, रमाकान्त ईन्नाणी, सीएस सुमन हेडा, बैंक के स्टेच्युटरि ऑडिटर, भी उपस्थित रहे। सभा में बैंक के पूर्व पदाधिकारी तथा पूर्व निदेशकगण भी उपस्थित थे। वाइस चेयरमैन लक्ष्मीनारायण राठी के आभार प्रदर्शन से साधारण सभा समाप्त हुयी ।

दक्षिण भारत का तीन दिवसीय सबसे बड़ा ज्वैलरी और लाइफस्टाइल शो उमंग 2.0 हाईटेक्स में शुरू

जैन संख्या में कम हो सकते हैं लेकिन सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं : राजश्री शाह

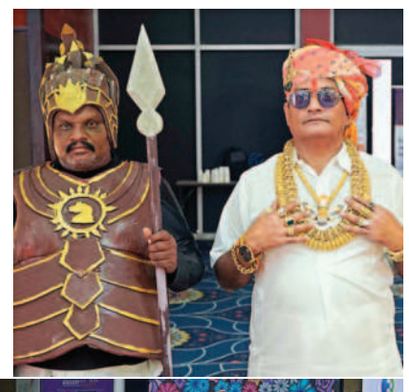

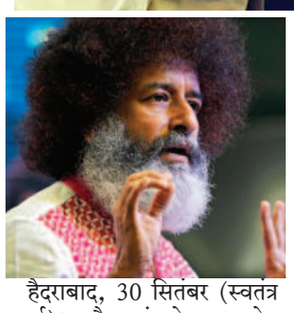

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन--जीतो हैदराबाद माधापुर शहर के हाईटेक्स में दक्षिण भारत के सबसे बड़े आभूषण और लाइफस्टाइल एक्सपो उमंग 2.0 का आयोजन कर रहा है। यह रविवार तक सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक खुला रहता है। एक्सपो में प्रवेश निःशुल्क है। उद्घाटन एक भव्य आयोजन था। उद्घाटन के अवसर पर कलर्स ऑफ इंडिया ने एक नृत्य नाटिका का प्रदर्शन किया। इसमें प्रेरक संदेश के साथ भारत की विभिन्न संस्कृतियों को दर्शाया गया। जीतो हैदराबाद, आयोजकों ने एक बैंड मिराजकर को भी शामिल किया है, जिसमें महाराष्ट्र के सोलापुर के 50 कलाकार शामिल हैं, जिनमें पुरुष और महिलाएं दोनों ड्रोल (ड्रम) पर प्रदर्शन कर रहे हैं। आगंतुकों को रेट्रो, विंटेज कारों में ले जाकर आश्चर्यचकित कर दिया गया रोल्स-रॉयस, जगुआर और ऑडी कारों के रूप में। 2 लाख वर्ग फुट क्षेत्र में फैला यह एक्सपो हाईटेक्स के सभी तीन हैंगरों में फैला हुआ है और इसमें 500 प्रदर्शक आभूषण, जीवन शैली, फर्नीचर, ऑटोमोबाइल, घरेलू सजावट उत्पादों और अन्य का प्रदर्शन कर रहे हैं। इसका औपचारिक उद्घाटन राजश्री शाह जिला कलेक्टर, मेदक ने जीतों के के गणमान्य संजय जी घोड़ावत, निदेशक, जीतो एपेक्स, पृथ्वीराज जी कोठारी, जोन चेयरमैन, मुंबई के साथ किया। जीतो के अन्य पदाधिकारी सुशील संचेती, अध्यक्ष परेश शाह, मुख्य सचिव, बी.एल. भंडारी, कोषाध्यक्ष जीतो हैदराबाद चैप्टर, गौतम सहलोत, एक्सपो अध्यक्ष और सुरेंद्र बंटिया, रोहित कोठारी, ललित चोपड़ा, एक्सपो सह-अध्यक्ष भी उपस्थित रहे।

उद्घाटन के अवसर पर मेदक जिले के जिला कलेक्टर राजश्री शाह ने कहा कि उमंग 2.0 सिर्फ एक एक्सपो नहीं है बल्कि उद्यमिता की भावना और एक मंच उत्सव है। यह परंपरा का मिश्रण भी है। जैन समुदाय परंपरागत रूप से एक व्यापारिक समुदाय है। बिजनेस उनके जीन में है. लेकिन, हाल ही में वे प्रशासन, न्यायपालिका, पुलिस और सेवा क्षेत्रों में भी प्रवेश कर रहे हैं। मैं जैनियों के प्रशासनिक सेवाओं में आने का एक उदाहरण हूं। जैन धर्म में सिखाया जाने वाला प्रमुख दर्शन परंपरा को हृदयंगम रखना है। यह एक्सपो परंपरा, व्यापार और न जाने क्या-क्या के बारे में है। जनसंख्या के हिसाब से जैन समुदाय भले ही संख्या में कम हो, लेकिन जीडीपी में उनका योगदान बहुत महत्वपूर्ण है। भारत में अभी भी जैन 0.5 प्रतिशत से कम हैं। वे व्यक्तिगत आयकर में सबसे अधिक योगदान देने वालों में से हैं। जैन इस देश में एकमात्र अल्पसंख्यक समुदाय है जिसने कभी भी अल्पसंख्यक अनुग्रह व आरक्षण की मांग नहीं की। अपने शुरुआती नोट्स देते हुए, सुशील संचेती ने कहा कि प्रदर्शनी कई महीनों के प्यार का श्रम है। यह 4 हॉलों में फैला हुआ है। हॉल 1 कॉर्पोरेट और वेडिंग एरिना है। हॉल 2 हीरा/सोना/चांदी आभूषण अनुभाग है। हॉल 3 लाइफस्टाइल एरेना और संबंधित उत्पाद है और हॉल 4 ऑटोमोबाइल एरेना है। अगले तीन दिनों में लगभग 75,000 लोगों के आने की उम्मीद है। टीएनएपीटीएस जोन (तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु जोन) के प्रकाश सेठिया ने इसे एक महत्वपूर्ण दिन बताया, क्योंकि जीतो हैदराबाद ने एक मेगा ज्वैलरी शो आयोजित किया है, जो अब पूरे देश में चर्चा का विषय बन गया है। मुख्य सचिव परेश शाह ने कहा कि जीतो हैदराबाद ने पिछले वर्ष 169 कार्यक्रम किये हैं। प्रोजेक्ट चेयरमैन गौतम सहलोत ने कहा कि एक्सपो 4 महीने की मेहनत का नतीजा है। इसका मुख्य उद्देश्य उत्पादों, स्टार्ट-अप विचारों और महिला उद्यमियों की बाजार का पता लगाने की क्षमता को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करना है, आर्थिक रूप से गरीब महिलाओं और व्यवसायों को किफायती कीमतों पर स्टालों की पेशकश करके प्रोत्साहित करना और उद्यमिता की भावना का जश्न मनाना है। प्रसिद्ध आध्यात्मिक नेता महत्रिया रा का आध्यात्मिक सत्र आयोजित किया गया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 194 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **आश्विन कृ.2 2080 रविवार, 1 अक्टूबर-2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16+32** **मूल्य : 8 रुपये**

पीएम बोले-मोदी मतलब गारंटी

'डिप्टी सीएम ने हमारी तारीफ की लेकिन छत्तीसगढ़ सरकार केंद्र की मदद नहीं कर रही'

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में इसी साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। वहीं बिलासपुर में पीएम मोदी ने एक विशाल जनसभा को संबोधित किया और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्य की सरकार केंद्र की मदद नहीं कर रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि मोदी मतलब गारंटी है।

पीएम मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, बिलासपुर का आह्वान है, छत्तीसगढ़ का ऐलान है, छत्तीसगढ़ में परिवर्तन तय हो गया है। ये जो उत्साह यहां दिख रहा है, ये परिवर्तन का उद्घोष है। कांग्रेस सरकार के अत्याचारों से त्रस्त छत्तीसगढ़ की जनता कह रही है- अउ नइ सहिबो बदल के रहिबो। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा, छत्तीसगढ़ आकंठ भ्रष्टाचार और कुशासन से त्रस्त है। रोजगार के नाम पर सिर्फ घोटाले ही घोटाले हैं। हर योजना में भ्रष्टाचार हावी है। इसलिए छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को हटाने और भाजपा को लाने के लिए आपलोग पूरी तरह तैयार हैं।

आपका सपना मोदी का संकल्प

पीएम मोदी ने कहा, छत्तीसगढ़ के विकास के लिए भाजपा की सरकार (चाहे केंद्र में हो या राज्य में) पूरी तरह समर्पित रही है। आज मैं आपको ये गारंटी देने के लिए आया हूं कि आपके हर सपने को साकार करने के लिए मोदी कोई कसर बाकी नहीं छोड़ेगा। आपका सपना मोदी का संकल्प है। पीएम मोदी ने कहा, दिल्ली से मैं जितनी कोशिश करू यहां कि कांग्रेस सरकार उसको फेल करने में जुटी रहती है। पिछले पांच साल में केंद्र से छत्तीसगढ़ को हजारों करोड़ रुपए मिले हैं। यहां सड़क हो, रेल हो, बिलजी हो, यहां के विकास के लिए मैंने पैसों की कोई कमी नहीं होने दी और ये बात मैं नहीं, बल्कि यहां के कांग्रेस सरकार के उपमुख्यमंत्री का कहना है। इसलिए यहां भाजपा की सरकार जरूरी है। पीएम मोदी ने कहा, जब दिल्ली में कांग्रेस की सरकार थी तो रेलवे के लिए वर्ष में औसतन 300 करोड़ रुपए छत्तीसगढ़ को मिलता था। लेकिन इस साल भाजपा सरकार ने छत्तीसगढ़ में रेलवे के विस्तार के लिए 6000 करोड़ रुपए दिए हैं। ये है मोदी मॉडल, ये है छत्तीसगढ़ के लिए मोदी का प्रेम। पीएम मोदी ने कहा, मेरे परिवारजनों, गरीब के साथ जितना अन्याय कांग्रेस ने किया है, उतना किसी ने नहीं किया। कोरोना का इतना बड़ा संकट आया, गरीब के इस बेटे ने तय किया कि हर गरीब भाई-बहन को मुफ्त राशन दूंगा। इसलिए मोदी ने अन्न का भंडार खोल दिया, जो आज भी दिया जा रहा है। लेकिन गरीबों को मिलने वाला अन्न, गरीब के घर जलने वाला चूल्हा, ये भी कांग्रेस के लिए चोरी करने का माध्यम बन गया। कांग्रेस सरकार ने इसमें भी घोटाला कर दिया।

पीएम मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, कांग्रेस नेताओं को अपने बच्चों के जीवन से बहुत सरोकार है। लेकिन आपके बच्चों के जीवन से कांग्रेस वालों को कोई लेना-देना नहीं है। आगे कहा, केंद्र की भाजपा सरकार का प्रयास है कि यहां से जो खनिज संपदा निकलती है उसका एक हिस्सा यही के विकास में लगना चाहिए।

आरएसएस ने मोदी को हिंसा फैलाने का काम सौंपा : राहुल

जातीय जनगणना पर सवाल उठाता हूं तो बीजेपी कांपने लगती है

शाजापुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के शाजापुर में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने जातीय जनगणना पर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घेरा। उन्होंने कहा, 'नरेंद्र मोदी ओबीसी की सरकार नहीं चलाते। वे दलितों-आदिवासियों के लिए भी काम नहीं करते हैं। उनका काम तो ध्यान इधर-उधर करने का है, नफरत और हिंसा फैलाने का है। यह काम उन्हें आरएसएस ने सौंपा है।'

राहुल शनिवार को शाजापुर जिले की कालापीपल विधानसभा क्षेत्र के पोलायकलां में कांग्रेस की जन आक्रोश यात्रा में शामिल हुए। उन्होंने सभा में कहा, 'हिंदुस्तान को 90 अफसर (कैबिनेट सेक्रेटरी और सेक्रेटरी ऑफ गवर्मेंट ऑफ इंडिया) चलाते हैं। ये निर्णय लेते हैं कि पैसा कहां जाएगा लेकिन इनमें 3 अफसर ही ओबीसी हैं।

कांग्रेस सांसद ने कहा, 'देश के सामने एक ही मुद्दा है- जातीय जनगणना। ओबीसी कितने हैं? उनकी भागीदारी कितनी होनी चाहिए? जब जातीय जनगणना का सवाल उठाता हूं तो बीजेपी के लोग कांपने लग जाते हैं। नरेंद्र मोदी भागने लग जाते हैं। अमित शाह हिंदू-मुस्लिम करेंगे। कांग्रेस सरकार आने पर यह पहला काम हम करके दिखाएंगे।'

राहुल बोले, 'एमपी में 370 किलोमीटर हमारी भारत जोड़ो यात्रा रही। लोगों ने मुझे बताया कि मध्यप्रदेश हिंदुस्तान में भ्रष्टाचार का एपिसेंटर है। महाकाल कॉरिडोर में बीजेपी ने पैसा चोरी किया। हमने एमपी, राजस्थान, छत्तीसगढ़, कर्नाटक में किसानों की कर्ज माफी के वादे किए। यहां कमलनाथ कर्ज माफ करवा रहे थे लेकिन, धोखा देकर बीजेपी वालों ने सरकार को चोरी कर लिया।' उन्होंने व्यापमं, मिड-डे मील का भी जिक्र किया।

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा, 'इन्हें (बीजेपी) रेट कार्ड की यात्रा निकालनी चाहिए। हर चीज में 50% कमीशन की व्यवस्था बनाई है। पंचायत से लेकर मंत्रालय तक भ्रष्टाचार है। भाजपा का समय आ गया है।' वे राहुल गांधी का नाम लेकर बोले, 'पूरा प्रदेश आप पर भरोसा कर रहा है। जिस प्रदेश में आप आए हैं, वो भ्रष्टाचार, बेरोजगारी में नंबर-1 है। 18 साल से शिवराज सिंह ने प्रदेश को बर्बादी में घसीटा है। उनकी घोषणा और झूठ की मशीन डबल स्पीड से चल रही है।'

ज्ञानवापी मामले पर सुनवाई पूरी : व्यासजी के तहखाने मामले पर चार अक्तूबर को आएगा आदेश

वाराणसी, 30 सितंबर (एजेंसियां)। ज्ञानवापी परिसर स्थित व्यासजी के तहखाने को डीएम की निगरानी में सौंपने संबंधी मामले में दाखिल ट्रांसफर वाद में शनिवार को सुनवाई पूरी हुई। अदालत ने आदेश के लिए चार अक्तूबर की तारीख नियत कर दी है।

विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट की तरफ से अधिवक्ता रवि कुमार पाण्डेय ने कोई आपत्ति दर्ज नहीं की सिर्फ यह कहा कि ट्रांसफर आवेदन में मूल वाद नहीं दर्ज है। जिसे तत्काल संशोधित कर लिया गया। वादी शैलेन्द्र व्यास के अधिवक्ता सुभाषनंदन चतुर्वेदी ने कहा कि तह खाना में दरवाजा है ही नहीं विपक्षी किसी भी समय कब्जा कर सकते हैं। जिसका कड़ा प्रतिवाद अंजुमन इंतजामिया के अधिवक्ता मुमताज़ अहमद ने किया कि ऐसी कोई बात नहीं है। सर्वे हो रहा है ताला हमारी तरफ से बंद था, खोला हमने ही ऐसे में कब्जा किये जाने की दलील गलत है। अदालत ने कहा कि दोनों पक्ष कि बहस सुन ली है, ऐसे में चार अक्तूबर को कोर्ट आदेश देगी।

2000 के नोट बदलने की मियाद एक हफ्ते बढ़ी

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया यानी आरबीआई ने 2000 रुपए का नोट बैंक में जमा करने या दूसरे नोटों से बदलने की तारीख 7 अक्टूबर तक बढ़ा दी है।

आरबीआई ने सर्कुलर जारी करके कहा, 'विड्रॉल प्रोसेस का तय समय खत्म होने के बाद, रिव्यू के आधार पर 2000 रुपए के नोट को जमा और बदलने की मौजूदा व्यवस्था 7 अक्टूबर 2023 तक बढ़ाने का फैसला किया गया है।' इससे पहले, न्यूज एजेंसी के हवाले से खबर आई थी कि 30 सितंबर तक 2000 का नोट न बदले जाने पर अगले दिन यानी 1 अक्टूबर से उसकी वैल्यू जीरो हो जाएगी। हालांकि, सूत्रों ने जानकारी दी थी कि शाम तक आरबीआई नोट बदलने की समय सीमा को बढ़ा सकता है। ऐसा ही हुआ और आरबीआई ने 2000 के नोट बदलने की समय सीमा एक हफ्ते के लिए बढ़ा दी।

लोकसभा चुनाव में नहीं लगवाएंगे पोस्टर, न पिलाएंगे चाय

गडकरी बोले-जिसको वोट देना होगा, वो खुद देगा जिसको नहीं देना है वो नहीं देगा

वाशिम, 30 सितंबर (एजेंसियां)। देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव और अगले साल लोकसभा चुनाव से पहले केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बड़ा बयान दिया है। गडकरी का कहना है, इस बार लोकसभा चुनावों में वो पोस्टर-बैनर नहीं लगवाएंगे। न ही चाय पानी पिलवाएंगे। उन्होंने आगे कहा- जिसको वोट देना है, वो खुद आकर देगा, जिसको नहीं देना है वो नहीं देगा। गडकरी ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के वाशिम में तीन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के उद्घाटन के दौरान ये बातें कहीं। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता नितिन गडकरी का कहना है, मैं चुनावों में रिश्वत नहीं लेता हूं और न किसी को भी ऐसा करने की अनुमति दूंगा। लेकिन, मुझे विश्वास है कि मैं ईमानदारी से आप सभी की सेवा कर सकूंगा। नितिन गडकरी चुनावों में प्रलोभन को लेकर पहले ही कुछ इस तरह का बयान दे चुके हैं।

साहित्य भास्कर : भर्तृहरि

अतुल कुमार

संस्कृत साहित्य के प्रसिद्ध साहित्यकारों में भर्तृहरि का नाम बडे आदर से लिया जाता है . शब्द विद्या के मौलिक आचार्य थे शब्द शास्त्र को ब्रह्मा का साक्षात रूप माना गया. भर्तृहरि शब्द ब्रह्म के योगी थे .ऐतिहासिक गाथाओं के अनुसार वह सम्राट विक्रमादित्य के बडे भाई थे लेकिन उनके जीवन में एक समय ऐसा आया कि सारा राज पाट छोड मोह माया को त्याग तपस्या करने वन में चले गये .भर्तृहरि ने कहा कि " भगवान ने मूर्खों को चुप रहने का ऐसा वरदान दिया है कि जिससे समाज में वह अपनी इज़्ज़त को बचा कर रख सकते हैं यह मूर्खों के लिये किसी सुरक्षा कवच से कम नहीं है " कई नीति श्लोक और पुस्तकें लिखीं जिसे रोज़मर्रा के जीवन में अपना जीवन की दशा और दिशा में सुधार किया जा सकता है . आज जब संस्कार ,विचार और आचार खत्म हो रहे हैं तब उनकी कही और लिखी हर बात अधिक उपयोगी दिखाई देती है . जिधर देखें उधर घरों के कंस्ट्रक्शंस तो हो रहे हैं लेकिन संस्कारों ,व्यवहारों और विचारों के डिकंस्ट्रक्शंस अधिक हो रहे हैं इनके बिना घरों की क्या महत्ता रहेगी ? सोचिये !

भर्तृहरि ने हज़ारों साल पहले मनुष्यों की कमज़ोरियों को पकडा और उनकी उंगली पकड मानवता ,मानवीयता और मनुष्यता के रास्ते पर ले गये . महान योगी थे कहा कि " आप इस दुनिया में सींघ वाले खरगोश को भी विचरण करते हुए देख सकते हैं लेकिन एक मूर्ख को ज्ञान की बात बताना और समझाना मुश्किल है इसलिये मूर्ख व्यक्ति के साथ अपना समय बर्बाद मत करो" उनके मतानुसार " धन खर्च करने की तीन गति होती है दान ,भोग और नाश लेकिन अगर कोई आदमी न तो धन का दान करता है और न तो उसका भोग करता है तो फिर उसको तीसरी गति से कोई नहीं रोक सकता " .

भर्तृहरि महान शासक थे प्रजा के सुख दुख को जानने के लिये उन्हीं के बीच घूमा करते उनसे सीधा संवाद रखते उनके दुख ,दर्द और परेशानियों को ध्यान से सुन तुरंत समाधान करते . लोगों को आदर्श की राह पर चलने तथा जीवन गुज़ारने के लिये प्रेरित करते और कहते " खोटी संपत्ति से राजा , अधिक मोह से संतान ,अधिक मेल जोल से साधु संत अध्ययन न करने से ज्ञानी, कुपुत्र से कुल , नशा करने से शर्म ,देखभाल न करने से खेती आमदनी से अधिक खर्च करने से धनी नष्ट हो जाते हैं " हमेशा कला को बढावा देते और कहते " जो मनुष्य साहित्य संगीत और कलाओं (शिल्प और चित्र आदि) से अनभिज्ञ है वह बिना पूंछ और सींग का पशु है वह मनुष्य रूपी पशु बिना घास खाये ही जीवित रहता है अच्छी बात है कि वह घास नहीं खाता वर्ना जानवरों की घास भी खा जाता " .

भर्तृहरि संस्कृत के प्रकांड विद्वान थे साथ ही उनकी ख्याति एक प्रखर प्रसिद्ध कवि और दक्ष शास्त्री के रूप में थी विशाल साम्राज्य के शासक थे जिसकी राजधानी उज्जयिनी जिसे वर्तमान में उज्जैन कहा जाता है. राजा भर्तृहरि अपने छोटे भाई सम्राट विक्रमादित्य की बुद्धिमत्ता और ज्ञान से प्रभावित थे इसलिये उनको अपने शासन का प्रधान मंत्री बनाया दोनों भाइयों के बीच प्यार और समर्पण की मिसाल को अब भी याद किया जाता है .विक्रमादित्य के बारे में बताया जाता है कि वह विद्वान ,न्याय प्रिय , धर्मात्मा , राजनीति के गहन ज्ञाता और प्रभावशाली राजा थे .कहा जाता है कि दोनों के बीच राम और लक्ष्मण जैसा स्नेह था भर्तृहरि विक्रम को पुत्रवत स्नेह देते .

भारतीय साहित्य – संस्कृति में भर्तृहरि के लिखे तीन शतक साहित्य की अनमोल धरोहर हैं यह हैं " नीति शतक " " श्रंगार शतक " और " वैराज्ञ शतक " .उनकी कविताओं में अपने समय के संक्रमण की पीडा और द्वंद है लोक गाथाओं के अनुसार उनके अंदर बेचैनी के दंश हैं जिनको उन्होंने झेला . अपने लिये रौशनी की वास्त्विकता को खोजा उदाहरण के लिये निम्न श्लोक प्रस्तुत है . " मही रम्या शय्या विपुलमुपधानम भुजलता / वितानं चाकाशं व्यजन्मनुकूलोक्ष्मनिलः / स्पुरद्दीपशचंद्रो विरति वनिता संगमुदितः / सुखं शांतः शेते मुनिरतनुभूतिर्नृप इव // (नीति शतक) भर्तृहरि .

भावार्थ है मुनियों के लिये भूमि ही रमणीय शय्या है .अपनी भुजा ही तकिया है .आकाश ही उनकी चादर है अनुकूल वायु ही उनका पंखा है .

चंद्रमा ही प्रकाशमान दीपक है विरक्ति ही उनकी स्त्री है इनके साथ ही मुनि जन ऐश्वर्यशाली राजा के समान सुखपूर्वक शयन करते हैं " सोचिये आज क्या हालात हैं कितनी विसंगतियां हैं .भर्तृहरि ने भौतिक जीवन की दुनिया को बार बार परखा टटोला ताकि ज़िंदगी को सही दिशा मिले उस शख्सियत की आज कल्पना भर की जा सकती है जिसने अपने यशस्वी जीवन में राजकीय जीवन से संन्यास या वैराग्य के बीच कई चरणों का सफर तय किया .

राजा भर्तृहरि के संबंध में एक कथा प्रचलित है जिसके अनुसार एक बार महान योगी गोरख्नाथ का उज्जैन में आगमन हुआ वह भर्तृहरि के दरबार में पहुंचे जहां उनका भव्य स्वागत किया गया जिससे प्रसन्न हो गुरु गोरखनाथ ने राजा भर्तृहरि को एक फल देते हुए कहा कि इसके सेवन से हमेशा युवा और सुंदर रहोगे कभी बूढे नहीं होगे .राजा ने फल ग्रहण कर योगी को आदर से विदा किया .उनके जाने के बाद राजा ने सोचा उनको जवानी और सुंदरता की क्या ज़रूरत है वह अपनी पत्नी पिंगला से प्रेम करते थे फल रानी को दे दिया राजा की पत्नी राज्य के कोतवाल से प्रेम करती थी उसने फल कोतवाल को दे दिया कोतवाल एक दासी से प्रेम करता था उसने फल उसे भेंट कर दिया तो उसने सोचा इसका सेवन करेगी तो वह इस काम से कैसे निजात पायेगी फिर सोचा यदि हमारा राजा हमेशा युवा रहेगा तो राज्य खुशहाल रहेगा यह सोच दासी उस फल को राजा को भेंट करने पहुंच गयी राजा ने योगी से मिले फल को वापस मिलते देखा तो दासी से हैरत से पूछा कि यह फल तुमको किसने दिया ! तब उसने कोतवाल का नाम लिया और कोतवाल से वही प्रश्न किया तो उसने डरते डरते रानी पिंगला के बारे में बताया .पत्नी से मिले धोखे के कारण राजा के मन में वैराग्य पैदा हो गया अपना राज पाट अपने छोटे भाई विक्रमादित्य को सौंप कर एक गुफा में तपस्या करने चले गये उज्जैन के निकट वह गुफा आज भी विद्यमान है .

इसी गुफा में कई ग्रंथों की रचना की इनमें " वैराज्ञ शतक " " श्रंगार शतक " और " नीति शतक " प्रसिद्ध हैं . इसमें काव्य धारा के नौ रसों का संपूर्ण वर्णन सुंदर तरीके से मिलता है .इसके अलावा उन्होंने महाभाष्य टीका ,मीमांसा ,वेदांत सुत वृद्धि आदि कई ग्रंथ लिखे .अपनी रचनाओं से हर मनुष्य को बताया कि किस मनुष्य को क्या करना चाहिये सदगुण ,विद्या , जीवन के मूल्यों का विकास सहित व्यक्तित्व विकास की परिभाषाएं उनकी रचनाओं के केंद्र में रहे .सैकडों वर्ष पूर्व लिखे उनके विचार आज अधिक प्रासंगिक हैं क्यों कि उसमें जीवन का मर्म है .उनके अनमोल वचन दिल को छूते हैं. दरअसल अपने गहन अनुभवों से जीवन को नयी परिभाषा दी इसलिये कह सकते हैं वह जीवन के पथ प्रदर्शक शासक और साहित्य भास्कर थे .

काव्य कुंज

पीड़ा की क्या परिभाषा है ?

कुमुद बाला,
हैदराबाद

अपार वेदना से भरे
हृदय में पीड़ा की क्या परिभाषा है ?
क्यों दुनिया में इतनी
नफ़रत नहीं धर्म की कोई जिज्ञासा है
पीड़ा की क्या परिभाषा है ?
अंतर्द्वंद्व के दावानल में
झुलस के रह गयी अच्छाई
मिथ्या के बंद लिफ़ाफ़े में कहीं गुम हो गयी सच्चाई
हर युग की यही है विडंबना धर्म के ऊपर दीवार खड़ी
मिथ्या दूर खड़ी हँस रही देख के अपनी यूँ परछाईं
लोगों ने कितने चोले बदले पर वितर्क हुई हर अध्याशा है
अपार वेदना से भरे हृदय में पीड़ा की क्या परिभाषा है ?
क्यों दुनिया में इतनी नाफ़रत नहीं धर्म की कोई जिज्ञासा है
सौहार्द्र हृदय का ब्रम्हकमल तो करुणा है इसकी वर्तिका
प्रेम का बंधन मोह नहीं बस यह ईश्वर से जुड़ी अवंतिका
परमात्मा के पद चिन्हों पर जब चल पड़ती है आत्मिका
वह प्रेम है बंधनमुक्त जहाँ नहीं पनपेगी कभी दुर्भिक्षता
क्या वृक्ष- नदी से पूछा किसी ने क्या उनकी अभिलाषा है
अपार वेदना से भरे हृदय में पीड़ा की क्या परिभाषा है ?
क्यों दुनिया में इतनी नाफ़रत नहीं धर्म की कोई जिज्ञासा है
हर पहलू पे विचार किया और न्यायाधीश की बात सुनी
रक्षक ही भक्षक बन जाये फिर किस काम की रामधुनि
वृक्ष प्रेम का बड़ा अनोखा खिलते उसपर अनगिनत पुष्प
खाता पत्थर किन्तु बाहें फैलाकर स्वागत करता अनसुनी
उसकी पीड़ा उसका धर्म पवित्रता ही उसकी नित्याशा है
अपार वेदना से भरे हृदय में पीड़ा की क्या परिभाषा है ?
क्यों दुनिया में इतनी नाफ़रत नहीं धर्म की कोई जिज्ञासा है
हृदय में मीराँ मुख में रसखान है वही कृष्ण का विराट रूप
मानस में तुलसी ध्यान बाल्मीकि तैयार वहीं है राम स्वरूप
नर-नारायण रहें वहाँ जिस हृदय हो प्रेम के शंख की गूँज
फूट के पत्थर उमगे झरना मुरली स्वर का है प्रकाश अनूप
सत्य का दामन थाम के कोयल ढूँढ रही वह जिजीविषा है
अपार वेदना से भरे हृदय में पीड़ा की क्या परिभाषा है ?
क्यों दुनिया में इतनी नाफ़रत नहीं धर्म की कोई जिज्ञासा है
चलो तुम्हें अपनी पीड़ा के समुद्र की लहरों से मिलवाऊँ
गगन में बिखरे तारों की हर थिरकन से परिचित करवाऊँ
अनुभवों के महासमुद्र में अनुभूति की सिक्ता छुप कर बैठी
उस सिक्ता के रजत भाव पर सरगम में कोई गीत सुनाउँ
अँखियाँ मींचे बैठी योगिनी कहो विलक्षण कैसी मौनाशा है
अपार वेदना से भरे हृदय में पीड़ा की क्या परिभाषा है ?
क्यों दुनिया में इतनी नाफ़रत नहीं धर्म की कोई जिज्ञासा है
पीड़ा की क्या परिभाषा है ?

नारी

रेणुका अग्रवाल

हर हाल में अपना धर्म निभाए।
दुखों में भी जो मुस्काये।
अंधेरों में ज्योत जलाए।
पतझड़ में जो फ़ूल खिलाए।
वो नारी कहलाती है,
वो संसारी कहलाती है।
दर्द सहे जीवन दान दिलाये।
माँ बनकर जो मुस्काये।
अनन्त रूप है नारी के।
ईश्वर पर ममता बरसाये।
वो नारी कहलाती है फ़िर भी बेबस बेचारी कहलाती है।
बहन बेटी बुआ बनकर,अपने पीहर को सजाये,
बहु बन ससुराल जाकर,अपने छोड़ पराये अपनाये।
वो नारी कहलाती है। वो अवतारी कहलाती है।
शिक्षा से समाज में नाम कमाये।
जॉब कर घर में खुशियाँ लाये।
घर संभाले ऑफिस भी जाये।
बच्चे पाले माँ कहलाये। वो नारी कहलाती है।
वो महतारी कहलाती है।
नित नया सृजन करती है नारी।
चिंतन मनन करती है नारी।
नारी संसार आगे है बढ़ाती।
श्रुष्टि स्पंदन करती है नारी।
नारी में माँ का रूप निराला।
माँ खिलाती है निवाला।
माँ से है वो किस्मतवाला।
नारी धरती पे ईश्वत समान है।
नारी से है घर में उजाला।

जब मैं मैं ना रहा

चंद्रप्रकाश शर्मा
हैदराबाद

जब मैं मैं ना रहा
बूंद सागर में मिल गई
वजूद मेरा मिट गया
फिर भला क्या रहा
फिर तू ही तू रहा मैं ना रहा
जब मैं मैं ना रहा
बे हिसाब तेरी तलाश थी
जमीन और आसमान मैंने
खोज डालें मंदिर में प्रार्थनाएं की
प्यास तो प्यास थी बहुत
तू नहीं मिला तो आंख बहती रही
जाने क्यों तेरी याद
दिन-ब-दिन दीवानी होती गई
तुझे देखा ना था कभी
मिला ना था पता भी ना था तेरा
मेरी आंख मस्त थी
खुमार छाया था हर तरफ
हैरान था परेशान था
कुछ होश था कुछ बेहोश था
मैं खुद से बेखुद हो गया था
एक अजीब सी गूंज थी
जो गुंजन बन गूंज रही थी
उसी की याद में निकला था
उसी से मदद मांग रहा था
कुछ पता न था मुझे
यह माजरा कुछ अजीब था
मैं मिट् रहा था
मैं मदहोश था खामोश था
बस तेरी याद थी मैं मैं ना रहा ।।

एक शख्स की तलाश में था।

संजीव ठाकुर,
रायपुर

वफा की खातिर एक शख्स की तलाश में था वो,
मुझे देख हमेशा बगले झांकता था वो,
चंद टुकड़ों के लिए बना बड़ा शातिर,
अपने को हमेशा संत दिखाता था वो,
खुद की शक्ल में दूसरा आदमी था वो,
अपने को मासूम सदैव दिखाता था वो,
पल में माशा पल में तोला ऐसा क्यो,
बड़ी मछली बन छोटी को निगलता था वो,
खुद की बेटी बेटी है दूसरों की पराई नार,
पितामह बन दूसरों की बेटियों पर बुरी नजर रखता था वो,
आदमी ऊपर से दिखता तो शरीफ था
शराफत का चोंगा पहनकर घूमता था वो।
इंसानियत का बड़ा दुश्मन दिखाई देता था,
आम लोगों को भी बहुत देर से समझ आता था वो।
ईश्वर की लाठी में आवाज नहीं होती,
ईश्वर के हाथों ही बुरी गति को प्राप्त होता ।।

परख

हेमंत सुराना

परखने निकले तो,
सब पराये लगे
समझे तो,
सब अपने निकले
टटोलते, परखते, आजमाते,
जिन्दगी के अंदाज निराले
कभी हौसला परखती,
कभी हृदय को परखती
रिश्तो को परखती, चरित्र को परखती
ज्ञान की परख, हर मोड़ पर परख
सही गलत, सच झूठ
समझ खत्म भी हो गई
चेहरे से ना परखो, दिल में उतर कर देखो,
दर्द समख कर देखो
समझ में आ गया, तो क्या परखना ।
**

हाँ...हाँ.. मैं बेटी हूं

हाँ...हाँ.. मैं बेटी हुँ ।
रोटी बनाना ही नहीं कमाना भी जानती हुँ।
कलाई में कंगन पहनी हूँ,
तुम इसे कमजोर न समझना।
है दम इतना कि हर बोझ उठा लूँ,
सृजन के निर्माता है केवल हाथ न समझना।
दबी कुचली हूँ पर सशक्त हुँ...
जमाना जितने का हुनर रखती हुँ।
हाँ...हाँ.. मैं बेटी हुँ ।
रोटी बनाना ही नहीं कमाना भी जानती हुँ।
चूल्हा चौका संभालती हूँ,
खेत खलिहान भी जोतना जानती हुँ।

डॉ डी डी देसाई

घर परिवार हो या बाल बच्चे,
हर जिम्मेदारी उठाना जानती हूँ।
न डरा मुझे इन खोखले हथियारों से,
मैं दूधारी झाँसी सा हुनर रखती हूँ।
हाँ...हाँ.. मैं बेटी हुँ ।
रोटी बनाना ही नहीं कमाना भी जानती हुँ।
कब तक दबाते रहोगे...?
पैरों तले कुछलते रहोगे।
एक दिन काँटा बन चुभेंगे इस कदर,
लहूलुहान तलवों से भटकते रहोगे।
गए वह दिन...पल्लू में सीसाक्रियाने के,
चिंगारी हूँ...भड़कना भी जानती हूँ।
हाँ...हाँ.. मैं बेटी हुँ ।
रोटी बनाना ही नहीं कमाना भी जानती हुँ।
छोड़ दो ये नाजायज बहस,
बेटा बड़ा या बेटी बड़ी है..?
बहुत देखें कुलदीपक...भुजे हुए,
हर घर एक बेटी मशाल लिए खड़ी है।
बादल दे अपनी कमजोर सोच,
मैं दुनिया बदलने का माद्दा रखती हूँ।
हाँ...हाँ.. मैं बेटी हुँ ।
रोटी बनाना ही नहीं कमाना भी जानती हुँ।

याद आए मुझे मेरे पूर्वज

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

याद आए मुझे मेरे पूर्वज,
पितृपक्ष श्राद्ध दिन जो आए।
तन नहीं अब इस धरा पर,
आत्मा से मिलन को आए।।
श्राद्ध पक्ष का हिंदू धर्म में,
होता है विशेष महत्व,
पूजते हम उन पूर्वजों को,
जिसे हमारा है अस्तित्व,
दान दक्षिणा संग, पूज्य पितरों को शत-शत नमन
दिल में रखकर मूरत उनकी,श्रद्धा सुमन करते अर्पण,
जिस तिथि को देह त्यागी, वह दिन स्मरण हो आए।
याद आए मुझे मेरे पूर्वज,पितृपक्ष श्राद्ध दिन जो आए।।
विधि विधान से तर्पण आदि सुयोग्य ब्राह्मण से करवाया,
पितरों को जो पसंद था भोजन उसी का भोग लगवाया,
परिवार ने संयुक्त रूप से पूर्वजों के नाम का दीप जलाया
स्वर्ग लोक चले गए पूर्वज,नई पीढ़ी से परिचय करवाया,
पूर्वज अपने परिवार को आशीर्वाद देवन को आए।
याद आए मुझे मेरे पूर्वज,पितृपक्ष श्राद्ध दिन जो आए।
श्राद्ध पक्ष में सच्चा ब्राह्मण कम को भी स्वीकार करे,
स्वच्छ परम्पराओं के साथ शुद्ध आचार विचार रखे,
भोग लगाने के लिए चारों दिशाओं का रखना ध्यान
कुत्ता,काक,गौमाता, चींटी इनका भी रखना मान,
शुद्धता का सूरज चमका, पवित्र भाव मनन को आए।
याद आए मुझे मेरे पूर्वज,पितृपक्ष श्राद्ध दिन जो आए।
तन नहीं अब इस धरा पर,आत्मा से मिलन को आए।।

करें चिंतन

दर्शन सिंह
हैदराबाद

जिधर से गुजरो,
तने मिलेंगे छिद्रान्वेषी
राह चलते बाल की
खाल..बनकर मवेशी
बंधु कभी आइने में स्वयं
को निहार लिया करो
कहता छोड़ो, मजा आ रहा है करके अठखेली
भोर के साथ ही चबूतरे पर आसन जमाता है
आने जाने वाले को अदब प्यार से बुलाता है
जैसे ही होता आभास, ऊंठ आया पहाड़ के नीचे
वीक पॉइंट पर रख हाथ,आंसुओं से..सजाता है
हालांकि प्रभु चौखट पर नित्य नाक रगड़ता है
जाने अनजाने हुई गलतियों के.. माफ़ी मांगता है
जैसे ही दहलीज लांघी,आंखें तरेरता है
पल में तोला पल में मासा,गिरगिट.. रंग बदलता है
दर्शन कभी अकेले बैठ.., क्या मिली शांति
चलो माना तुम जीते मैं हारा, कभी मिली विश्रांति
या यूँ ही अनमोल जीवन को सुलगाते रहे
करें चिंतन,अन्यथा चकनाचूर, मिलेगी अशांति।।

पुरखों के दिखाए राह

कमलेश झा

सत्य पथ की बात हो
हरिश्चन्द्र सा धीर ।
वचन रक्षा के खातिर
जिसने बेचा अपना शरीर ।।
जब दानी की बात हो
ऋषि दधीच का दान।
अपने तन से बढ़ कर जिसने माना दान प्रधान ।।
मर्यादा की बात हो रघुबर से लो सीख ।
पिता आज्ञा के पालन में वन में भटके वीर।।
भ्रातृ प्रेम को सीख लो भरत लक्ष्मण का प्यार।
एक बन में साथ रहे दूजे याद में काटे रात।।
समझाया श्री कृष्ण ने धीरज रख्खो धीर।
चाहे बारह वर्ष हो न्याय की होगी जीत।।
राष्ट्र प्रेम की बात हो गंगा पुत्र का त्याग ।
जीवन के अंतिम छन तक राष्ट्र हित की बात।।
गढ़ना हो नव राह तो गुरु चाणक्य का ज्ञान ।
अदना सा बालक भी बन सकता अशोक महान ।।
आदि शंकर का ब्रह्म ज्ञान फैला सकता है प्रकाश ।
सनातन के प्राचीन परमपरा को जान पाया संसार।।
आओ मिलकर अब चुने मिला जुला वो राह।
अपने पथ को रौशन करें दिखाए पुरखों के राह।।

मना कर आया हूँ

-बलविंदर सिंह,
गुरदासपुर

रूठे-रूठे यार मना कर आया हूँ।
दरिया ऊपर पुलबना कर आया हूँ।
गुलशन को है मेरे पर इतराज़ बहुत,
काँटों को क्यों फूल बना कर आया हूँ।
आओ बताऊं जीवन किस को कहते हैं?
मँवर भीतर दीप जला कर आया हूँ।
लाखों सांप उनके चार चुफेरे थे,
घोंसले से चूजों को बचा कर आया हूँ।
मानो या ना मानों, पर यह सच्च है,
अपनी अर्थी आप उठा कर आया हूँ।
मेरा चौथा कर के सज्जन लौट रहे,
मैं जिंदा हूँ, मैं कुरला कर आया हूँ।
दुःखों की बेरी पर लाखों बेर पड़े,
माली से सारे तुड़वा कर आया हूँ।
सूर्य भांति तब ही दिखता चन्द्रमा,
मुद्धतों वाले दाग मिटा कर आया हूँ।
सब की पूजा होगी ईश्वर की भांति,
पाषाणों पर तिलक लगा कर आया हूँ।
मैं तो बात बड़ों की टाल नहीं सकता,
'बालम', दुश्मन यार बना कर आया हूँ।

शरमा दूंगी दर्पण को

नृपेन्द्र अभिषेक नृप
छपरा , बिहार

तुम बसे हो मेरी आंखों में
तुम छाये रहते हो
मेरे मन -उचय मंदिर में
हर पल तेरी याद सताती है ।
तुम्हारे आने की प्रतीक्षा में
मेरी पथरायी आंखों से
बहते हैं नीर और
दिल से निकलती आहें हैं ।
हर पल जलती रहती हूं विरह की अग्नि में ।
तुम भूल गये अपने वादे को
न तुम आये न आया तेरा कोई संदेश ।
तुम्हारे बिना मेरा श्रृंगार अधूरा है
श्रृंगार कर किसे रि-हजयाऊंगी
जब तुम आओगे सोलह श्रृंगार कर
शरमा दूंगा दर्पण को ।

चर्चा

गुनाह बहुत से हो जाते हैं जहां में,
चर्चा जिनकी होती तक नहीं !
निगाहें गुस्ताख भी हो जाती हैं अक्सर,
चर्चा उनकी भी कोई करता नहीं !
पुष्प हवाओं में महक खूब फैलाते हैं,
चर्चा उनकी भी रह जाती है अधूरी ही !
मां के आंचल में महफूज़ रहता है शिशु ,
किन्तु ममता की चर्चा ज्यादा होती नहीं !
जिंदगी है एक रंगमंच की तरह,
अभिनय कर रहा शख्स हर कोई,
फ़िर भी चर्चा खुद के अभिनय की
जीवन भर कोई किसी से करता नहीं !
दूसरों को प्रिय लगने वाला यदि
असत्य बोलें तो लगते सभी को प्रिय है,
यदि कहें सत्य बुरा लगने वाला तो
सच बोलने वाले को बुरा कहने के,
चर्चे सदा शुरू कर देती है दुनिया !
हालात जितने भी हो चुनौतीपूर्ण,
किन्तु सकारात्मकता ही रहना चाहिए,
सुनकर लोगों से अपने चर्चे विपरीत !
ईश्वर का दिया कीमती उपहार है समय,
जिसे चर्चाओं में व्यर्थ ना गंवाना चाहिए।

मुनीश भाटिया
कुरुक्षेत्र

द्वेष भाव से पृथक कर दे

ऐ भाई ! यह क्या हुआ कैसे मची हंगामा!
क्यों सबके सामने है तूफान खड़ा किया !!
किस किस को क्या क्या बताएं हाल अपनों की
जहरीली बीमारी फैल गई जो कभी सुधरेगी नहीं
अपनी अपनी जगह सब के सब बहुत समझदार हैं
तांता लगी है एक दूसरे को बताने अपनी चतुराई है
कोई नाम के लिए कोई दाम के लिए तो कोई शान के लिए
बहुत कम सज्जन तैयार है तत्पर समाज सेवा भाव के लिए
चारों में तो चार चांद लगा देते हैं कर
देते हैं लंबी बातें बस चार दिन की
चांदनी फिर वही काली अंधेरी रातें

रमेश गायकवाड
रागा, हैदराबाद

अपनी जिम्मेदारी अपनेपन
को बहुत कम लोग समझते
बैठकर व्हाट्सएप पर
हजारों के गपशप फिजूल घुमा देते
पहचानना बहुत मुश्किल
हो गया है कौन समाज के लिए है
अपनों में कोई अपनों का खाल पहनकर साजिश रच रहा है
पता लगता नहीं किसने किस किस को खंजर भोंका है
अभी घाव मिटा भी नहीं दाग नया बनने को हैं तैयार
उगते सूरज की तरह होना चाहिए समाज की वृद्धि
कौन रोड़ा बनकर खड़ा कहां खो गई उसकी बुद्धि
सामाजिक बुनियादी तत्वों को जब तक बढ़ावा न मिलें
समाज में फैले निस्सार डालियों को लेकर क्या करें ?
सोचो ! हर कोई सोचने की घड़ी है सक्रिय सोचो!
समाज के बाग में सुगंधित कलियां खिल उठे कैसे
उत्सुक कार्यकारी को समाज की जिम्मेदारी देना चाहिए
एकता सेवा भाव से सभी कार्य सक्रिय होना चाहिए
भगवान सद्गुरु हमें सदा द्वेष भाव से पृथक कर दें
यदन्तरं तद् बाह्यं यद् बाह्यं तदन्तरम सार भर दें।।

राष्ट्रभाषा हिंदी

श्रीमती पूजा गुप्ता

हमारी हिंदी
राष्ट्रभाषा है हिंदी
हिंद देश की आन है हिंदी
संस्कृत की लाडली बेटी है हिंदी
हिंदुस्तान की तो मातृभाषा है हिंदी
हमारा मान सम्मान
अभिमान है हिंदी
सुंदर ,मीठी,सरल और सहज भाषा है हिंदी
हम सबको एकता के
अनुपम परंपरा में बांधे हुए हैं हिंदी
अनेकता में एकता को दर्शाती है हिंदी
हिंदुस्तान की पहचान है हिंदी
सारे विश्व में अलग पहचान है हिंदी।।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निज़ामाबाद, विशाखापट्टणम

अंजाम-ए-आरक्षण क्या होगा ?

महिलाओं को राजनीति में बराबर की भागीदारी देने की राह सबको पता है। वह है सामाजिक और राजनीतिक चेतना। किसी लोकतांत्रिक देश के राजनीतिक दलों की तो यह बुनियादी पहचान होनी चाहिए थी। लेकिन, इस बुनियाद के बिना बनी राजीतिक अट्टालिका में तीन दशक से महिलाओं के 33 फीसद आरक्षण के लिए जंग चल रही थी, जिसमें हर राजनीतिक दल भोथरे औजार लेकर उतर रहा था।

भारतीय संसद की नई इमारत में पेश होने के साथ ही नारी शक्ति वंदन विधेयक 2023 पास कर दिया गया। लोकसभा में विरोध में सिर्फ दो मत पड़े और राज्यसभा में एक भी मत विरोध में नहीं पड़ा। पिछले एक दशक में देश में राजनीतिक कटुता का जैसा माहौल रहा है, उसे देखते हुए इस स्थिति को अकल्पनीय ही कहा जा सकता है कि संसद में किसी मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष एक साथ आ सकता है। किंतु-परंतु के साथ सभी साथ आए और इसे वक्त की सबसे बड़ी जरूरत बताया।

सोनिया गांधी खुद ही कह चुकी हैं कि एक बार महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित होने के बाद इन दलों को अपनी तरफ से ओबीसी महिलाओं को चुनावी मैदान में उतारने में कोई नहीं रोकेगा। कांग्रेस प्रमुख खरगे मान रहे हैं कि 1952 से लेकर 70 सालों में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया है। प्रधानमंत्री भी बता रहे हैं कि संसद में पुरुषों के अनुपात में महिलाओं की संख्या कितनी कम रही है। पक्ष-विपक्ष सब सहमति से कह रहे हैं कि संसद में महिलाओं के लिए बराबरी की मंजिल अभी बहुत दूर है। इस दूरी के फासले को कम करने के लिए जिस इच्छाशक्ति की जरूरत थी वह मुख्यधारा के राष्ट्रीय राजनीतिक दलों ने तो नहीं दिखाई।

फिलहाल सत्ता पक्ष खुश है कि संसद की नई इमारत में उसने इतिहास रच दिया है। विपक्ष ने इसे 'पोस्ट डेटेड चेक' करार देकर ताना मारा है कि महिला आरक्षण लाएंगे, तारीख नहीं बताएंगे। कहा जा रहा है कि जनगणना और परिसीमन की शर्तों को देखते हुए इसे आगामी 2024 और 2029 के चुनाव में लागू करने की संभावना बहुत कम दिख रही है। कयास लगाए जा रहे कि 2034 के चुनाव में ही यह मूर्त रूप में दिख सकता है।

सरकार के एवमस्तु और विपक्ष के किंतु-परंतु के साथ हम पक्ष-विपक्ष दोनों को याद दिलाना चाहते हैं कि संविधान में अभी तक ऐसा कोई कानून नहीं है कि कोई भी पार्टी इतने फीसद महिलाओं को ही टिकट दे सकती है। संविधान जब सबको बराबर के अधिकार की बात करता है तो यह हमारे राजनीतिक दलों के द्वारा बनाए गए हालात की त्रासदी है कि तीन दशक से 33 फीसद महिला आरक्षण का झुनझुना बजाया जा रहा है।

अब हालत यह है कि संसद में कथित ऐतिहासिक कानून पास हो जाने के बाद भी सत्ता पक्ष व कुछ राजनीतिक दलों को छोड़ कर कहीं भी महिलाओं के बीच खासा उत्साह नहीं दिख रहा है। तीन दशक से बजाते-बजाते झुनझुने के अंदर की घंटी घिस गई है और किसी शिशु की तरह महिलाओं ने इसे चौंक कर, चिंहुक कर देखना बंद कर दिया है। झुनझुने की घंटी घिसने का असली कारण बस एक सवाल है कि आपको अभी तक किसने मना किया था 33 फीसद महिलाओं को टिकट देने से? 2014 के पहले और उसके बाद की सभी सरकारों से सवाल है। आप क्यों किसी आरक्षण कानून का इंतजार कर रहे थे? अभी तक संविधान में तो किसी तरह का नियम नहीं है कि आप ओबीसी मुख्यमंत्री बनाइए, या मंत्रिमंडल में इतने ओबीसी मंत्री

रखिए। बिहार, उत्तर प्रदेश से लेकर दक्षिण के राज्यों तक ओबीसी महिमा-गान सभी कर रहे हैं। जो कांग्रेस 2010 में कह रही थी कि आपको ओबीसी की महिलाओं को सीट देने से कौन रोक रहा है, आज वो कह रही है कि उसके समय में की गई जाति जनगणना को सार्वजनिक किया जाए और वो सत्ता में आई तो ओबीसी को आरक्षण देगी। कर्नाटक में कांग्रेस की ऐतिहासिक जीत के बाद मुख्यमंत्री चयन में सबसे पहली प्राथमिकता ओबीसी चेहरा ही था। पिछले कई चुनावों में देखा जा चुका है कि सत्ता पक्ष ओबीसी को खुश करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। आज के समय में ओबीसी आरक्षण के खिलाफ बोलना राजनीतिक आत्महत्या करने के समान है। सत्ता पक्ष से लेकर उससे जुड़े संगठनों के मुखिया तक आरक्षण के कसीदे पढ़ कर इसे आने वाले दो सौ साल तक की जरूरत बता रहे हैं।

जाति के आधार पर बात करें तो दक्षिण भारत में ओबीसी का प्रभुत्व कायम हो चुका है। यह हुआ राजनीतिक इच्छाशक्ति से। अगर उत्तर प्रदेश में दो-दो उपमुख्यमंत्री देने पड़े हैं और उसमें जाति देखी गई है जेंडर नहीं तो उसकी वजह यही है कि वोट जातिगत आधार पर मिलने हैं। अभी भी बजट के विश्लेषण में यही लिखा जाता है कि महिलाओं के लिए उपहार-सोना, साड़ी और सौंदर्य उत्पाद सस्ते हुए। महिलाएं बाजार में तो उपभोक्ता के रूप में चिह्नित हैं लेकिन वोट के मैदान में वे अलग से ऐसा वर्ग नहीं हैं जिन पर चुनावी सीटों का दांव लगाया जाए।

ओबीसी महिमा के इस अमृतकाल जैसे माहौल में अगर महिला आरक्षण को लेकर किंतु-परंतु है तो सिर्फ इसलिए कि जेंडर की पहचान अलग से वोट जिताऊ चिह्नित समुदाय के रूप में नहीं है। आरक्षण कानून की बाध्यता के बिना अगर महिलाएं टिकट पाने में पीछे हैं तो सिर्फ इसलिए कि किसी खास जाति के उम्मीदवार को टिकट इस समीकरण पर दिया जाता है कि उस पूरी जाति का वोट उस उम्मीदवार को मिलेगा। हां, किसी महिला को खड़ा कर यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि उस क्षेत्र की सारी महिलाओं का वोट उसे मिलेगा। यहां भी यही तय होगा कि वह महिला किस जाति की है।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 40 फीसद महिलाओं को टिकट देने का शिगूफा छोड़ा और पूरे चुनावी अभियान को गुलाबी रंग में समेट दिया। शायद इसलिए कि उत्तर प्रदेश में उसकी हार तय थी। वहां के चुनावी मैदान में वह सिर्फ अपने छवि प्रबंधन भर के लिए ही उतरी थी। वहीं पंजाब से लेकर, हिमाचल, कर्नाटक के विधानसभा चुनावों से लेकर कांग्रेस कार्य समिति तक के चुनाव में कांग्रेस उत्तर प्रदेश में खड़ी की गई गुलाबी क्रांति को भूल गई। यहां उसने सोच लिया कि बिना संसद में कानून पास हुए और ओबीसी की गणना हुए महिलाओं को टिकट देना शायद कोई असंवैधानिक काम होगा। जो भाजपा हर जगह चुनावी भगवान की तरह ओबीसी का आह्वान कर रही है, उसके मध्य प्रदेश और राजस्थान के रुझान देख कर तो यही लग रहा कि बिना जनगणना और परिसीमन के 33 फीसद महिलाओं को टिकट दे देने से महिलाएं नाराज हो जाएंगी और वोट नहीं देंगी।

जिन दलों के पास अपने काम का आधार और राजनीतिक चेतना है उन्होंने बिना किसी हो-हल्ले के अपने राज्यों में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ाई। ममता बनर्जी ने बंगाल में और नवीन पटनायक ने ओड़ीशा में आनुपातिक रूप से महिलाओं को ज्यादा संख्या में टिकट देकर मिसाल कायम की। इन्होंने संसद में किसी नई इमारत बनने और महिला आरक्षण विधेयक के पास होने जैसे किसी इतिहास बनने का इंतजार नहीं किया और वर्तमान के नए प्रतिमान बने।

ममता बनर्जी और नवीन पटनायक अपने बूते का काम कर चुके हैं। इनकी नजीर के साथ ही सत्ता पक्ष व विपक्ष दोनों से हमारा सवाल यह है कि संसदीय और विधायी सीटों पर 33 फीसद महिलाओं के आंकड़े के लिए जनगणना और परिसीमन का इंतजार क्यों? आपके दल में गणित की मामूली समझ वाले लोग भी गणना करके बता देंगे कि आप यह कैसे कर सकते हैं। सत्ता और विपक्ष दोनों इसे 2024 में लागू कर सकता है। वरना आपको सिर्फ श्रेय लेना है तो क्या किया जा सकता है। अब देखते हैं कि अंजाम-ए-आरक्षण क्या होगा जहां हर शाख पर इसे लागू करवाने का श्रेय बैठा है।

सिर्फ़ विशेष सत्र समाप्त हुआ है, विशेष एजेंडा क़ायम है ?

श्रवण गर्ग

इस रहस्य से कभी पर्दा नहीं उठ पाएगा कि देश और दुनिया भर में सनसनी फैलाते हुए पाँच दिन के लिए संसद का विशेष सत्र क्यों तो बुलाया गया और फिर उसे चार दिन में ही क्यों समेट दिया गया ! पाँचवे दिन का क्या हुआ ? आशंकाएँ तो यही थीं कि पूरा सत्र इतनी गर्माहट से भर जाएगा कि उसे आगे बढ़ाना पड़ेगा। वैसा कुछ भी नहीं हुआ। अंत में जो नज़र आया वह यही था कि

आक्रामक विपक्ष और जनता का मूड भाँपते हुए सरकार ने अपने अघोषित एजेंडे पर रणनीतिक रूप से पीछे हटने का तय कर लिया।

ऐसा मान लेने में कोई हर्ज नहीं कि संसद की पुरानी इमारत से नये भवन में प्रवेश मात्र से प्रधानमंत्री न तो ज़्यादा लोकतांत्रिक हो गए और न ही पवित्र सेंगोल की उपस्थिति में उनका कोई हृदय परिवर्तन हो गया है। संसद का एक और विशेष सत्र बुलाने के निर्णय से पहले प्रधानमंत्री शायद पाँच राज्यों के चुनाव परिणामों से रूबरू होना चाहते हैं। इसीलिए विधानसभा चुनाव लोकसभा जैसी तैयारियों से लड़े जा रहे हैं। इनके परिणाम ही अब लोकसभा चुनावों की तारीख़ें भी तय करेंगे ?

याद किया जा सकता है कि बहु-चर्चित विशेष सत्र की जानकारी संसदीय मंत्री प्रह्लाद जोशी द्वारा 31 अगस्त को ट्वीटर के ज़रिए देश को उस समय दी गई थी जब विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेता अपनी महत्वपूर्ण बैठक के लिए मुंबई में जमा थे। याद करने की दूसरी चीज़ यह है कि विशेष सत्र की शुरुआत के समय पुराने संसद भवन की लोकसभा में प्रवेश से ठीक पहले प्रधानमंत्री ने मीडिया की उपस्थिति में तीन-चार मिनिटों में क्या कहा था !

प्रधानमंत्री ने कहा था : विशेष सत्र ऐतिहासिक होगा। समय के हिसाब से छोटा है पर ऐतिहासिक निर्णयों का सत्र होगा। पचहत्तर साल की यात्रा नए मुक़ाम से हो रही है। 2047 तक देश को एक विकसित राष्ट्र बनाकर रहना है। रोने-धोने के लिए बहुत समय होता है, करते रहिए। भारत की विकास यात्रा में अब कोई विघ्न नहीं रहेगा।

सवाल यह है कि क्या विशेष सत्र ठीक वैसा ही साबित हुआ जैसा कि दावा किया गया था ? ऐतिहासिक निर्णयों के नाम पर जो हासिल हुआ क्या उसी के लिए इतनी अटकलों और अफ़वाहों को जन्म दिया गया ? इतनी सनसनी फैलने दी गई ! कथित तौर पर अंग्रेजों की ग़ुलामी के प्रतीक पुराने संसद भवन से प्रधानमंत्री के सपनों के नये भारत को दर्शाने वाले नए भवन तक पैदल यात्रा किस ताक़त के प्रदर्शन के लिए की गई थी ? कहीं ऐसा तो नहीं कि कुख्यात 'नोटबंदी' और त्रासदायी 'लॉक डाउन' जैसा ही कुछ चौंकाने वाला होना था पर सरकार की हिम्मत आख़िरी क्षणों में जवाब दे गई ? प्रधानमंत्री ने अपनी वैश्विक महत्वाकांक्षाओं को इतना ऊँचा उठा दिया है कि वे अब उस जगह वापस नहीं लौट सकते जहां से उन्होंने सत्ता-प्राप्ति की यात्रा प्रारंभ की थी।

प्रधानमंत्री इस सचाई से बेख़बर नहीं होंगे कि पार्टी में उनकी ज़रूरत तभी तक क़ायम है जब तक वे उनके 'व्यक्तिवाद' का समर्थन करने वाले सांसदों-विधायकों को सत्ता में स्थापित करते रहने का सामर्थ्य दिखाते रहते हैं ! अपने साथ पार्टी संगठन को भी उन्होंने सत्ताभिमुख कर दिया है।

प्रधानमंत्री पिछले चार दशक से अधिक समय से सत्ता की राजनीति से जुड़े हुए हैं। अतः इस तरह की मान्यताएँ निर्विवाद हैं कि इतने लंबे कालखंड में विपक्ष दलों से कहीं ज़्यादा शत्रु उन्होंने अपनी ही पार्टी, संघ और उसके आनुषंगिक संगठनों में खड़े कर लिए हैं। ये सब भी विपक्षी पार्टियों की तरह ही उस क्षण की वापसी की प्रतीक्षा में हैं जिसे प्रधानमंत्री कभी लौटता हुआ नहीं देखना चाहेंगे। संसद का विशेष सत्र उसी क्षण को पीछे धकेलने की कोशिशों का एक असफल प्रयास माना जा सकता है !

विश्वासपूर्वक कहा जा सकता है कि अभी केवल संसद का विशेष सत्र ही ख़त्म हुआ है ,प्रधानमंत्री का विशेष एजेंडा नहीं ! एजेंडा पूरी तरह से क़ायम है और उसकी कार्यसूची की जानकारी भी सिर्फ़ प्रधानमंत्री को ही होगी। संभव है एजेंडे को लागू करने के लिए प्रधानमंत्री राहुल गांधी और विपक्षी गठबंधन इंडिया के किसी कमज़ोर क्षण अथवा उसकी किन्हीं कमज़ोर कड़ियों के टूटकर बिखरने की प्रतीक्षा कर रहे हों। उन्हें निश्चित ही यक़ीन होगा कि शरद पवार, नीतीश कुमार, अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल के कांग्रेस के साथ अविश्वास के संबंध और 2024 के परिणामों को लेकर विपक्षी दलों में व्याप्त भय की स्थिति भाजपा की मददगार साबित हो सकती है।

विपक्षी दलों के बीच अपनी आवाज़ को और मज़बूत करने के लिए कांग्रेस के लिए ज़रूरी हो गया है कि दो महीने बाद होने जा रहे विधानसभा चुनावों में वह कर्नाटक जैसी ही जीत हासिल करके दिखाए। यही कारण है कि कांग्रेस को कमजोर करने के लिए तीनों राज्यों (मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़) में प्रधानमंत्री ने पार्टी की पूरी ताक़त को झोंक दिया है। यह बात अलग है कि इन राज्यों में कांग्रेस से मुक़ाबले के साथ-साथ पार्टी की अंदरूनी कलह से भी उन्हें निपटना पड़ रहा है। मोदी जानते हैं कि इन राज्यों में भाजपा की जीत या हार लोकसभा चुनावों के लिए जनता के बीच उनके तिलिस्म का प्रभाव भी तय करने वाली है।

अंत में : वास्तुशास्त्र और ज्योतिष में यक़ीन करना हो तो कुछ अनुभवी वास्तुविदों ने आशंकाएँ व्यक्त की हैं कि नव-निर्मित संसद भवन में कई गंभीर वास्तु दोष हैं जो प्रधानमंत्री के तीसरे कार्यकाल के लिए बाधाएँ उत्पन्न कर सकते हैं। यह भी कहा गया है कि नए संसद भवन में आयोजित हुए विशेष सत्र को अपेक्षित सफलता नहीं मिलने से मोदी के लिए बाधाओं की शुरुआत हो चुकी है। उधर, कांग्रेस ने इरादे ज़ाहिर कर दिए हैं कि इंडिया गठबंधन अगर सत्ता में आता है तो पुराने संसद भवन में वापसी कर सकता है। देखना यही बाक़ी रह जाता है कि कथित वास्तुदोषों और विपक्षी मंसूबों को विफल करने के लिए नरेंद्र मोदी आगे क्या करने वाले हैं !

रेप से भी ज्यादा आपराधिक है मानवीय संवेदनहीनता

महाकाल की नगरी उज्जैन में एक नाबालिग से दरिंदगी के साथ रेप और उसके बाद उस लड़की के मदद के लिए दर दर भटकने की कहानी रोंगटे खड़े करने वाली है। इसको लेकर राजनीति भी शुरू हो गई है, क्योंकि यह क्षुब्धकारी घटना चुनावों के पहले हुई है। इधर, विपक्ष मप्र में महिलाओं की इज्जत दांव पर होने का आरोप लगा रहा है तो सत्तापक्ष दोषी को फांसी चढ़ाने की बात कह रहा है। पुलिस इस मामले में जांच कर रही है, उसने एक संदिग्ध ऑटो चालक को गिरफ्तार भी किया है। यह घटना क्यों और कैसे हुई, इसका खुलासा भी जल्द होगा, लेकिन सबसे ज्यादा चिंता का विषय यह है कि आम लोग अब ऐसे मामलों में किसी भी पीड़ित की मदद के लिए आगे आने की बजाए उससे बचते क्यों हैं? जितना उत्साह उनका ऐसी अमानवीय घटनाओं के वीडियो बनाने में दिखता है, उसका दसवां हिस्सा भी वो पीड़ित को समय पर राहत पहुंचाने अथवा पुलिस को बुलाने के लिए करना क्यों जरूरी नहीं समझते हैं? और यह भी कि अगर समाज से इंसानियत की मर गई तो उस समाज के होने का अर्थ क्या है? इसका अर्थ यह नहीं कि घटना का वीडियो बनाना कोई गुनाह है। कई बार ऐसे वीडियो को पुलिस को जांच में मददगार भी साबित होते हैं। लेकिन मानवीयता का तकाजा क्या है? वेदनाओं का वीडियो बनाना या फिर मानवीय संवेदनाओं के अनुरूप पीड़ित मनुष्य की हर संभव सहायता करना? यथाशक्ति किसी पीड़िता के रेप से बचाना या फिर उसकी मजबूरी का नाजायज फायदा उठाना अथवा यह होते देखकर मौन रह जाना? यह जान बूझकर ओढ़ा गया मौन और उदासीनता रेप से भी बड़ा सामाजिक और नैतिक अपराध है।

उज्जैन की नाबालिग पीड़िता की जो दर्दनाक कहानी सामने आ रही है, वह हिला देने वाली है। रात में निर्मम रेप के बाद सुबह 6 बजे डरी-सहमी 15 साल की लड़की लड़खड़ाते हुए आती है। उसके साथ एक दरिंदा रात में बेरहमी से रेप कर बदहाल अवस्था में छोड़कर फरार हो जाता है। नाबालिग के तन पर लाज ढंकने लायक कपड़े भी नहीं है। शरीर के निचले हिस्से से खून बह रहा है। वो नाबालिग रोते हुए करीब तीन घंटे पैदल चलकर 8 किलोमीटर का सफर तय करती है। वह शहर की दो कालोनियों के पांच सौ से ज्यादा घरों, दो ढाबों और एक टोल नाके से होकर गुजरती है। मदद के लिए कई घरों के दरवाजे खटखटाती है। कुछ लोग उसे इस शर्मनाक हालत में देखते भी हैं, लेकिन उसकी मदद का विचार भी उनके जेहन में नहीं आता। होगी कोई, सोचकर आगे बढ़ जाते हैं या फिर घर के अधखुले दरवाजे भी पूरे बंद कर लेते हैं। आखिरकार एक आश्रम का रहमदिल कर्मचारी उसे शरण देता है और पुलिस को खबर करता है।

मन झकझोर देने वाली यह क्रूर कथा केवल उज्जैन की नहीं है, तकरीबन हर शहर की है। तीन माह पूर्व देश की राजधानी दिल्ली की एक घनी बस्ती की संकरी गली में एक नाबालिग की उसका प्रेमी सरेआम चाकुओं से गोद कर हत्या कर देता है। लोग आते जाते उस लड़की की हत्या होते देखते यूं निकल जाते हैं मानों को नुक्कड़ नाटक हो रहा हो। किसी के माथे पर शिकन तक नहीं आती।

इसी तरह सड़क पर हादसों में कुछ लोगों की मौत हो जाती है। लेकिन राहगीर तमाशबीन की तरह देखते रहते हैं या फिर अगल बगल खड़ा हुजूम उस 'अनोखे दृश्य' का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने में खुद को धन्य समझता है। कोई यह जहमत नहीं उठाता कि घायल को अस्पताल पहुंचा दे या उसकी किसी तरह से जान बचा ले और न ही मृत व्यक्ति के परिजनो और पुलिस तक उसकी खबर पहुंचाने की कोशिश करता है। बड़ा सवाल यह है कि इस तरह हादसों के शिकार पीड़ितों के प्रति लोग इतनी बेरूखी क्यों दिखाते हैं? क्या इसलिए कि पीड़ितों में कोई उनका परिचित या सगा सम्बन्धी नहीं है।

यह वाकई गहरे अफसोस और समाज के आत्मचिंतन की बात है कि हम सभ्य, सम्पन्न और ज्ञानी होने के बाद भी मनुष्यता का बुनियादी ककहरा भी भूलते जा रहे हैं। समाज की यह संवेदनहीनता पुलिस की संवेदनहीनता से भी ज्यादा खतरनाक है।

आज कानून व्यवस्था कायम रखने का जिम्मा हमने पूरी तरह पुलिस और न्याय व्यवस्था के भरोसे छोड़ दिया है। हर कोई शायद यह सोच रहा है कि जो दुर्घटना, बलात्कार, दरिंदगी और अत्याचार किसी दूसरे के साथ हुआ है, वह अपने साथ नहीं होगा। इसलिए मुझे क्या करना है? जब अपने पर बीतेगी तब देखा जाएगा। अभी तो अपनी जिंदगी सुकून से जी लें। जो हुआ, जिसके साथ हुआ और जैसा भी हुआ, वो दूसरे दिन अखबार में पढ़ लेंगे या सोशल मीडिया का कोई न कोई हरकारा क्लिक बढ़वाने के लिए अपने व्हाट्स एप ग्रुप पर उसका वीडियो डाल ही देगा। घर में बैठकर या बिस्तर पर लेटकर किसी की यातना का वीडियो देखने और उसे दूसरों को फारवर्ड करने से मिलने वाला आसुरी आनंद अलग ही है।

मनोवैज्ञानिकों के अनुसार इस बेरूखी का दूसरा कारण हमारे समाज में प्रगति के बरक्स सहानुभूति का घटते जाना है। आज हर कोई एक अंधी दौड़ में है, और उसके लिए, किसी की मदद की ज़रूरत से ज़्यादा उसका अपना एजेंडा महत्वपूर्ण है। यह आत्म-लीन स्वार्थ हर जगह प्रदर्शित होता है। जब लोगो में जुड़ाव की कमी होती है, तो सामाजिक लगाव और जिम्मेदारी कम हो जाती है। आप तमाशाई बनकर घटना घटते देखते तो हैं, लेकिन हादसे में किसी की मदद करना जरूरी नहीं समझते। इस मानसिकता के पीछे एक और बड़ा कारण पुलिस उत्पीड़न का डर है।

अमूमन हादसे के दर्शक के रूप में मौजूद व्यक्ति के मन में सवाल कौंधता है कि पीड़ित की मदद करके मैं किसी मुसीबत में तो नहीं पड़ जाऊंगा? हालाँकि, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद केन्द्र ने ऐसे मामलो में अच्छे लोगों को परेशान होने से बचाने के लिए नियम बनाए हैं। लेकिन ज्यादातर को उसका पता नहीं है और यदि है भी तो वो किसी भी पचड़े में फंसने से बचना चाहते हैं, जबकि पीड़ित की मदद करना मानव और राष्ट्र सेवा दोनो है। लेकिन इस सकारात्मक सोच का हमारे यहां अभाव और अज्ञान दोनो है।

पंजाब में किसान फिर रेल पटरी पर

कभी कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला ने गुर्जर समाज की माँगों को लेकर राजस्थान में ट्रेनें रोक दी थीं, अब पंजाब के किसानों ने रेल रोको आंदोलन छेड़ दिया है। पंजाब से गुजरने वाली कई ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। किसानों की मुख्य माँग वही है न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) अनिवार्य करना। इसके अलावा बाढ़ और बरसात से फसलों को हुए नुक़सान का वे मुआवज़ा भी माँग रहे हैं।

किसानों का कहना है कि कई जगह तो गिरदावरी तक नहीं हुई है। कुछ किसानों को मुआवज़ा दिया भी है तो ऊँट के मुँह में जीरे के बराबर। अब समझना यह है कि ये एमएसपी का मामला क्या है? किसान चाहते हैं कि उनकी फसल या अनाज जो भी ख़रीदे, सरकार या फिर व्यापारी, उसका भाव एमएसपी से कम नहीं होना चाहिए। होता यह है कि सरकार तो अनाज एमएसपी पर ही ख़रीदती है लेकिन वह पूरी उपज तो ख़रीद नहीं सकती। किसान मजबूरी में व्यापारियों को भी अपनी उपज बेचता है। व्यापारी एमएसपी से बहुत नीचे भाव पर ख़रीदी करता है क्योंकि जिन किसानों को तुरंत पैसे की ज़रूरत होती है, अक्सर वे ही व्यापारी को अपनी उपज बेचते हैं। व्यापारी किसान की इस ज़रूरत का फ़ायदा उठाते हैं। फिर बाज़ार में महंगे दामों पर बिक्री की जाती है। नुक़सान होता है किसान का। लेकिन यह समस्या तो लगभग देशभर के किसानों की है। फिर इस एमएसपी को लेकर पंजाब के किसान ही बार-बार आंदोलन पर क्यों उतर आते हैं? वे ही महीनों दिल्ली की सीमा पर क्यों पड़े रहते हैं? वे ही ट्रेनें क्यों रोकते हैं? जवाब सीधा सा है- पंजाब के किसान जागरूक हैं। जुझारू हैं। हरियाणा के किसान हमेशा उनके साथ रहते हैं। उनके आंदोलन का समर्थन भी करते हैं। लेकिन देशभर में ज़्यादातर जगह इस बारे में एक पत्ता तक नहीं हिलता। शायद शेष देश के किसान मानते हैं कि पंजाब वाले आंदोलन कर तो रहे हैं! उन्हें यह सब करने की क्या ज़रूरत है? अगर केंद्र सरकार कोई फ़ैसला लेती है तो फ़ायदा तो उन्हें भी मिल ही जाएगा! अब एकता की ताक़त किसे और कौन समझाए?

जब दिल्ली की सीमाओं पर कृषि बिल वापस लेने और एमएसपी अनिवार्य करने के लिए लम्बा आंदोलन चलाया गया था तब भी शेष देश के किसान पंजाब और हरियाणा वालों के साथ उस ताक़त से नहीं आए थे जिस तरह आना चाहिए था। जबकि शेष देश के किसानों को एमएसपी की अनिवार्यता की ज़रूरत ज़्यादा है। जहां तक सरकारों का सवाल है, उन्हें एमएसपी अनिवार्य करने में क्या परेशानी है, यह बात आज तक किसी के समझ में नहीं आई!

पितृपक्ष 14 अक्टूबर तक

घर पर ही कैसे करें पितरों के लिए श्राद्ध कर्म और पितृपक्ष में कौन–कौन से शुभ काम करें

पितृपक्ष में पितरों के लिए श्राद्ध कर्म करने के साथ ही दान-पुण्य और अन्य धर्म-कर्म जरूर करना चाहिए। पितृपक्ष में शुद्ध सात्विक भोजन करना चाहिए। लहसुन-प्याज, मांसाहार, नशा, आलस से बचना चाहिए। इन दिनों में खासतौर पर खीर-पुड़ी बनाई जाती है। खीर-पुड़ी से ही धूप-ध्यान और श्राद्ध कर्म किए जाते हैं।

अगर किसी व्यक्ति की मृत्यु तिथि न मालूम हो तो क्या करें?

घर-परिवार के मृत सदस्यों की मृत्यु तिथि पर पितृपक्ष में श्राद्ध कर्म करने चाहिए। जैसे अगर किसी व्यक्ति की मृत्यु चतुर्थी तिथि पर हुई है तो उसका श्राद्ध पितृपक्ष की चतुर्थी तिथि पर ही करें। अगर किसी व्यक्ति की मृत्यु तिथि मालूम न हो तो सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या (14 अक्टूबर) पर घर-परिवार और कुटुंब के सभी मृत सदस्यों के लिए धूप-ध्यान, पिंडदान,श्राद्ध कर्म करना चाहिए।

पितृ पक्ष में श्राद्ध करने की विधि

श्राद्ध कर्म दोपहर में यानी करीब 12 बजे करें।

दक्षिण दिशा की ओर मुंह करके बाएं पैर को पीछे करके आसन पर बैठें।

तांबे के बर्तन में जल, गंगाजल, सफेद फूल, जौ, तिल, चावल, गाय का कच्चा दूध डालें।

दाएं हाथ में कुश घास रखें और इसी हाथ में जल लेकर अंगूठे की ओर से बर्तन में 11 बार अर्पित करें।

जलते हुए कंडे के अंगारों पर गुड़, घी, खीर-पुड़ी अर्पित करें।

हथेली में जल लेकर अंगूठे की ओर से पितरों के नाम पर अर्पित करें।

गाय, कुत्ते, कौएं और चींटियों के लिए खाना घर के बाहर रखें।

जरूरतमंद लोगों को भोजन कराएं और दान-पुण्य करें।

श्राद्ध कर्म के लिए जरूरी चीजें

- तांबे का चौड़ा बर्तन
- गंगाजल
- जौ
- काले तिल
- चावल
- कुशा घास
- दूध
- पानी

16 दिन के ही क्यों होते हैं पितृपक्ष ?

पितृ पक्ष 2023: महत्व

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, हमारी पिछली तीन पीढ़ियों की आत्माएं 'पितृ लोक' में रहती हैं, जिसे स्वर्ग और पृथ्वी के बीच का क्षेत्र कहा जाता है। इस क्षेत्र का नेतृत्व मृत्यु के देवता यम करते हैं। ऐसा माना जाता है जब ऐसा माना जाता है कि जब अगली पीढ़ी का कोई व्यक्ति मर जाता है, तो पहली पीढ़ी को भगवान के करीब लाते हुए स्वर्ग ले जाया जाता है। पितृलोक में केवल अंतिम तीन पीढ़ियों को ही श्राद्ध कर्म दिया जाता है।

पितृपक्ष में श्राद्ध करना क्यों जरूरी

पितृपक्ष में अपने-अपने पूर्वजों की मृत्यु तिथि के अनुसार उनका श्राद्ध किया जाता है । मान्यता है कि जो लोग पितृपक्ष में पितरों का तर्पण नहीं करते उन्हें पितृदोष लगता है। श्राद्ध करने से उनकी आत्मा को तृप्ति और शांति मिलती है। वे आप पर प्रसन्न होकर पूरे परिवार को आशीर्वाद देते हैं। हर साल लोग अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए गया जाकर पिंडदान करते हैं।

16 दिन के ही क्यों होते हैं श्राद्ध

शास्त्रों के अनुसार, ऐसा माना जाता है कि किसी भी व्यक्ति की मृत्यु इन सोलह तिथियों के अलावा अन्य किसी भी तिथि पर नहीं होती है। यानी कि जब भी पूर्वजों का श्राद्ध किया जाता है तो उनकी मृत्यु तिथि के अनुसार ही करना चाहिए । इसलिए पितृ पक्ष सर्फ सोलह दिन के होते हैं। हालांकि जब तिथि क्षय होता है तब श्राद्ध के दिन 15 भी हो जाते हैं लेकिन बढ़ते कभी नहीं।

कैसे करे श्राद्ध

श्राद्ध का काम गया में या किसी पवित्र नदी के किनारे भी किया जा सकता है। इस दौरान पितरों को तृप्त करने के लिए पिंडदान और ब्राह्मण को भोजन कराया जाता है।

अगर इन दोनों में से किसी जगह पर आप नहीं कर पाते हैं तो किसी गौशाला में जाकर करना चाहिए।

घर पर श्राद्ध करने के लिए सुबह सूर्योदय से पहले नहा लीजिए।

इसके बाद साफ कपड़े पहनकर श्राद्ध और दान का संकल्प कीजिए।

जब तक श्राद्ध ना हो जाए तो कुछ भी ना खाएं।

वहीं, दिन के आठवें मुहूर्त में यानी कुतुप काल में श्राद्ध कीजिए जो कि 11 बजकर 36 मिनट से 12 बजकर 24 मिनट तक रहेगा।

दक्षिण दिशा में मुंह रखकर बाएं पैर को मोड़कर और घुटने को जमीन पर टिकाकर बैठ जाएं।

इसके बाद तांबे के लोटे में जौ, तिल, चावल, गाय का कच्चा दूध, गंगाजल, सफेद फूल और पानी डालें।

हाथ में कुश लेकर और दल को हाथ में भरकर सीध हाथ के अंगूठे से उसी बरत्न में 11 बार गिराएं।

फिर पितरों के लिए खीर अर्पित करें।

इसके बाद देवता, गाय, कुत्ता, कौआ और चींटी के लिए अलग से भोजन निकालकर रख दीजिए।

पितृपक्ष में गया की तरह उज्जैन का भी है खास महत्व

उज्जैनी नगरी बाबा महाकाल की नगरी जानी जाती है। महाकाल मंदिर के आलावा भी यहां कई ऐसे मंदिर है, जिनका अपना एक अलौकिक इतिहास रहा है। न सिर्फ इतिहास बल्कि ऐसी मान्यता है जिनका हिंदू पुराणों में भी जिक्र मिलता है। गया कोटा तीर्थ का विशेष महत्त्व है।

उज्जैन का एक ऐसा मंदिर जो गया कोटा तीर्थ के नाम से जाना जाता है। यह मंदिर जटेश्वर महादेव के सामने खाक चौक में स्थित है। यहां की मान्यता है कि भगवान श्री कृष्ण ने अपने गुरु के पुत्रों का तर्पण इसी स्थान पर करवाया था।

देश विदेश से आते है श्रद्धालु

श्राद्ध पक्ष में यहां श्रद्धालुओं का मेला लगता है। हमारे

हिंदू पुराणों और शास्त्रों में भी कहा गया है कि देवी देवता की अपेक्षा पितरों का तर्पण पूजन का कर्म करना विशिष्ट है। भारतीय संस्कृति में पितृ ऋण से मुक्त होने के लिए अपने माता-पिता तथा परिवार के अन्य मृत प्राणियों के निमित्त श्राद्ध करना, पितृ के समक्ष पूजन और तर्पण करना अनिवार्य माना गया है। देश विदेश से भी यहां कई श्रद्धालु अपने पितरों की शांति के लिए आते है।

गया कोटा का विशेष महत्व

यह एक सिद्ध तीर्थ है जहां पर हमारे पितरों के समक्ष पितृ पूजा एवं तर्पण करने से हमारे पितरों को मोक्ष की प्राप्ती तो होती ही है। साथ ही यह कर्म करने से हमारे वंश और जीवन में आनंद की अनुभूति है। मन प्रसन्न होता हैं और जीवन के कष्टों से भी मुक्ति मिलती है। मान्यता अनुसार जो गया में जाकर एक बार भी श्राद्ध तर्पण कर दे तो उसके सभी पितर सदा के लिए तृप्त हो जाते हैं। इसलिए ही उज्जैन गया कोटा तीर्थ का भी उतना ही महत्व है, जितना की बिहार के गया का महत्व है।

पुजारी सुमन ने बताया

गया कोटा तीर्थ में 16 चरण बने हुए है। एक एक चरण एक एक तिथि का है जैसे आज से पूर्णमासी के श्राद चालू हुआ है, जो अमावस्या तिथि पर खत्म होता है। यहां दूध, जल, तुलसी, श्रेवत, अर्पण करने से हमारे पितृ प्रसन्न होते हैं, घर परिवार, धन, दौलत, मे उन्नति की प्रप्ति होती है।

पिंडदान में भूलकर भी ना करें इन फूलों का इस्तेमाल

हर साल पितृ पक्ष की शुरुआत भाद्रमाह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होती है। इस साल कल यानी 30 सितम्बर से इसकी शुरुआत हो रही है। पितृ पक्ष पूरे 15 दिनों तक चलने वाला है। इसका समापन अश्विन माह के अमावस्या को होगा। मान्यता है कि यह 15 दिन पितृ का होता है। पितृ की आत्मा की शान्ति के लिये श्रद्धापूर्वक श्राद्ध, तर्पण,पिंडदान आदि किया जाता है। इससे पितर प्रसन्न होते हैं और अपने वंशज को सुख समृद्धि का आशीर्वाद प्रदान करते हैं।

पितृ पक्ष में पितरों की पूजा करते समय फूल भी अर्पण किया जाता है। लेकिन पितृ पक्ष में सभी फूलों का मान्य नहीं होता। आइये देवघर के ज्योतिषाचार्य से जानते हैं कि पितृपक्षमें पितरों को कौन सा फूल अर्पण करना चाहिए।

इस साल पितृपक्ष 30 सितम्बर से 15 अक्टूबर तक चलने वाला है। हिंदू धर्म में पितृ पक्ष का महत्व ज्यादा है। पितृ पक्ष का दिन ऐसा होता है जहां पूर्वज

सूक्ष्म रूप से धरती पर आते हैं। जहां उनका पिंडदान, तर्पण, श्राद्ध आदि कर मोक्ष से मुक्ति की जाती है। इसके बाद बैकुंठ वास करते हैं। लेकिन पितृपक्ष में एक बात का ख्याल रखा जाता है कि इन दिनों में विशेष फूल ही अर्पण किया जाता है और वह फूल होता है काश का फूल।

पितृपक्ष में करे इस फुल का उपयोग :

ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि पितृ पक्ष के दिनों में सफेद फूलों का ही इस्तेमाल किया जाता है। विशेष कर काश का फूल। बता दें कि पितृपक्ष के दिनों में हर फूल को श्राद्ध में शामिल नहीं किया जाता। काश के फूल के साथ-साथ ही श्राद्ध पूजन में मालती, जूही, चंपा आदि सफेद फूलों का भी इस्तेमाल किया जाता है। बिना काश के फूलों का श्राद्ध पूजन अशुभ माना जाता है।

इन फूलों का भूलकर भी ना करे प्रयोग :

पितृ पक्ष के दिनों में श्राद्ध पूजन में सभी तरह के फूलों का उपयोग अशुभ माना जाता है। इसीलिए पितृपक्ष श्राद्ध और तर्पण के दौरान बेलपत्र, कदम, करवीर, केवड़ा मौलसीरी,और लाल रंग के फूलों का उपयोग बिलकुल वर्जित रहता है। इससे पितृ नाराज हो जाते हैं। पितरों के नाराज होने से वंश पर नकरात्मक असर पड़ता है। इसलिए पितृपक्ष के दिनों में इन सब फूलों का उपयोग करने से बचें।

पिंडदान के लिए यह समय सबसे उत्तम

ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि पिंडदान देने के लिए सबसे उत्तम जगह बिहार का गया जिला होता है। मातृपक्ष और पितृपक्ष का तीन पीढियां तक पिंडदान पड़ता है। वहीं कोई भी पिंडदान देने के लिए सबसे शुभ मुहूर्त दोपहर का माना जाता है। जिसे कुतुप बेला कहते हैं। ना ही अहले सुबह और ना ही ढलती शाम में पिंडदान किया जाना चाहिए। इससे अशुभ प्रभाव पड़ता है। पितृ पक्ष में पिंडदान 11:30 बजे से लेकर 2:30 तक का समय सबसे उत्तम माना गया हैं।

भगवान राम के होते हुए आखिर माता सीता ने क्यों किया था अपने ससुर का श्राद्ध?

हिंदू धर्म में पितृ पक्ष का विशेष महत्व बताया गया है। गरुड़ पुराण के अनुसार जिन लोगों की मृत्यु हो जाती है वह पितर बन जाते हैं और पितृ पक्ष में उन्हीं पितरों का तर्पण किया जाता है। इस साल 29 सितंबर से पितृ पक्ष की शुरुआत हो गई है और यह 14 अक्टूबर को समाप्त होंगे। पितृ पक्ष के कुछ नियम होते हैं और 16 दिनों तक इनका पालन करने पर ही पितर प्रसन्न होते हैं। पितृ पक्ष में घर के बड़ा बेटा अपने पितरों का श्राद्ध कर्म करता है और क्षमता के अनुसार दान देता है। ऐसा कहा जाता है कि महिलाएं श्राद्ध नहीं कर सकती। लेकिन क्या आप जानते हैं कि राजा दशरथ का श्राद्ध उनके बेटे राम ने नहीं बल्कि बहू माता सीता ने किया था?

माता सीता ने किया था राजा दशरथ का श्राद्ध

वाल्मीकि रामायण के अनुसार जब भगवान राम अपनी पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण के साथ 14 वर्ष के वनवास पर गए थे तब उनके वियोग में पिता दशरथ का देहांत हो गया था। वनवास के दौरान प्रभु राम, माता सीता और लक्ष्मण जी पितृ पक्ष में अपने पिता का श्राद्ध करने के लिए गया पहुंचे। वहां पहुंचकर श्राद्ध की तैयारियां शुरू की और इस दौरान पंडित द्वारा कुछ सामग्री बताई गई।

भगवान राम और लक्ष्मण श्राद्ध के लिए सामग्री लेने चले गए। इस बीच श्राद्ध का समय निकलता जा रहा था और श्राद्ध हमेशा सही समय पर ही किया जाना चाहिए। ऐसे में माता सीता ने फल्गु नदी, वटवृक्ष, केतकी फूल और गाय को साक्षी मानकर बालू का पिंड बनाया और अपने पिता समान ससुर राजा दशरथ का पिंडदान कर दिया। जिसके बाद राजा दशरथ की आत्मा को शांति मिली और उन्हें मोक्ष प्राप्त हुआ। इस तरह पुत्र की अनुपस्थिति में पुत्र वधु को भी पिंडदान और श्राद्ध का अधिकार शास्त्रों में दिया गया है।

श्राद्ध के लिए महिलाओं को मिलते हैं ये अधिकार

गरुड़ पुराण के अनुसार पितरों का श्राद्ध वैसे तो पुत्र ही करता है लेकिन यदि कुछ परिस्थितियों में महिलाओं को भी श्राद्ध करने का अधिकार दिया गया है। जिस परिवार में पुत्र नहीं होता वहां कन्या पितरों का श्राद्ध कर सकती है। पुत्र की अनुपस्थिति में उसकी पत्नी भी अपने पितरों का विधि-विधान के साथ श्राद्ध कर सकती है।

'मेहनत का फल मिलता है : दिव्या

कई तरह के प्रोजैक्ट्स के साथ प्रयोग कर रही दिव्या अग्रवाल जल्द ही शो 'किक' के साथ होस्ट के रूप में एक नई शुरुआत करती नजर आएगी।

'स्प्लिट्सविला' और' बिगबॉस ओ.टी. टी. 'जैसे रियलिटी शोज में अपनी उपस्थिति के लिए जानी जाने वाली दिव्या अब तक के अपने करियर के बारे में बात करते हुए कहती है, 2017 में, मैंने रियलिटी शो की एक कंटेस्टेंट के रूप में अपनी यात्रा शुरू की और अब 2023 में, मैं एक शो की मेजबानी कर रही हूं। मुझे लगता है कि कड़ी मेहनत का फल मिलता है और यह उन्हीं फलों में से एक है। शो होस्ट करने का मेरा सफर अभी शुरू ही हुआ है। अब, मैं दर्शकों की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रही हूँ। एक कंटेस्टेंट के रूप में उन्होंने मुझे बहुत प्यार दिया है। विभिन्न तरह के शोज करने के बारे में उसने कहा, जब मुझे इस शो की पेशकश की गई तो मैं बहुत उत्साहित थी क्योंकि मुझे पहली बार किसी शो की मेजबानी करने का मौका मिल रहा था।

उसने आगे कहा, मुझे काफी समय से कुछ भी ऑफर नहीं किया गया था क्योंकि मैं अपने करियर के उस चरण में थी, जहां मैं यह समझने की कोशिश कर रही थी कि मेरे अगले पांच साल कैसे होने चाहिएं। इसलिए अब मैं विभिन्न प्रकार की परियोजनाएं कर रही हूं। जिंदगी ने एक छोटा-सा मोड़ लिया है और यह एक खूबसूरत चरण है।

पहली 'एड फिल्म' के लिए मिले थे केवल 5 हजार रुपए : हुमा कुरैशी

हुमा कुरैशी अपने दमदार अभिनय के लिए जानी जाती है। हुमा ने अनुराग कश्यप की फिल्म 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' से बॉलीवुड में कदम रखा था और अभी तक कई बेहतरीन फिल्मों में काम कर चुकी है। श्रीराम राघवन की फिल्म 'बदलापुर' में की गई हुमा की एक्टिंग को आज भी याद किया जाता है, जिसमें उसने एक सैक्स वर्कर की भूमिका निभाई थी। उसने अपनी पिछली फिल्म 'तरला' में भी सभी को अपने अभिनय का मुरीद बना लिया।

फिल्म इंडस्ट्री में एक दशक से अधिक समय गुजार चुकी हुमा फिल्म 'डबल एक्सेल' से निर्मात्री भी बन चुकी है। हुमा ने पहली ऐड फिल्म अभिषेक बच्चन के साथ शूट की थी। मेहनताने के तौर पर उसे तब केवल 5 ₹हजार रुपए मिले थे। हालांकि हुमा की किस्मत तब खुल गई, जब अनुराग कश्यप ने उसे 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' के लिए साइन किया।

हुमा ने यह खुलासा भी किया है कि उसकी इस पहली फिल्म के लिए उसे केवल 75 हजार रुपए मिले थे। इतना ही नहीं, शूटिंग के वक्त उन लोगों के पास अन्य फिल्मों के सितारों की तरह महंगे होटल, वैनिटी वैन और बहुत सारे सहायकों जैसी लग्जरी नहीं थी। शूटिंग के लिए वे 3 महीने वाराणसी में रहे और बहुत कम संसाधनों में इस फिल्म की शूटिंग हुई थी। किसी को कुछ पता नहीं था कि वे लोग क्या कर रहे हैं। जब फिल्म रिलीज हुई तो इसने सबका ध्यान आकर्षित किया।

हुमा ने बताया कि जब फिल्म रिलीज हुई तो उसकी बड़ी- बड़ी तस्वीरें चारों ओर लगी थीं और तब उसे एहसास हुआ कि वह इस फिल्म में लीड रोल कर रही है और उसे इस फिल्म के लिए और ज्यादा पैसे मिलने चाहिए थे। वह कहती है, शुरू में मैं काफी इनसिक्योर रहती थी। कोई ऐसा नहीं था जिससे मैं अपनी बातें भी शेयर कर सकूं या जो मेरी मदद कर सके लेकिन मैंने उम्मीद नहीं छोड़ी।

फिल्मों में डेब्यू करने से पहले करीब 20 किलो वजन कम किया : तारा सुतारिया

इन दिनों तारा सुतारिया जहां अपनी अगली फिल्म 'अपूर्वा' की शूटिंग को लेकर चर्चा में है, वहीं वह बॉलीवुड के हैंडसम हंक कार्तिक आर्यन के साथ कथित रोमांस को लेकर भी खबरों में आने लगी है। हाल ही में दोनों को एक साथ पोज देते हुए देखा गया और बॉलीवुड की गलियों में ऐसी अटकलें लगनी शुरू हो चुकी हैं कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। उनका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें यह जोड़ी बेहद क्यूट लग रही है।

वीडियो में तारा को वन पीस ड्रैस में देखा जा सकता है, जबकि कार्तिक हल्के गुलाबी रंग की शर्ट और सफेद पैंट पहने बहुत हैंडसम दिख रहा है। वीडियो को पोस्ट करते हुए लिखा गया, ₹कार्तिक और तारा की एक परफैक्ट जोड़ी है।

यह भी कहा जा रहा है कि दोनों शायद एक साथ कोई शूटिंग कर थे। यह कोई म्यूजिक वीडियो है या विज्ञापन फिल्म, इसके बारे में अभी कुछ बताया नहीं गया है।

अभिनय के साथ ही गायन में भी माहिर

19 नवम्बर, 1995 को जन्मी तारा न केवल एक अभिनेत्री है, बल्कि वह एक बेहतरीन गायिका भी हैं। तारा ने 2019 में 24 साल की उम्र में अपने फिल्मी करियर की शुरुआत फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से की लेकिन इससे बहुत पहले 7 साल की उम्र में ही वह गायिका बन चुकी थी। वह बतौर बाल कलाकार कुछ शोज में भी काम कर चुकी है।

हमेशा से नहीं थी इतनी फिट

मुम्बई के सेंट एंड्रयूज कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स से मास मीडिया में ग्रैजुएशन की डिग्री हासिल करने वाली तारा ने ग्लैमर जगत में करियर बनाने पर फोकस होने के कारण अपनी फिटनेस पर भी खूब ध्यान दिया है। हालांकि, शायद ही कोई जानता होगा कि तारा हमेशा से आज जितनी फिट नहीं थी और उसने फिल्मों में डेब्यू करने से पहले करीब 20 किलो वजन कम किया था।

इस तरह रहती है फिट

तारा का फिटनेस फॉर्मूला कार्डियो, वेट ट्रेनिंग, डांस और योग का बेहतर संयोजन है। उसके वर्कआऊट में वेट ट्रेनिंग, एल्टीट्यूड ट्रेनिंग, सी बीच रनिंग, स्विमिंग, किक बॉक्सिंग और फंक्शनल सर्किट ट्रेनिंग शामिल हैं। वह सप्ताह में चार बार जिम जाती है लेकिन वह हर दिन 40 मिनट कार्डियो एक्सरसाइज जरूर करती है।

तारा विशेष रूप से अष्टांग योग को बहुत महत्व देती हैं। योग के प्रति उसका झुकाव आंतरिक शक्ति और लचीलापन पाने के लिए है। वह शीर्षासन जैसे गुरुत्वाकर्षण- विरोधी योग करना भी बहुत पसंद करती है। साथ ही चक्रासन, भुजंगासन, सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, ध्यान आदि भी करती है।

कहते हैं कि जब उसने पहली फिल्म के लिए ऑडिशन दिया तो फिल्म के निर्माता करण जौहर ने उसे 6 महीने में 20 किलो वजन कम करने को कहा था। तारा ने

खुद को सुडौल लुक में बदलने के लिए बहुत कठिन मेहनत की। इसके लिए उसने सबसे पहले प्रोसेस्ड फूड्स, जैसे चीनी, कास, तेल और जंक फूड से दूरी बनाई और दिन भर में बहुत सारा लिक्विड लेना शुरू किया। तब से लेकर अब तक वह अपनी फिटनेस का वही लैवल बरकरार रखने में कामयाब रही है।

'हीरो नम्बर 1' से इश्क लड़ाएगी 'पश्मीना रोशन'

पश्मीना रोशन बॉलीवुड के मशहूर संगीतकार राकेश रोशन की बेटी और हीरो ऋतिक रोशन की चचेरी बहन है। वह फिल्म' इश्क विश्क' से फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखेगी। उसमें उसके साथ रोहित सराफ, जिबरान खान और नाइला ग्रेवाल नजर भी होगी। आने वाले हैं। फिल्म की रिलीज डेट अभी तक तय नहीं की गई है। यह फिल्म शाहिद कपूर की साल 2003 में आई फिल्म 'इश्क विश्क' का रीमेक है।

बताया जा रहा है कि पश्मीना को पहली फिल्म रिलीज होने से पहले ही दूसरी फिल्म मिल चुकी है। वह फिल्म 'हीरो नंबर 1' में टाइगर श्रॉफ की प्रेमिका के रूप में नजर आएगी। कुछ समय पहले ऐसी अटकलें लगनी शुरू हुई थीं कि पश्मीना ने एक और फिल्म साइन की है, जिसमें टाइगर श्रॉफ होगा। हालांकि, फिल्म के बारे में अधिक खुलासा नहीं किया गया था, लेकिन अब पता चला है कि इसका नाम 'हीरो नंबर 1' है और यह दो नायिकाओं वाली फिल्म होगी, जिसमें सारा अली खान होगी।

एक सूत्र ने बताया, इस प्रोजैक्ट में टाइगर के साथ सारा और पश्मीना लीड एक्ट्रेस के रूप में हैं और पश्मीना उसकी असली प्रेमिका की भूमिका निभाएगी। यह फिल्म एक्शन ड्रामा शैली से संबंधित है, जिसमें साइंस फिक्शन भी होगा।

यद्यपि फिल्म के नाम से ऐसा लगता है कि यह गोविंदा अभिनीत सुपरहिट फिल्म 'हीरो नंबर 1' का रीमेक या सीक्वेल हो सकती है, सूत्रों का कहना है कि ऐसा कुछ नहीं है। यह फिल्म जगन शक्ति द्वारा निर्देशित होगी, जिन्होंने पहले 'मिशन मंगल का निर्देशन किया था।

मुझमें पहले से अभिनय का जुनून था : आलिया भट्ट

मुझे पता था कि मेरा परिवार फिल्म उद्योग में है, इसलिए स्वाभाविक रूप से मेरा भी फिल्मों तथा अभिनय के प्रति अधिक झुकाव था, लेकिन ऐसा नहीं है कि मेरे पिता ने कभी मुझसे इस तरह बात की हो कि 'ओह, जिस दिन तुम अभिनय करना चाहोगी, हम आपको फिल्म दिला देंगे।' उन्होंने कभी इस बारे में बात नहीं की, कभी नहीं।

आलिया भट्ट ने साल 2012 में करण जौहर की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' के साथ बॉलीवुड में डेब्यू किया था। यह एक आम बॉलीवुड मसाला फिल्म थी लेकिन इसके बाद से अब तक 11 साल लम्बे अपने करियर में उसने करीब हर तरह की फिल्मों में विविध किरदारों में सशक्त अभिनय के बूते अपनी अभिनय प्रतिभा को बखूबी साबित कर दिया है लेकिन आलिया फिल्म निर्माता महेश भट्ट और अभिनेत्री सोनी राजदान की बेटी होने का नाते अपने करियर की शुरुआत से ही 'नेपोटिज्म' (फिल्मों में भाई-भतीजावाद) यानी फिल्मी खानदान के बच्चों को अधिक और आसानी से मौके दिए जाने को लेकर सवालों का सामना करती रही हैं।

इस बारे में हाल ही में उसने खुलकर बात की है। एक इंटरव्यू में आलिया ने बताया कि हिन्दी फिल्म उद्योग में प्रवेश करने से पहले वह इस बाबत अन्जान थी कि फिल्मी परिवार से होने की वजह से उसे अभिनय में करियर बनाने में आसानी हो सकती है।

आलिया ने कहा, मुझे पता था कि मेरा परिवार फिल्म उद्योग में है, इसलिए स्वाभाविक रूप से मेरा भी फिल्मों तथा अभिनय के प्रति अधिक झुकाव था, लेकिन ऐसा नहीं है कि मेरे पिता ने कभी मुझसे इस तरह बात की हो कि ओह, जिस दिन तुम अभिनय करना चाहोगी, हम आपको फिल्म दिला देंगे।' उन्होंने कभी इस बारे में बात नहीं की, कभी नहीं। वास्तव में, मेरी मां ने भी एक अभिनेत्री के रूप में संघर्ष किया है। यह बात बहुत से लोग नहीं जानते। वह हमेशा एक अभिनेत्री के रूप में अधिक काम की तलाश में रहती थीं, उन्हें आज भी लगता है कि उन्हें अभिनय के पूरे मौके नहीं मिले, वह भी तब, जब उनकी शादी एक निर्देशक और निर्माता से हो रखी थी। मेरे मन में शुरू से ही अभिनय का जुनून था और मैं हमेशा सोचा करती थी कि भले ही मैं एक बड़ी अभिनेत्री न बन पाऊं लेकिन अपने अभिनय के जुनून का भरपूर आनंद लेने का कोई न कोई तरीका ढूंढ ही लूंगी।

सुनहरे रहे हालिया साल

हाल के साल साल उसके लिए सुनहरे साबित हुए हैं। उसने रणबीर कपूर के साथ शादी करके घर बसा लिया और एक बच्ची की मां बन चुकी है लेकिन फिल्मों में आज भी उसकी तूती बोल रही है। गत वर्ष उसने संजय लीला भंसाली की फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी', में अद्भुत अभिनय किया जिसके लिए उसे जल्द ही साल की सर्वोत्तम अभिनेत्री के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। वह 'आर आर आर और अयान मुखर्जी की 'ब्रह्मास्त्र' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में भी नजर आई और हाल में रिलीज उसकी फिल्म ₹रॉकी और रानी को प्रेम कहानी' भी हिट रही है। वहीं आलिया ने फिल्म 'हार्ट ऑफ स्टोन' के साथ हॉलीवुड में भी डेब्यू कर लिया है।

हमेशा कुछ 'हट कर' करना चाहती हूं : सई मांजरेकर

सलमान खान की फिल्म 'दबंग 3' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली सई मांजरेकर की झोली में इस समय दो अच्छी फिल्में हैं। इनमें से एक है 'कुछ 'खट्टा हो जाए' और दूसरी है 'औरों में कहां दम था।

'कुछ खट्टा हो जाए' में उसके साथ लोकप्रिय गायक गुरु रंधावा नजर आने वाला है। सई ने बॉलीवुड के अलावा साऊथ की कुछ फिल्में भी की हैं और अब वह एक असें के बाद हिन्दी फिल्म में नजर आने को लेकर काफी उत्साहित है।

फिल्म 'कुछ खट्टा हो जाए' के बारे में वह कहती है कि इस फिल्म की कहानी काफी खूबसूरत है। यह एक पारिवारिक फिल्म है, जिसमें दर्शकों को कॉमेडी, ड्रामा और लव स्टोरी देखने को मिलेगी।

उसने कहा, दरअसल मैं 'हम साथ-साथ हैं' और 'हम आपके हैं कौन' जैसी फैमिली फिल्में देखकर बड़ी हुई हूं। फिल्म की कहानी सुनते ही इसे करने का मन बना लिया था।

फिल्म में गुरु रंधावा के साथ काम करने के एक्सपीरियंस पर उसने कहा, ₹उनके साथ काम करने में काफी मजा आया। हमने सैट पर काफी समय साथ में बिताया है। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान मुझे एक अच्छा दोस्त मिला। वह एक अच्छे एक्टर होने के साथ-साथ नेक इंसान भी हैं।

लम्बे समय तक हिन्दी फिल्मों से दूर रहने के बारे में सई कहती है, मैं अलग- अलग तरह की फिल्में और कुछ हट कर करना चाहती हूं। एक ही चीज में बंधकर मुझे काम करना पसंद नहीं। जब मेरे पास साऊथ की फिल्म 'मेजर' का ऑफर आया, तो उस समय कई बॉलीवुड फिल्मों के लिए मुझे अप्रोच किया गया। एक एक्ट्रैस के तौर पर मुझे लगा कि मुझे 'मेजर' करनी चाहिए।

बॉलीवुड और साउथ में काम करने में अंतर के बारे में उसने कहा, मैं चीजों के साथ काफी जल्दी एडजस्ट कर लेती हूं और हालात के साथ ढलना मैं जानती हूं। साऊथ के हीरो शेष के साथ काम किया, वह मजाक के समय मजाक करते हैं, लेकिन सैट पर सीरियस होकर काम करते हैं। वहीं जब गुरु रंधावा के साथ काम किया, तब से मैं उनके जैसी बन गयी।

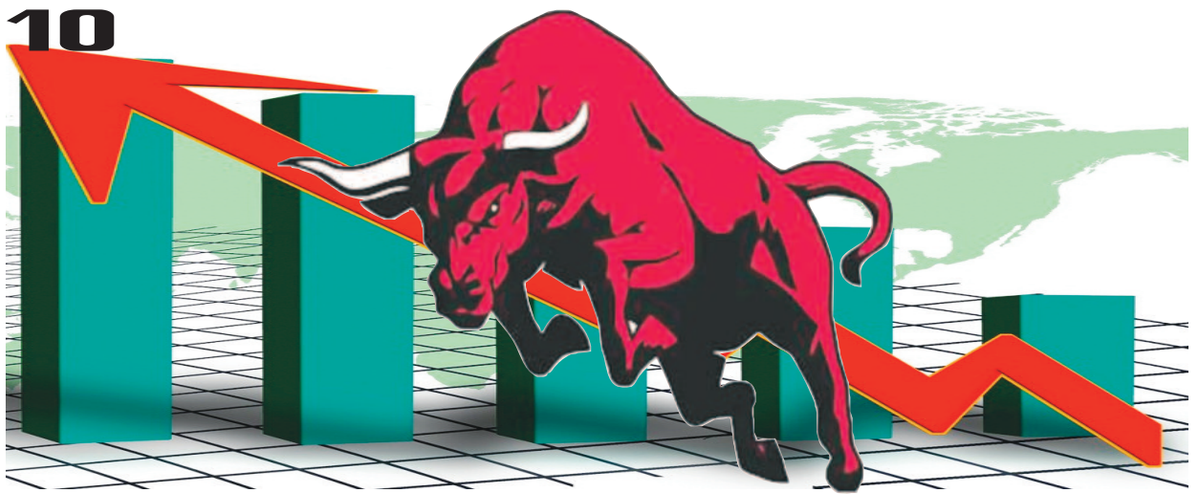

चुनावी बॉन्ड वैध रिश्वत की तरह

पूर्व वित्त मंत्री बोले- यह भाजपा के लिए सुनहरी फसल

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने चुनावी बॉन्ड पर सरकार को घेरा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने शनिवार को चुनावी बॉन्ड को "वैध रिश्वत" करार दिया और दावा किया कि चार अक्टूबर को जब इसकी नई किस्त खुलेगी तो यह भाजपा के लिए 'सुनहरी फसल' साबित होगी।

सरकार ने चुनावी बॉन्ड के 28वीं किस्त को मंजूरी दी

बता दें कि सरकार ने शुक्रवार को चुनावी बॉन्ड की 28वीं किस्त जारी करने को मंजूरी दे दी, यह 4 अक्टूबर से 10 दिनों के लिए बिक्री के लिए खुलेगा। यह फैसला राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में विधानसभा चुनावों से पहले आया है। इन राज्यों में चुनाव की तारीखों की घोषणा जल्द ही किए जाने की उम्मीद है।

चिदंबरम का आरोप- पहले की तरह गुमनाम चंदे का 90% भाजपा को जाएगा

चिदंबरम ने चार अक्तूबर से खुल रहे चुनावी बॉन्ड की 28वीं किस्त के बारे में ट्विटर (अब एक्स) पर कहा, यह भाजपा के लिए स्वर्णिम फसल साबित होगी। पिछले रिकॉर्ड को देखें तो तथाकथित गुमनाम चंदे का 90 प्रतिशत भाजपा को जाएगा। क्रोनी कैपिटलिस्ट दिल्ली में भगवान और मालिक को अपनी 'श्रद्धा' भेजने के लिए अपनी चेकबुक खोलेंगे।

चुनावी बॉन्ड 'रिश्वतखोरी को वैध' बना चुका हैः चिदंबरम

चिदंबरम ने कहा कि चुनावी बॉन्ड 'रिश्वतखोरी को वैध' बना चुका है। राजनीतिक चंदे में पारदर्शिता लाने के प्रयासों के तहत राजनीतिक दलों को दिए जाने वाले नकद चंदे के विकल्प के तौर पर चुनावी बॉन्ड को पेश किया गया है। चुनावी बॉन्ड के पहले बैच की बिक्री मार्च 2018 में हुई थी।

चुनावी बॉन्ड के लिए सिर्फ भाजपा को अधिकृत किया गया

चुनावी बॉन्ड जारी करने के लिए सिर्फ भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को अधिकृत किया गया है। चुनावी बॉन्ड भारतीय नागरिकों या देश में निगमित या स्थापित संस्थाओं द्वारा खरीदे जा सकते हैं। जिन पंजीकृत राजनीतिक दलों ने पिछले लोकसभा या विधानसभा चुनावों में मतदान का एक प्रतिशत से अधिक वोट हासिल किया है, वे चुनावी बॉन्ड के माध्यम से धन प्राप्त करने के पात्र हैं।

मोदी सरकार की ओर से नकारात्मक कदम है चुनावी बॉन्ड योजनाः कांग्रेस

कांग्रेस ने बीते मंगलवार को आरोप लगाया था कि चुनावी बॉन्ड योजना नरेंद्र मोदी सरकार की ओर से उठाए गए नकारात्मक कदमों में से एक है क्योंकि यह देश में चुनाव प्रणाली और लोकतंत्र को कमजोर करती है।

नितिन गुप्ता का बढ़ गया कार्यकाल

अगले साल जून तक बने रहेंगे सीबीडीटी के चेयरमैन

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सीबीडीटी चेयरमैन के पद पर नितिन गुप्ता को फिर से नियुक्त करने की मंजूरी दे दी है। शनिवार को जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में इसकी जानकारी दी गई। अब नितिन गुप्ता 30 जून 2024 तक सीबीडीटी चेयरमैन के पद पर बने रहेंगे।

नियुक्ति समिति ने दी मंजूरी

मिनिस्ट्री ऑफ पर्सोनल, पब्लिक ग्रीवांस एंड पेंशंस के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने आधिकारिक बयान में बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने नितिन गुप्ता को सीबीडीटी चेयरमैन के पद पर फिर से नियुक्त करने की मंजूरी दी है। उन्हें कांट्रैक्ट के आधार पर नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति 1 अक्टूबर 2023 से 30 जून 2024 तक या अगले आदेश तक के लिए मान्य होगी। नितिन गुप्ता को सीबीडीटी चेयरमैन के पद पर फिर से नियुक्त करने के लिए रिक्रुटमेंट रूल्स में ढील दी गई है। विज्ञप्ति के अनुसार, नितिन गुप्ता को सामान्य नियमों व लागू शर्तों के आधार पर फिर से केंद्रीय कर्मचारी के तौर पर नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति को मंजूरी मिलने का मतलब हुआ कि अगले साल जून तक नितिन गुप्ता ही केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड यानी सीबीडीटी के चेयरमैन बने रहेंगे।

आज समाप्त हो रहा था कार्यकाल

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड इनकम टैक्स डिपार्टमेंट में निर्णय लेने वाली शीर्ष इकाई है। सीबीडीटी की अगुवाई चेयरमैन करते हैं। इस बोर्ड में 6 सदस्य हो सकते हैं, जो स्पेशल सेक्रेटरी रैंक के होते हैं। सीबीडीटी के मौजूदा चेयरमैन नितिन गुप्ता का कार्यकाल आज ही समाप्त होने वाला था। हालांकि अब उन्हें 9 महीने का सेवा विस्तार मिल चुका है।

पिछले साल बने थे चेयरमैन

नितिन गुप्ता 1986 बैच के इंडियन रेवेन्यू सर्विस ऑफिसर हैं। उन्हें पिछले साल जून में सीबीडीटी का चेयरमैन बनाया गया था। उनके कार्यकाल में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने सबसे ज्यादा आईटीआर का रिकॉर्ड बनाया है।

इस बार 7 करोड़ से ज्यादा आईटीआर फाइल किए गए हैं। इसके साथ ही रिटर्न की प्रोसेसिंग में लगने वाले समय को कम करने का श्रेय भी नितिन गुप्ता को जाता है।

सोना हुआ सस्ता, चांदी की चमक हुई कम

जेवर बनाने में अब लगेंगे कम पैसे पूरे हफ्ते के सर्राफा बाजार का हाल

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। सोना-चांदी के खरीदारों के लिए खुशखबरी है। सोने और चांदी की साप्ताहिक कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। इस कारोबारी हफ्ते में सोने के भाव में 1,410 रुपये प्रति 10 ग्राम की गिरावट दर्ज की गई है जबकि चांदी के भाव में 1,412 रुपये प्रति किलोग्राम की कमी आई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन यानी आईबीजीए की वेबसाइट के मुताबिक, इस बिजनेस वीक (25 से 29 सितंबर) की शुरुआत में 24 कैरेट सोने का रेट 59,129 था, जो शुक्रवार तक घटकर 57,719 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है। वहीं, 999 शुद्धता वाली चांदी की कीमत 73,015 से घटकर 71,603 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई है।उल्लेखनीय है कि आईबीजीए की ओर से जारी कीमतों से अलग-अलग शुद्धता के सोने के स्टैंडर्ड भाव की जानकारी मिलती है।

भारत-अर्जेंटीना ने सामाजिक सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए, दूतावास ने जारी किया बयान

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। भारत और अर्जेंटीना ने शुक्रवार को एक सामाजिक सुरक्षा समझौते (एसएसए) पर हस्ताक्षर किए। अर्जेंटीना के श्रम, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा मंत्री राकेल किस्मर डी ओल्मोस की उपस्थिति में अर्जेंटीना में भारत के राजदूत दिनेश भाटिया और अर्जेंटीना के विदेश, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वरशिप मंत्री सैंटियागो कैफिएरो ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। अर्जेंटीना में भारतीय दूतावास की ओर से जारी बयान के अनुसार यह समझौता अस्थायी आधार पर दूसरे देश में काम करने वाले कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को किसी भी कमी, संशोधन, निलंबन या दमन की स्थिति में स्थानीय कानून के अनुसार सेवानिवृत्ति या पेंशन के लिए नकद भत्ता, किराया, सब्सिडी या एकमुश्त भुगतान जैसे अंशदायी लाभों के अधिकार प्रदान करता है। यह एयरलाइनों और जहाजों के चालक दल के सदस्यों सहित अलग-अलग श्रमिकों के संबंध में बीमा अवधि को विनियमित करने वाले कानूनी ढांचे की स्थापना करता है। भारत और अर्जेंटीना के बीच आर्थिक और वाणिज्यिक संबंध हाल के वर्षों में तेजी से बढ़े हैं। टीसीएस, इंफोसिस, क्रिसिल, बजाज मोटरसाइकिल, रॉयल एनफील्ड, हीरो मोटर्स, टीवीएस, ग्लेनमार्क और गोदरेज सहित कई भारतीय कंपनियों ने अर्जेंटीना में एक अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है। ग्लोबैंट और टेचिन सहित अर्जेंटीना की कंपनियों का भी भारत में बड़ा परिचालन है। अर्जेंटीना में भारतीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए लघु या दीर्घकालिक अवधि के लिए इंट्रा-कंपनी ट्रांसफर के तहत काम करने वाले भारतीय पेशेवरों की संख्या लगातार बढ़ रही है।अर्जेंटीना के ऐसे नागरिकों की संख्या भी बढ़ रही है जो भारत में रोजगार की तलाश कर रहे हैं। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, लोगों के बीच बढ़ते आदान-प्रदान ने उनके अधिकारों की रक्षा के लिए एक कानूनी ढांचे की आवश्यकता पैदा कर दी है। अर्जेंटीना में भारतीय दूतावास ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा समझौते पर विस्तृत लेकिन त्वरित बातचीत के बाद हस्ताक्षर किए गए हैं।

टैक्स डिपार्टमेंट के निशाने पर हजारों कंपनियां

सामने आए 5 साल पुराने पाप, अब 30 दिन में देना होगा जवाब

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। जीएसटी डिपार्टमेंट इन दिनों काफी सख्ती बरत रहा है और कंपनियों को लगातार नोटिस भेजे जा रहे हैं.

अभी कई बीमा कंपनियों को जीएसटी डिपार्टमेंट ने नोटिस भेजे थे. अब वित्त वर्ष 18 के मामले को लेकर हजारों कंपनियों को जीएसटी डिपार्टमेंट से नोटिस भेजे गए हैं. वहीं एक अलग मामले में सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी को भी जीएसटी डिपार्टमेंट से कारण बताओ नोटिस मिला है.

एक महीने में देना है जवाब

रिपोर्ट के अनुसार, अभी देश भर में हजारों कंपनियों को नोटिस भेजे गए हैं. ये नोटिस वित्त वर्ष 2017-18 के लिए हैं और उनमें टैक्स के भुगतान में कमी का दावा किया गया है. कंपनियों को भेजे गए नोटिस की डेडलाइन 30 सितंबर है. सभी कंपनियों को

जीएसटी डिपार्टमेंट ने नोटिस का जवाब देने के लिए 30 दिनों का समय दिया है.

इस कारण भेजे गए हैं नोटिस

रिपोर्ट की मानें तो जीएसटी डिपार्टमेंट ने पाया था कि कंपनियों के जीएसटी आउटपुट और देनदारियां मेल नहीं खा रही थीं. इसके अलावा इनपुट टैक्स क्रेडिट, टैक्स क्रेडिट के गलत दावे, छूट प्राप्त आपूर्ति के मामलों में क्रेडिट रिवर्सल जैसे कारणों के लिए भी नोटिस भेजे गए हैं. कंपनियों को ये नोटिस पिछले एक पखवाड़े के दौरान भेजे गए हैं.

6 बीमा कंपनियों से टैक्स डिमांड

इससे पहले 6 बीमा कंपनियों को जीएसटी डिपार्टमेंट से नोटिस मिलने की खबरें सामने आई थीं. एक बीमा कंपनी आईसीआईसीआसई प्रूडेंशियल ने नोटिस मिलने के बारे में शेयर बाजारों को जानकारी भी दी थी. बीमा कंपनियों के मामले में जीएसटी डिपार्टमेंट का कहना था कि उन्होंने री-इंश्योरेंस प्रीमियम का भुगतान लिया, लेकिन आगे जीएसटी नहीं दी.

मारुति सुजुकी को भी नोटिस

एक अलग मामले में सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी को भी जीएसटी डिपार्टमेंट से नोटिस मिला है.

मारुति सुजुकी ने इस बारे में शुक्रवार को शेयर बाजारों को बताया. कंपनी ने बताया कि उसे यह नोटिस जुलाई 2017 से अगस्त 2022 की अवधि के लिए मिला है. जीएसटी डिपार्टमेंट ने कंपनी से ब्याज और पेनल्टी समेत टैक्स की डिमांड की है. इसके लिए कंपनी को कारण बताने के लिए कहा गया है. मारुति सुजुकी का कहना है कि वह सक्षम प्राधिकरण के समक्ष अपना रिप्लाइ सबमिट करेगी.

एलन मस्क की दो कंपनियों में किराए के भुगतान को लेकर तनातनी

एक्स ने एटलस के खिलाफ किया मुकदमा

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। एलन मस्क एक और मुसीबत में फंस गए हैं। उनकी एक कंपनी ने दूसरी पर सबलीज समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। इसी को लेकर, सैन फ्रांसिस्को सुपीरियर कोर्ट में मुकदमा दायर कराया गया है।

सैन फ्रांसिस्को सुपीरियर कोर्ट में मुकदमा दायर

दरअसल, एलन मस्क की एक्स कॉर्प, जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था, ने वित्तीय सेवा कंपनी एटलस एक्सप्लोरेशन के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। इसमें कथित तौर पर पिछले बकाया किराए और अन्य शुल्कों को लेकर 713,500 डॉलर से

अधिक की मांग की गई है। मुकदमा सैन फ्रांसिस्को सुपीरियर कोर्ट में दायर किया गया है और एटलस पर उनके सबलीज समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया है।

सबलीज समझौते को लेकर रार

बता दें, एटलस को पहले प्वांइट अप इंक के नाम से जाना जाता था।

यह कंपनी किसी विशेष व्यक्ति को आमंत्रित करती है, जो खास भोजन और यात्रा का लाभ ले सकता है। एटलस और एक्स ने सैन फ्रांसिस्को के वित्तीय जिले में 650 कैलिफोर्निया स्ट्रीट पर कार्यालय स्थान के लिए एक सबलीज समझौता किया था। एक्स के अनुसार, एटलस ने समझौते को जल्दी समाप्त करने का प्रयास किया। एक्स का दावा है कि एटलस पर पिछले वर्ष के सितंबर से नवंबर तक का किराया 340,263 डॉलर से अधिक का बकाया है। साथ ही प्रारंभिक समाप्ति शुल्क का भुगतान नहीं किया गया है।

महंगाई की नई मार के लिए हो जाइए तैयार, जल्द बढ़ सकते हैं सीएनजी-पीएनजी के भाव

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। अक्टूबर के महीने में आम लोगों को महंगाई का झटका लग सकता है। सरकार ने अक्टूबर की शुरुआत से ऐन पहले घरेलू नेचुरल गैस की कीमतों में इजाफा कर दिया है। इस बढ़ोतरी के बाद घरेलू नेचुरल गैस के दाम $8.60/एमएमबीटीयू से बढ़कर $9.20/एमबीटीयू पर पहुंच गए हैं। सरकार ने 30 सितंबर को एक नोटिफिकेशन जारी करके बताया है कि नई दरें रविवार यानी 1 अक्टूबर, 2023 से 31 अक्टूबर, 2023 के बीच लागू रहेगी।बता दें कि यह लगातार दूसरा महीना है जब सरकार ने नेचुरल गैस के दाम में इजाफा किया है। इससे पहले सितंबर में भी नेचुरल गैस की कीमत को 7.85 डॉलर से बढ़ाकर 8.60 डॉलर कर दिया गया था।

आम लोगों पर भी पड़ेगा असर-

नेचुरल गैस की कीमत में इजाफा का सीधा उर्वरक, पावर सेक्टर, स्टील पेट्रोकेमिकल जैसे कई क्षेत्रों की लागत कास्ट पर असर पड़ेगा। इसके साथ ही आम जनता पर भी महंगाई की मार पड़ सकती है। इस बढ़ोतरी के बाद सीएनजी और पीएनजी के दामों में बढ़ोतरी की संभावना भी बढ़ गई है। अगर ऐसा होता है तो आम लोगों की और जेब ढीली हो सकती है।आम लोग पहले से ही महंगाई के कारण परेशान हैं।

हाल ही में टमाटर समेत अन्य सब्जियों के दाम बढ़ने से महंगाई फिर बढ़ने लग गई थी। अभी टमाटर सस्ता हुआ है तो प्याज महंगा होने लग गया है। अब गैस की महंगाई का खतरा बढ़ गया है।भारत नेचुरल गैस रूस, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात और कतर जैसे देशों से लेता है। यह देश लिक्विड नेचुरल गैस ओएनजीसी को देते हैं। इसके बाद इसकी सप्लाई देशभर में होती है।

आसमान में फिर उड़ान भरने के लिए तैयार जेट एयरवेज

इस दिन से हो सकती है नई शुरुआत

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। पिछले 4 सालों से बंद पड़ी जेट एयरवेज जल्द ही उड़ान भर सकती है. जालान कालरॉक कंसोर्टियम ने जानकारी दी है कि उसने एयरलाइंस में 100 करोड़ रुपये निवेश के लक्ष्य को पूरा कर लिया है. कंपनी के प्रमोटर ने एयरलाइंस के रिवाइवल के लिए कुल 350 करोड़ रुपये की राशि के निवेश की प्रतिबद्धता की थी. इस निवेश के बाद जालान कालरॉक कंसोर्टियम ने अपने अधिकारिक बयान में कहा है कि वह साल 2024 तक एयरलाइंस के संचालन को दोबारा शुरू करना चाहती है. ध्यान देने वाली बात ये है कि जेट एयरवेज पर पूरी तरह

के अधिकार लेने के लिए कोर्ट ने जेकेसी को कुल 350 करोड़ रुपये के निवेश का आदेश दिया था.

30 सितंबर को खत्म हो रही थी निवेश की डेडलाइन

नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने दिवालिया कानून के तहत जून 2021 में जेट एयरवेज की बोली आयोजित की थी. इसमें जालान-कालरॉक कंसोर्टियम ने सबसे बड़ी बोली लगाई थी. कंसोर्टियम ने एयरलाइंस को दोबारा शुरू करने के लिए कुल 350 करोड़ रुपये लगाने की बोली लगाई थी. जेकेसी ने कोर्ट में यह कहा था कि वह 100 करोड़ रुपये 31 अगस्त और अगले 100 करोड़ रुपये 30 सितंबर कर निवेश करेगी. वहीं बाकी बचे 150 करोड़ रुपये का भुगतान परफॉर्मेंस बैंक गारंटी के रूप में किया जा रहा है.

2019 से बंद है एयरलाइंस का संचालन

गौरतलब है कि आर्थिक परेशानियों से जूझ रही जेट एयरवेज ने अपने सभी फ्लाइट्स का संचालन 17 अप्रैल 2019 से बंद कर दिया था. इस एयरलाइंस की स्थापना साल 1990 के दशक में नरेश गोयल द्वारा की गई थी. इसे इस वक्त एअर इंडिया के विकल्प के रूप में शुरू किया गया था. एक समय था जब इस एयरलाइंस के पास कुल 120 से भी अधिक एयरक्राफ्ट थे और कंपनी हर दिन 650 से ज्यादा फ्लाइट्स का संचालन करती थी.

कब तक शुरू होगा एयरलाइंस का संचालन

जालान-कालरॉक कंसोर्टियम यूएई बेस्ड बिजनेसमैन मुरारी लाल जलान की कंपनी है. वहीं कालरॉक कैपिटल पार्टनर्स यूके बेस्ड कंपनी है जो जल्द से जल्द सभी प्रक्रिया को पूरी करके एयरलाइंस का संचालन शुरू करना चाहती है.

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कन्या में	सिंह...	05-13 बजे
चंद्र-	मेष में	कन्या..	07-20 बजे
मंगल	कन्या में	तुला...	09-28 बजे
बुध-	सिंह में	वृश्चिक.	11-42 बजे
गुरु-	मेष में	धनु.....	13-29 बजे
शुक्र-	कर्क में	मकर..	15-29 बजे
शनि-	कुंभ में	कुंभ...	17-17 बजे
राहु-	मेष में	मीन...	18-49 बजे
केतु-	तुला में	मेष--	20-38 बजे
		वृष--	21-57 बजे
		मिथुन..	00-51 बजे
		कर्क...	03-03 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय- **06-09** सूर्य अस्त- **18-01**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- द्वितीया - **09 -42** तक उपरान्त तृतीया
मास - आश्विन कृष्ण पक्ष , रविवार **01 Oct**
नक्षत्र - अश्विनी - **19-17** -तक उपरान्त भरणी
योग - व्याघात - **13 - 12** - तक उप हर्षण
करण- गर - **09 -42** - तक उप- वणिज
विशेष:- तृतीया,तीज का श्राद्ध
व्रत -त्योहार - सिंह मे शुक्र-**25-13** से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 16:35 से 18:04 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उत्पात	06:09 - 07:37 अशुभ	शुभ.	18:01 - 19:35 शुभ
चंचल	07:37 - 09:07 शुभ	अमृत	19:35 - 21:05 शुभ
लाभ.	09:07 - 10:36 शुभ	चंचल	21:05 - 22:35 शुभ
अमृत	10:36 - 12:06 शुभ	रोग	22:35 - 00:06 अशुभ
काल.	12:06 - 13:35 अशुभ	काल	00:06 - 01:36 अशुभ
शुभ.	13:35 - 15:05 शुभ	लाभ	01:36 - 03:07 शुभ
रोग	15:05 - 16:35 अशुभ	उत्पात	03:07 - 04:37 अशुभ
उत्पात	16:35 - 18:01 अशुभ	शुभ.	04:37 - 06:09 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आज आपकी किस्मत आपके साथ है । आप अपने समस्या को सुलझा लेने की कुशलता से सबको अचरज में डाल देंगे ।सहकर्मी आपसे प्रभावित होंगें । आपका आत्मविश्वास देखने लायक होगा और आपको एक नया काम मिलेगा । खुश रहें और अपनों के साथ ख़ुशी बाँटें । आज कोई दोस्त मिल सकता है । दिन कुल मिलाकर मजेदार रहेगा ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आज आप सबसे बड़े ग्राहकों में से एक के साथ अपने सौदे को अंतिम रूप दे सकते है। उनके साथ एक लंबी अवधि के अनुबंध पर आप हस्ताक्षर करने के लिए आगे बढे । ग्राहक वित्तीय संसाधनों से परिपूर्ण है , जिससे की आपके कार्यालय पर वित्तीय बोझ कम होगा । आपको अगर ग्राहकों से और सौदे लेने है तो आपको अपने सामान्य ज्ञान का अच्छा परिचय देना होगा

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,

आप सकारात्मक तरंगों से भरपूर हैं |लेकिन इसे औरों के साथ ना बाँटें ,लोग आपकी सलाह का सम्मान नही करेंगे | रचनात्मक उर्जा से भरे होने के बावजूद भी चुपचाप बैठा रहना आपके लिए तनाव का कारण बन सकता है,लेकिन इससे परेशान न हों |आपकी पहचान को कोई नुकसान नही होगा,केवल इसमें देरी हो सकती है | ऐसी क्षणिक खुशियों के चक्कर में ना पड़ें जिनकी आपको बाद में काफी बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है |

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

अपने जीवन पर नियंत्रण रखें और और सब के कहने या कुछ करने की कोई भी परवाह ना करें । इसके स्थान पर आराम से खुद की इच्छाओं और आवश्यकताओं को समझने की कोशिश करें और उन का विश्लेषण करें ताकि किसी स्पष्ट निष्कर्ष पर पहुंच सकें । इस बात का विशेष ध्यान रखें की आपके फैसले से ऐसी किसी व्यक्ति को दुःख न हो जो आप पर भावनात्मक रूप से निर्भर है ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज अप्रत्याशित रूप से काफी खर्च हो सकता है । आप कोई ऐसी चीज खरीद सकते हैं जिसकी आपको जरुरत नही है लेकिन आपको अच्छी लगती है,इससे आपकी वित्तीय स्थिति काफी प्रभावित भी होगी। अपनी इस खर्च करने की प्रवृति पर नियंत्रण रखें तो दिन शांति से गुजर जाएगा । आपको आज कुछ नयी वित्तीय योजनायें भी पता चलेंगी ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

आज अपने सिद्धांतों की व्याख्या और पुनर्मुल्यांकन का दिन है । आप पिछले फैसलों के लिए खुद से और अपने साथी से भी सवाल कर सकते हैं । फिर भी आप उसके प्रति बहुत अच्छे बने रहेंगे और उससे भी बदले में यही उम्मीद रखेंगे । जब पुराने विचारों से कोई काम बनत दिखाई न दे रहा हो तो नए विचारों को अपना लेने में कोई बुराई नही है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

यह समय मजे और स्वतन्त्रता दोनों में से किसी एक को चुनने का है । अगर आप जिम्मेदार हैं तो आपको स्वतंत्रता भी मिल ही जायेगी । हालाँकि अत्यधिक परिश्रम के बाद भी आप अपनी मंजिल पर तो नही पहुंच पायेंगे लेकिन बाद में आपको इसका फल जरुर मिलेगा इसलिए परिश्रम करते रहें । वित्तीय स्थिति के लिए भी परेशान न हों,समय के साथ ठीक होती जायेगी ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

अनुभव सबसे बड़ा अध्यापक है और अभी आपको इसी से सीखना है ।भूतकाल से ली हुई सीख की उपेक्षा ना करें ताकि भविष्य की परेशानियों से बच सकें । जरुरतमंदों ,चाहे बच्चे हों या बूढ़े,उनकी मदद करें । ऐसे करने से ही आप सही रास्ते पर चल पायेंगे चाहे आपको अभी इस पर चलने में कोई भी परेशानी आ रही हो ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

गृहों की स्थिति आपको आज बहुत अधिक सामाजिक होने को कह रही है । आप दूसरों से बातचीत के माध्यम से अपनी जीवनशैली और करियर में बदलाव लाना चाहते हैं । जो कुछ आपने सोचा है ,वो सब करने की कोशिश करें । आप जो भी करना चाहते हैं,उसपर अच्छे से ध्यान केन्द्रित क सकते हैं ,बस इतना ध्यान रखें कि अपनी क्षमता से अधिक जिम्मेदारी न लें ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज का दिन अपने जीवन की वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन करने और अपनी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर बांटने के लिए बिलकुल उपयुक्त है । अगर आप पिछले कुछ समय से आलसी महसूस कर रहे हैं और काफी सारा काम इकठ्ठा हो गया है,आज अपने अन्दर असीमित ऊर्जा अनुभव करेंगे जिससे आपके ये अधूरे काम संतोषजनक ढंग से पूरे हो पायेंगे ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज का दिन आपके लिए बहुत व्यस्त रहेगा ,या तो आपके पास मेहमान आयेंगे या आप किसी यात्रा पर जा सकते हैं । इसी समय आप अपने घर का नवीकरण ,नया घर खरीदने या दूसरी जगह शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं । हालाँकि आप पूरा दिन बहुत व्यस्त रहेंगे,फिर भी आप दिन का हरेक पल आनंद लेंगे ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज आपको ईमानदारी से काम लेना है। आज का दिन अपने काम की बारीकियों पर ध्यान देने और उन महत्वपूर्ण कामों को पूरे कर लेने के लिए भी बहुत अच्छा है जिन्हें आप कुछ समय से टाल रहे हो । आप इन नीरस रूटीन कामों को पूरा करने में आलस कर रहे हैं लेकिन एक बार आप इन्हें शुरू कर दें तो बहुत जल्दी पूरा भी कर लेंगे ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

अंतिम संस्कार: तेरहवीं, श्राद्ध का पैकेज

कंपनियां कर रहीं क्रिया-कर्म की लाइव स्ट्रीमिंग, चार्टेड प्लेन से अस्थि-विसर्जन, खुद की अंत्येष्टि की एडवांस बुकिंग भी

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। बात करीब 2 साल पुरानी है। अमेरिका में रह रहे विष्णु को खबर मिली कि लखनऊ में उनके पिता गुजर गए हैं। कोविड काल में उनके लिए भारत लौटना मुश्किल था। ऐसे में पिता का अंतिम संस्कार कराने के लिए उन्होंने डेथ केयर सर्विस मुहैया कराने वाली एक कंपनी की मदद ली। कंपनी के कर्मचारियों ने अंतिम संस्कार से लेकर अस्थियों के विसर्जन तक का सारा जिम्मा उठाया।

साथ ही इसकी लाइव स्ट्रीमिंग की व्यवस्था की, ताकि विष्णु भी इसमें शामिल हो सकें। ऑनलाइन ही सारी रस्में और पूजा भी पूरी कराई गईं। पंडित ने इधर से मंत्र पढ़े और अमेरिका में विष्णु ने पूजा पूरी की। कंपनी ने ऑनलाइन शोक सभा भी आयोजित कराई, जिसमें विष्णु के रिश्तेदार, दोस्त और कलीग भी शामिल हुए।

डेथ केयर इंडस्ट्री की बढ़ती डिमांड

बीते कुछ वर्षों में भारत में डेथ केयर इंडस्ट्री तेजी से बढ़ी है। गम में डूबे परिवार को और ज्यादा परेशान न होना पड़े, इसलिए अंतिम संस्कार के लिए जरूरी सामान से लेकर डॉक्यूमेंट्स बनवाने और कानूनी प्रक्रियाएं पूरी कराने तक सारी जिम्मेदारी ये कंपनियां उठाती हैं। इसके लिए उन्होंने बकायदा पैकेज भी बना रखे हैं। कॉल करिए, अपनी जरूरत बताइए और कंपनी सारा इंतजाम कर देगी।

अगर कोई खास सुविधा चाहते हैं, किसी तीर्थ स्थान पर अंतिम संस्कार के लिए जाना चाहते हैं, तो उसके लिए स्पेशल पैकेज भी मिल रहे हैं। तेरहवीं से लेकर बरसी तक सब कुछ इनके पैकेज में शामिल है। अंत्येष्टि डॉट कॉम, मोक्षशील, सुखांत, लास्ट जर्नी, काशी मोक्ष जैसी कई कंपनियां और स्टार्टअप जिंदगी के बाद भी परिवारों की मदद कर रहे हैं। श्राद्ध पक्ष शुरू हो गए हैं। ये कंपनियां श्राद्ध और पिंडदान की सर्विस भी उपलब्ध करा रही हैं।

डेथ केयर कंपनियां हर धर्म के आधार पर दाह संस्कार से लेकर दफनाने तक सारी रस्मों और उनसे जुड़े कामों की जिम्मेदारी उठाती हैं

किन प्रोफेशनल्स की पड़ती है जरूरत

अंतिम संस्कार से जुड़ी सेवाएं मुहैया कराने वाली एक कंपनी लास्ट जर्नी में काम करने वाले संदीप बताते हैं कि लोकेशन, रीति-रिवाजों और डिमांड के मुताबिक कंपनी पैकेज डिजाइन करती है। डेथकेयर इंडस्ट्री में एडवोकेट्स, पुजारियों, अकाउंटेंट, डॉक्टर, फूल वालों, ताबूत बनाने वाले, शव वाहन के ड्राइवर, सिक्योरिटी गार्ड से लेकर अंतिम संस्कार के घाट और कब्रिस्तान पर काम करने वालों तक की जरूरत पड़ती है। कंपनियां इन सबके साथ तालमेल बैठाकर काम करती हैं।

गम में डूबे परिवारों की काउंसलिंग और इमोशनल सपोर्ट

न्यूक्लियर फैमिली के साथ ही परिवार से दूर विदेश में काम कर रहे लोग इन कंपनियों की सर्विस लेते हैं। जिंदगी में कब क्या हो जाए, इसका कोई भरोसा नहीं। ऐसे में अचानक किसी अपने की जान जाने पर उन्हें इन कंपनियों की जरूरत पड़ती है। अब अपर मिडिल क्लास और अपर क्लास में भी इनकी डिमांड बढ़ी है। हर कोई अपनी जिंदगी में व्यस्त है। परिवार तो छोटे हुए ही हैं, कई बार कंधा देने के लिए चार लोगों को खोजना भी मुश्किल हो जाता है।

ऐसे लोग भी हैं, जो अपनों को अंतिम विदाई देने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते। लेकिन, पूरा परिवार पहले ही गम में डूबा होता है और उनके लिए खुद को संभालना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में कंपनियों की सर्विस की जरूरत पड़ती है, जो न सिर्फ सारे इंतजाम करती हैं, बल्कि परिवार को भी संबल देती हैं। जरूरत होने पर फैमिली की काउंसलिंग भी की जाती है। इस दौरान उनकी परंपराओं का भी खास ध्यान रखा जाता है।

तीर्थस्थान पर अंत्येष्टि कराने से लेकर लाइव स्ट्रीमिंग तक की सुविधा

क्लाइंट की कॉल आते ही कंपनी अंत्येष्टि की तैयारियों में जुट जाती है। घाट पर लाइन में न लगना पड़े, इसके लिए पंडित और घाट पर टाइम स्लॉट तक बुक कर लेती हैं। सारी परंपराएं पूरी हो सकें, इसलिए पंडित भी उसी इलाके से बुलाए जाते हैं, जो उनके तौर-तरीकों से पूरी तरह वाकिफ होते हैं।

अगर फैमिली बनारस या फिर किसी खास तीर्थस्थान पर जाकर

मृतक का अंतिम संस्कार कराने जाना चाहती है, तो उसकी व्यवस्था भी की जाती है। परिवार का कोई सदस्य अगर बाहर है, तो घाट पर लाइव स्ट्रीमिंग की व्यवस्था भी होती है। वीडियोग्राफी के साथ ही फोटो भी क्लिक की जाती हैं, जिसे सीडी समेत परिवार को मुहैया करा दिया जाता है। इसमें आमतौर पर 15 से 25 हजार रुपए तक खर्च होते हैं।

चार्टेड प्लेन से अस्थि विसर्जन

अंतिम संस्कार के बाद अस्थि विसर्जन की बारी आती है। कुछ लोग हरिद्वार और बनारस जाकर गंगा में अस्थि विसर्जन करना चाहते हैं। कुछ लोग अंतिम अवशेषों को गंगा में बिखेरने के लिए हेलिकॉप्टर और चार्टेड प्लेन की सुविधा भी लेते हैं। जिसमें लगभग 5 से 10 लाख रुपए तक का खर्च आता है।

शोक सभा के लिए हॉल में डेकोरेशन कराने का चलन भी बढ़ रहा है। कुछ लोग इस दौरान फ्यूनरल आर्टिस्ट्स को भजन-कीर्तन और शांति पाठ के लिए भी बुलाते हैं। इन सबका खर्च अलग से होता है।

चौथा, तेरहवीं, श्राद्ध, त्रिपिंडी, ब्राह्मण भोज जैसी रस्मों से लेकर नारायण बलि, रुद्राभिषेक तक के लिए पंडित, पूजा सामग्री और प्रसाद की व्यवस्था भी इन कंपनियों के पैकेज में शामिल है। हर रस्म, उसमें शामिल होने वाले लोगों, पुजारियों और सामान के मुताबिक खर्च तय किया जाता है। हर फीस के लिए बकायदा रसीद भी मिलती है।

हेलिकॉप्टर से लेकर डॉक्यूमेंट्स बनवाने तक की सुविधा

एक्सप्रेस डेडबॉडी ट्रांसपोर्ट कंपनी के फाउंडर संजय खन्ना बताते हैं कि अस्पताल या किसी दूसरे शहर में किसी की जान जाने पर परिवार सबसे पहले शव लेकर घर जाना चाहता है। सुरक्षित तरीके से बॉडी को पहुंचाना चुनौती भरा काम होता है। कई बार इसके लिए कानूनी औपचारिकताएं पूरी करनी होती हैं।

पुलिस, अस्पताल और स्थानीय प्रशासन से सर्टिफिकेट और दूसरे डॉक्यूमेंट्स भी बनवाने पड़ते हैं। कंपनियां शव को लाने-ले जाने के लिए क्लाइंट की जरूरत के मुताबिक एम्बुलेंस और शव वाहन, बस और कार के साथ ही किराए पर हेलिकॉप्टर, चार्टेड प्लेन तक दिलाती हैं।

बॉडी को केमिकल से संरक्षित कराने की जिम्मेदारी भी

अगर इंडिगो जैसी एयरलाइंस के जरिए शव लाना हो तो नियम और सख्त हो जाते हैं। एयरलाइंस सिर्फ कार्गो के जरिए ही डेडबॉडी ले जाने की अनुमति देती हैं। प्लेन से बॉडी ले जाने के लिए उसे केमिकल से संरक्षित कराना जरूरी होता है, जिसे 'एम्बाल्मिंग' कहते हैं।

आमतौर पर यह सुविधा अस्पतालों में मिल जाती है। लेकिन, अब प्राइवेट कंपनियां भी यह सुविधा मुहैया कराने लगी हैं। एम्बाल्मिंग में 5 हजार से 35 हजार रुपए तक का खर्च आता है। बॉडी को ताबूत में ही रखकर प्लेन से ले जा सकते हैं और जिसकी कीमत 3 हजार से 30 हजार रुपए तक होती है। ये काम आम आदमी के लिए मुश्किलों भरे होते हैं। ऐसे में कंपनियों के एक्सपर्ट यहां काम आते हैं।

5 हजार रुपए में मोबाइल मोर्चरी

पहले जल्द से जल्द अंतिम संस्कार कर देने की कोशिश की जाती थी, लेकिन अब अधिकतर परिवारों में कोई न कोई बाहर रहता है। ऐसे में उनके लौटने तक शव को सुरक्षित रखने के लिए फ्रीजर बॉक्स और मोबाइल मोर्चरी की जरूरत भी पड़ती है। मोबाइल मोर्चरी के एक दिन का किराया 5 हजार रुपए तक होता है। डेथ केयर कंपनियां इसी तरह मुस्लिम, इसाई, पारसी, जैन समेत सभी कम्यूनिटी को ध्यान में रखकर सुविधाएं बढ़ाने में जुटी हैं।

अपने अंतिम संस्कार के लिए एडवांस में बुकिंग करा रहे लोग

अब तो लोग लाइफ इंश्योरेंस की तरह ही एडवांस में डेथ केयर सर्विस भी बुक कराने लगे हैं, ताकि उनके जाने के बाद उनके परिवार को परेशानियों का सामना न करना पड़े। इसके लिए वे पहले से कंपनियों से पैकेज बुक करा लेते हैं, जिसमें उनका अंतिम संस्कार कैसे, कहां होगा, सबकुछ पहले से तय रहता है। लोग अंतिम संस्कार में इस्तेमाल होने वाले फूल से लेकर कपड़ों तक बता देते हैं।

कंपनियों की तरफ से उन्हें फ्यूनरल डायरेक्टर असाइन कर दिया जाता है, जो उनकी इच्छा के मुताबिक उनके अंतिम संस्कार से जुड़ी वसीयत तैयार कराने में मदद करता है।

अगर कोई अपने अंगदान करना चाहता है, तो वह इसका जिक्र भी कर सकता है। यही वजह है कि अस्पताल और ये कंपनियां आपस में टाइअप करने लगी हैं ताकि अंगदान को बढ़ावा मिले और डेथ केयर सर्विसेज अपने कस्टमर को अच्छी सेवाएं दे सकें।

भारत में 290.79 अरब रुपए का डेथ केयर मार्केट

करीब 140 करोड़ जनसंख्या वाले भारत में हर दिन 20 से 25 हजार लोगों की जान जाती है। फिलहाल अमेरिका में डेथ केयर इंडस्ट्री करीब 1,661.63 अरब रुपए की है, जबकि भारत में अभी इसका मार्केट साइज करीब 290.79 अरब रुपए का ही है। अंतिम संस्कार से जुड़े सामान की ऑनलाइन बिक्री भी बढ़ रही है। 2030 तक इसका ग्लोबल मार्केट 15,768.39 अरब रुपए पहुंचने की उम्मीद है।

हालांकि, भारत में अभी भी इससे जुड़े टैबू की वजह से समाज में झिझक कायम है। इससे जुड़ी कंपनियों और स्टार्टअप को फंडिंग जुटाने, बिजनेस को बढ़ाने में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

रेप मामले में व्यापारियों और संघ के बीच तनातनी

अध्यक्ष बोले- गुमराह कर इस्तीफे पर करवाया दस्तखत, दूसरे पक्ष ने कहा- आरोपी को बचा रहे

दंतेवाड़ा, 30 सितंबर (एजेंसियां)। दंतेवाड़ा जिले के गीदम शहर में शादीशुदा महिला से हुए रेप का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस मामले में व्यापारी संघ और शहर के व्यापारी अब आमने-सामने आ गए हैं। एक पक्ष का कहना है कि महिला को न्याय दिलाने के लिए संघ कोई कदम नहीं उठा रहा है, इसलिए 58 व्यापारियों ने संघ से इस्तीफा दे दिया। शहर के कुछ व्यापारियों का कहना है कि अब संघ के किसी भी काम में सहयोग नहीं किया जाएगा, वहीं संघ के कार्यकारी अध्यक्ष सुजीत सिंह ठाकुर ने कहा कि मामला कोर्ट में चल रहा है। हम कुछ नहीं कर सकते। 58 व्यापारियों का जो सामूहिक इस्तीफा संघ के सचिव अमित गुप्ता को दिया गया था, उसमें कुछ के दस्तखत नहीं थे। स्वर्णकार सोनी समाज ने व्यापारियों को गुमराह कर सिग्नेचर करवाया था। इस बात की जानकारी हमें कुल 10 व्यापारियों ने लिखित में दी है। दरअसल, गीदम शहर की एक शादीशुदा महिला ने हार्डवेयर व्यापारी शीतल सुराना पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने व्यापारी के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कर ली है। महिला ने पुलिस को बताया कि व्यापारी ने उसके साथ मारपीट की, फिर रेप किया है, जबकि व्यापारी के भाई मनीष सुराना का कहना है कि मेरे भाई को फंसाया जा रहा है।

शहरी इलाके में हाथियों ने मचाई तबाही

बोकारो, 30 सितंबर (एजेंसियां)। बोकारो जिला अंतर्गत नावाडीह प्रखंड में हाथियों ने तांडव मचा दिया है। कई गांव के लोगों के घर तोड़कर फसलों को रौंद डाला। शुक्रवार रात ऊपरघाट स्थित पलामू पंचायत के कई गांव में हाथियों के झुंड ने जमकर उत्पात मचाया। इसके बाद बड़कीकुड़ी के खीरू सिंह का दरवाजा तोड़कर घर पर रखे अनाज खा गए, घर के लोग हाथी देख जान बचाकर भागे। वहीं कोड़ाडीह गांव निवासी शंकर महतो के घर का गेट तोड़कर हाथियों का झुंड अंदर घुस गया। वहां से खदेड़े जाने के बाद हाथियों का झुंड कंजकिरो जंगल पहुंच गया है। यहां कंजकीरो गांव में भी कई लोगों के घर तोड़े व फसलों को रौंदा। सात बच्चों सहित 32 हाथियों के झुंड को भगाने में बोकारो जिला वन विभाग पिछले एक सप्ताह से विफल है।

पीएम मोदी से कांग्रेस ने पूछे 36 सवाल

पीसीसी चीफ दीपक बैज बोले- पूरा भरोसा है आप जवाब नहीं देंगे, लेकिन हम सवाल उठाते रहेंगे

रायपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिलासपुर आने से पहले कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष और सांसद दीपक बैज ने 36 सवाल पूछे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री अपने साढ़े 9 साल के कार्यों के बारे में भाषणों में चर्चा भी नहीं करते, सिर्फ विपक्ष को कोसते हैं।

प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि उनके पास अपनी उपलब्धियों के बारे में कुछ बोलने को नहीं है। महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की आय, कालाधन के बारे में प्रधानमंत्री चुप रहते हैं। प्रधानमंत्री और बीजेपी के किए वादों से ही कुछ सवालों के जवाब जनता जानना चाहती है।

बैज ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री जी पूरा भरोसा है आप इन सवालों का जवाब नहीं देंगे, लेकिन जनता के इन सवालों को हम उठाते रहे हैं आगे भी उठाते रहेंगे। प्रधानमंत्री जवाब दें...

ये हैं वो 36 सवाल

1. छत्तीसगढ़ की यात्री ट्रेनों को लगातार रद्द क्यों किया जा रहा है? 2. छत्तीसगढ़ के चावल का कोटा 86 लाख मीट्रिक टन से घटाकर 61 लाख क्यों किया ? 3. छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा मांगे

गये बारदाने की पूरी स्वीकृति क्यों नहीं दे रहे? 4. छत्तीसगढ़ के रमन सिंह के घोटाले 36000 करोड़ के नान, 6200 करोड़ के चिटफंड घोटाले की जांच केंद्र सरकार क्यों नहीं करवाती है? 5. अच्छे दिन कब आयेंगे? 6. किसके अकाउंट में 15 लाख जमा किए? 7. महंगाई कब कम होगी? 8. पेट्रोल-डीजल के दाम कब कम होंगे? 9. 2 करोड़ बेरोजगारों को रोजगार क्यों नहीं मिला? 10. चीन को लाल आंख कब दिखाएंगे? 11. नोटबंदी से जनता को और सरकार को क्या मिला ? 12. 370 हटने से कश्मीर में कितनों ने प्लॉट खरीदा और कितनी कंपनी ने प्लांट खड़े किए? 13. किसानों की आय दोगुनी हुई क्या ? 14. बेटियां सुरक्षित क्यों नहीं? 15. शिक्षा संस्थानों की हालत खस्ता क्यों? 16. जीएसटी से व्यापारियों ने और सरकार ने क्या पाया, क्या खोया? 17. 100 स्मार्ट सिटी का वादा था, कितने स्मार्ट सिटी बने? 18. सांसदों द्वारा गोद लिए गए गांव में से कितने गांव का विकास हुआ और कितने गांव अभी भी गोदी में बैठे है? 19. सरकारी संपत्ति को बेच-बेच कर कब तक देश चलेगा? 20. पुलवामा में सेना के जवानों की हत्या का जिम्मेदार कौन? 21. स्वच्छ भारत के तहत अभियान में करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे है, कितने शहर स्वच्छ हुए? 22. 9 साल में ईडी और आईटी की रैड कितने भाजपाई नेताओं के ऊपर पड़ी? 23. 2014 से पहले आपके पास भ्रष्टाचारियों की फाइल होती थी, उसमें से कितने कांग्रेसियों पर कार्रवाई करते हुए जेल में भेजा? 24. बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा दिया था, पर बेटियां नेताओं की वजह से प्रताड़ित होकर दिल्ली में धरना दे रही थी आरोपी भी भाजपाई सांसद था उस सांसद पर कार्यवाही क्यों नहीं हुई? 25. नोटबंदी के बाद आतंकवाद खत्म हो जाएगा ऐसा आपने कहा था, क्या वो हुआ? क्या कश्मीर में भारत के जवान शहीद नहीं हो रहे? 26. आपकी सरकार में किसानों की आत्महत्या बंद क्यों नहीं हुई? 27. 2022 में हर बेघर को अपना घर देने का वादा था, वादा कितना पूरा हुआ? 28. नोटबंदी में कितने भाजपाई नेता नोट बदलने के लिए लाइन में खड़े थे? कितनों के पास आय से अधिक कालाधन मिला? 29. विदेश में जमा काला धन कितने भारतीयों का है? किसका है? वापस कब लायेंगे? 30. आपकी हर एक विदेश यात्रा में कितना खर्च हुआ? 31. उज्जवला योजना के तहत कितने लाभार्थियों को मुफ्त सिलेंडर दिया गया? उनमें से कितनों ने अपने पैसे से रिफिल करवाया? 32. पकौड़ा, पान, पंचर उद्योग के तहत कितने युवाओं को रोजगार मिला? 33. 5 ट्रिलियन इकोनॉमी की बाते की थी, आज अर्थव्यवस्था बदहाल क्यों हैं? 34. 2000 की नोट आपकी सरकार ने ही लॉन्च की थी, ऐसा क्या हुआ की कम समय पर ही बंद करने का निर्णय लेना पड़ा? 35. डॉलर के मुकाबले रुपये का हाल बेहाल क्यों हैं? 36. मणिपुर में भी डबल इंजिन की सरकार है फिर दंगे क्यों भड़के? मणिपुर में कुछ करते क्यों नहीं?

बस और ट्रक की भिड़ंत, 2 की मौत

मोबाइल टॉर्च की रोशनी से इलाज, एमएलए बोले- 3 जानें गई, पुलिस बोली- 2 की ही जानकारी

जगदलपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। जगदलपुर-बीजापुर नेशनल हाईवे पर शुक्रवार को ट्रक और यात्री बस की भिड़ंत में बस सवार दो यात्रियों की मौत हो गई। मेडिकल कॉलेज रेफर करने से पहले सभी घायलों को किलेपाल के अस्पताल में लाया गया था। यहां मोबाइल टॉर्च की रोशनी से डॉक्टरों ने मरीजों का इलाज किया। विधायक की माने तो हादसे में तीन की जान गई है जबकि पुलिस के पास दो मौत की ही जानकारी है। किलेपाल का ये वही अस्पताल है जो करीब 5 दिन पहले शॉर्ट सर्किट की वजह से जलकर खाक हो गया था। बिजली की व्यवस्था नहीं होने से डॉक्टर्स को मोबाइल टॉर्च की रोशनी में ही इलाज करना पड़ा था। हादसे के 30 घायलों में 14 को जगदलपुर के मेडिकल कॉलेज लाया गया। इनमें से 2 रायपुर रेफर किए गए।

नेशनल शूटर तारा शाहदेव प्रताड़ना मामला

रंजीत कोहली, मुश्ताक अहमद, कौशल रानी दोषी करार, सजा की बिंदू पर पांच अक्टूबर को सुनवाई

रांची, 30 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड के चर्चित तारा शाहदेव प्रताड़ना मामले में सीबीआई की विशेष अदालत में फैसला आ गया है। सीबीआई की विशेष अदालत में विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा ने फैसला सुनाया है। इस मामले में रंजीत कोहली, मुश्ताक अहमद और कौशल रानी दोषी करार दिया गया है। अदालत ने 23 सितंबर को दोनों पक्ष की दलीलें सुनने के पश्चात 30 सितंबर को फैसले की तारीख निर्धारित की थी। फैसला सुनाने के दौरान तीनों आरोपी कोर्ट में सशरीर मौजूद रहे। दोपहर 2.45 बजे तारा शाहदेव अपने पति के साथ कोर्ट पहुंची। इससे पहले रंजीत कोहली उर्फ रकीबुल अपनी मां के साथ ढाई बजे सीबीआई कोर्ट पहुंचा था। सजा के पॉइंट पर अदालत 5 अक्टूबर को सुनवाई करेगा।

झारखंड हाईकोर्ट के आदेश पर सीबीआई ने 2015 में इस केस को टेक ओवर किया था। इस मामले की सुनवाई लगभग आठ साल चली है। जिसमें तीनों

आरोपियों के खिलाफ तीन जुलाई 2018 को आरोप गठित किया गया था। सीबीआई की ओर से 26 गवाहों को पेश किया गया है। 26 सितंबर को नेशनल राइफल शूटर तारा शाहदेव उत्पीड़न मामले में बचाव पक्ष की ओर से सीबीआई कोर्ट में लिखित बहस प्रस्तुत किया गया। रंजीत सिंह कोहली और तारा शाहदेव की शादी सात जुलाई 2014 को हुई थी। शादी के बाद से ही तारा शाहदेव के साथ पति रकीबुल हसन/रंजीत कोहली द्वारा उत्पीड़न और मारपीट की घटनाएं होने लगी थी। धर्म छुपा कर शादी करने, यौन उत्पीड़न, धर्म परिवर्तन के लिए प्रताड़ित करने का मामला प्रकाश में आने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। बाद में झारखंड हाईकोर्ट के आदेश पर साल 2015 में सीबीआई ने मामले को टेकओवर किया। फिर जांच शुरू की। जांच पूरी होने के बाद आरोपियों के खिलाफ साल 2018 में चार्जशीट दायर की गयी थी।

अमृत सरोवर योजना में 25 लाख का घोटाला

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, 30 सितंबर (एजेंसियां)। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के ग्राम पंचायत कोरजा के सड़कटोला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमृत सरोवर योजना में 25 लाख भ्रष्टाचार हुआ है। अमृत सरोवर तालाब में रोजगार सहायक और अधिकारियों पर करप्शन के आरोप लगे हैं. फर्जीवाड़ा कर लाखों रुपये का भ्रष्टाचार किया गया है। रेलवे ने मुरुम निकालने के लिए जेसीबी मशीन लगाकर गड्ढे खोदे थे। इसे ग्राम पंचायत एजेंसी ने अमृत सरोवर तालाब निर्माण बता दिया। अपने करीबी लोगों के जॉब कार्ड और बैंक खाते के माध्यम से फर्जी मास्टर रोल भरकर पैसा निकाल लिया गया है। इतना ही नहीं मेढ़ बनाकर उसमें पौधे लगा दिए गए हैं, जो बिना सुरक्षा घेराव के कई पौधे सूख गए हैं। मेढ़ पर बैठने के लिए शेड भी नहीं बनाया गया है।

झारखंड में बढ़ रहा है डेंगू का खतरा

जमशेदपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड के कई जिलों में डेंगू का खतरा बढ़ रहा है। जमशेदपुर में 28 सितंबर तक डेंगू से छह लोगों की मौत हो गयी। डेंगू स्कूली बच्चों को निशाना बना रही है। अब तक तीन स्कूली बच्चों की मौत डेंगू से हो चुकी है, जिसमें जेपीएस बारीडीह, तारापोर एग्रिको और डीबीएमएस इंग्लिश स्कूल के एक-एक छात्र शामिल है। डेंगू के

बढ़ते खतरे को देखते हुए जमशेदपुर अनएडेड प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने एडवाइजरी जारी की है। इस एडवाइजरी में स्कूलों से कहा गया है कि वह इस बात का विशेष ध्यान रखें कि स्कूल परिसर में किसी भी तरह का जलजमाव ना हो। बच्चे फुल बांह की शर्ट और फुल पैंट पहनकर ही स्कूल आयें जिससे बीमारी का खतरा कम हो। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने जिले में डेंगू की रोकथाम को लेकर स्कूल प्रबंधन के साथ-साथ अभिभावकों से भी अपील की है कि इस बीमारी के बढ़ते खतरे को ध्यान में रखें। अस्पतालों से भी कहा है कि इसके सुधार में बेहतर प्रयास करें। इस बीमारी के बढ़ते खतरे का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि राज्य में शुक्रवार को भी डेंगू के 41 नए मरीज सामने आये हैं। राज्य में डेंगू के साथ-साथ चिकुनगुनिया का भी खतरा बढ़ रहा है। चिकुनगुनिया के अब तक सबसे अधिक मरीज रांची में मिले हैं। रांची में अब तक 162, पूर्वी सिंहभूम में 56, देवघर में 10 गोड्डा में 08 और लोहरदगा में 04 मरीज मिले हैं।

न्यूयॉर्क में तेज बारिश, तूफान से आई बाढ़

ब्रुकलिन में 3 घंटे में हुई 1 महीने की बारिश केनेडी एयरपोर्ट पर 75 साल का रिकॉर्ड टूटा

न्यूयॉर्क, 30 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के न्यूयॉर्क में शुक्रवार को भारी बारिश के साथ तूफान आया। इससे सड़कों, हाईवे और लोगों के घरों में पानी भर गया। न्यूयॉर्क शहर में शुक्रवार को 3-6 इंच बारिश हुई। यहां के जॉन एफ कैनेडी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शुक्रवार दोपहर तक एक दिन में करीब 8 इंच बारिश हुई। 1948 के बाद ये क्षेत्र में हुई अब तक की सबसे ज्यादा बारिश है।

वहीं ब्रुकलिन में 3 दिन के अंदर ही 1 महीने की बेारिश हो गई। इसके चलते लोग कार और घरों में फंस गए। इन्हें दमकल की टीम और बाकी सुरक्षाकर्मियों ने रेस्क्यू किया। लागार्डिया एयरपोर्ट पर फ्लाइट्स डिले करनी पड़ीं। वहीं, कुछ हिस्सों में मेट्रो की सर्विस बंद हो गई।

हालात को देखते हुए न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने इमरजेंसी का ऐलान कर दिया। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि रातभर में कुछ इलाकों में 5 इंच (13 सेंटीमीटर) तक बारिश हुई। वहीं, पूरे दिन में 7 इंच (18 सेंटीमीटर) से ज्यादा बारिश होने की आशंका है।

न्यूयॉर्क के अलग-अलग क्षेत्रों में बारिश का हाल

ब्रुकलिन- नेशनल वेदर सर्विस डेटा के मुताबिक, यहां 3 घंटे में 4.5 इंच बारिश हुई। ऐसा ब्रुकलिन में 100 साल में एक बार होता है। मैनहैट्टन- सेंट्रल पार्क में एक घंटे में 2 इंच बारिश हुई। ये पिछले 80 सालों में एक घंटे में हुई दूसरी सबसे ज्यादा बारिश है। यहां अब तक कुल 5 इंच बारिश हुई है। क्वीन्स- केनेडी एयरपोर्ट पर अब तक की सबसे ज्यादा बारिश हुई। गुरुवार रात से शुक्रवार दोपहर के बीच कुल 7.88 इंच बारिश हुई।

न्यूयॉर्क के गवर्नर ने कहा कि यह एक खतरनाक और जानलेवा तूफान है। हमें अगले 20 घंटे सावधान रहने की जरूरत है। सभी लोग घर पर ही रहें। अगर किसी काम से घर से बाहर निकलना पड़े तो मौसम का अपडेट जरूर ले लें। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, न्यूयॉर्क में बारिश कम हो गई है, लेकिन बाढ़ का खतरा अभी भी बना हुआ है। अधिकारियों ने लोगों से सावधानी बरतने का आग्रह किया है। अधिकारियों ने बताया कि न्यूयॉर्क शहर और आसपास के क्षेत्र में भारी बारिश हुई, जिससे अचानक बाढ़ जैसे हालात बन गए। जिन इलाकों में पानी भरा है, वहां लोगों को ऊपरी मंजिलों पर रहने को कहा गया है। प्रभावित इलाकों वाले स्कूलों में बच्चों को ऊपरी मंजिलों में शिफ्ट कर दिया गया है। मेयर एरिक एडम्स ने कहा कि हम तूफान को हल्के में नहीं ले सकते।

18 साल के माइकल पोर्टिलो और उनके परिवार को अपनी बारिश के चलते अपना घर छोड़ना पड़ा। दरअसल, शुक्रवार को बारिश का पानी उनके घर में कमर तक भर गया। ऐसे में उन्होंने कुछ कपड़े और खाना लेकर घर छोड़ दिया। वो कहते हैं कि हमें नहीं पता कि हम कहां जाएंगे।

न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक, साइंटिस्ट ने बताया कि धरती का तापमान बढ़ रहा है। गर्मी से वातावरण में तूफान बन रहे हैं।

मालदीव में राष्ट्रपति चुनाव का मतदान खत्म

इंडिया फर्स्ट बनाम इंडिया आउट रहा चुनावी मुद्दा, विपक्षी उम्मीदवार मोहम्मद मुइज चीन समर्थक

माले, 30 सितंबर (एजेंसियां)। मालदीव में राष्ट्रपति चुनाव के लिए वोटिंग पूरी हो गई है। इलेक्शन कमिशन के मुताबिक 4 बजे तक 78 फीसदी मतदान हुए हैं। चुनाव में राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह और विपक्षी नेता मोहम्मद मुइज के बीच कड़ा मुकाबला है। मालदीव का चुनाव भारत के लिए भी काफी अहम है, इसकी वजह ये है कि विपक्षी पार्टी के नेता मुइज चुनाव जीतने पर मालदीव पर भारत के असर को कम करने का वादा कर रहे हैं। मुइज सार्वजनिक मंचों से कहते हैं कि वो चीन के साथ रिश्तों को और मजबूत करेंगे।

दरअसल, डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता राष्ट्रपति सोलिह को भारत का करीबी माना जाता है। वहीं, विपक्षी पार्टी के मोहम्मद मुइज चीन समर्थक हैं। मालदीव में राष्ट्रपति चुनने के लिए दूसरी बार वोटिंग हो रही है। इससे पहले 8 सितंबर को पहले राउंड की वोटिंग हुई थी। हालांकि, तब किसी को भी बहुमत नहीं मिला था।

स्कॉटलैंड में भारतीय हाई कमिश्नर को गुरुद्वारे जाने से रोका

स्कॉटलैंड, 30 सितंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी को खालिस्तानियों ने स्कॉटलैंड के एक गुरुद्वारे में जाने से रोक दिया। ये वही गुरुद्वारा है, जहां दोराईस्वामी खालिस्तान गतिविधियों को लेकर गुरुद्वारा समिति के साथ बैठक करने आए थे। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

इसमें खालिस्तान समर्थक गुरुद्वारे के बाहर भारतीय उच्चायोग दोराईस्वामी को घेरे दिख रहे हैं और उन्हें गुरुद्वारे में जाने से रोका जा रहा है। इसके बाद दोराईस्वामी एक कार में बैठकर वहां से चले गए। वीडियो में उनके जाने के बाद भी खालिस्तान समर्थक उन्हें दोबारा कभी वहां ना आने की हिदायत देते हुए नजर आए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत ने ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय के सामने ये मामला उठाया है।

हाई कमिश्नर को रोकने वालों में शामिल एक खालिस्तानी समर्थक ने कहा- हमें पता चला था की भारत के राजदूत यहां आने वाले हैं। हमारे रोके जाने पर वो कार में बैठकर वापस चले गए।

गुरुद्वारे में आने वाले भारत सरकार के किसी भी शख्स के साथ यही होगा, चाहें वो किसी भी बहाने से यहां आ रहे हों। हमें पता है कि वो क्या करना चाह रहे हैं।

कनाडा में जो हुआ वो हमने देखा। कनाडा के पीएम ने साफ तौर पर भारत की निंदा करते हुए उनके डिप्लोमैट को निकाल दिया। ऐसे में उन्हें गुरुद्वारे में आने का न्योता देना बेहद गलत है।

इस घटना के बाद बीजेपी नेता मनिंदर सिंह सिरसा ने कहा- स्कॉटलैंड में जो हुआ मैं उसकी निंदा करता हूं। गुरुद्वारा में किसी को भी आने-जाने का पूरा हक है। हमारे धर्म में हिंसा फैलाने के लिए नहीं कहा जाता बल्कि हम मानवता की रक्षा करते हैं। पीएम मोदी ने भी हमारे समुदाय की तारीफ की थी। सिखों के लिए भारत ही सबसे सुरक्षित जगह है।

लंदन दूतावास पर हमले के बाद दूसरी बड़ी घटना

यह घटना मार्च में लंदन में भारतीय उच्चायोग पर हुए हमले के बाद दूसरी बड़ी घटना है। मार्च में खालिस्तानी समर्थकों ने भारतीय हाई कमीशन पहुंचकर वहां तोड़फोड़ की थी। इसके बाद वहां लगा तिरंगा भी उतार दिया था। ये भारत में अमृतपाल सिंह पर चल रही कार्रवाई का विरोध कर रहे थे। इसके बाद पहली बार एनआईए की टीम देश से बाहर जांच के लिए गई थी।

पाकिस्तान में होती है आत्मघाती हमलावरों की बिक्री

अफगानिस्तान में मिलती है ट्रेनिंग, पूर्व आतंकियों ने बताई भर्ती से हमले तक की प्लानिंग

इस्लामाबाद, 30 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में शुक्रवार को बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में 2 घंटे में 2 आतंकी हमले हुए। इनमें 55 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। हमलावर आत्मघाती थे। पाकिस्तान के आतंकी संगठनों के बीच इस तरह के आत्मघाती हमलावरों की खरीद-फरोख्त होती है। दूसरे हमलावरों के मुकाबले इन्हें ज्यादा इज्जत मिलती है। इन्हें 40 दिनों तक ट्रेंड कर हमलों के लिए तैयार किया जाता है।

इस स्टोरी में जानेंगे कि ये आत्मघाती हमलावर कहां से आते हैं, उन्हें कैसे और कहां ट्रेनिंग दी जाती है, इसके लिए ने टीटीपी, यानी तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के प्रवक्ता रहे एहसान उल्लाह, आईएसआईएस, यानी इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया और बीएलए, यानी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी में काम कर चुके आतंकियों से सवाल किए हैं। टीटीपी और बीएलए के आतंकियों ने नाम न बताने की शर्त पर सभी जवाब दिए हैं।

सेना संग्रहालय में दिखा भारत का शौर्य

प्रथम विश्व युद्ध में अहम भूमिका को किया याद

लंदन, 30 सितंबर (एजेंसियां)। लंदन के राष्ट्रीय सेना संग्रहालय में भारत का शौर्य देखने को मिला है। यहां ब्रिटिश भारतीय सेना प्रथम विश्व युद्ध के सैनिक नामक एक प्रदर्शनी लगाई गई है। इसके माध्यम से प्रथम विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटिश भारतीय सेना के महत्वपूर्ण योगदान को दर्शाया गया है।

संग्रहालय के संपर्क अधिकारी जूलियन फैरेंस ने बताया कि युनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया के साथ मिलकर लगाई गई प्रदर्शनी प्रथम विश्व युद्ध में ब्रिटिश भारतीय सेना और उसके भारतीय सैनिकों के इतिहास को दर्शाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह कई मोर्चों और अभियानों में उनकी बिल्कुल महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालता है।

फोरेंस ने कहा कि ब्रिटिश भारतीय सेना का इतिहास राष्ट्रीय

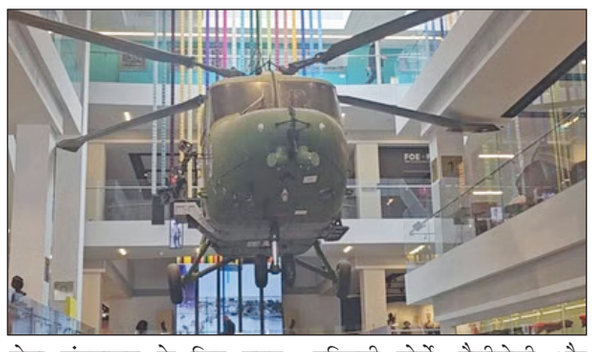

सेना संग्रहालय के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, यह देखते हुए कि संग्रहालय के कुछ पहले संग्रह भारतीय सैनिकों के थे। उन्होंने कहा कि हम इस अस्थायी प्रदर्शनी में विशेष रूप से प्रथम विश्व युद्ध के इतिहास को देखना चाहते थे।

लगभग 14 लाख भारतीय जवानों ने महान युद्ध (प्रथम विश्व युद्ध) में सेवा की, जो उस समय अब तक एकजुट हुई सबसे बड़ी स्वयंसेवी सेना थी। यह प्रदर्शनी 1914 से 1918 तक पश्चिमी मोर्चे, गैलीपोली और मेसोपोटामिया जैसे प्रमुख थिएटरों के साथ-साथ कम-ज्ञात एशियाई मोर्चों में उनकी अपरिहार्य सेवा को जीवंत करती है।

फोरेंस ने जोर देते हुए बोला कि भारतीय सैनिकों की तस्वीरें, कलाकृति प्रतिकृतियां, दस्तावेज और पदकों की प्रदर्शनी से पता चलता है कि हम (ग्रेट ब्रिटेन) उनके योगदान के बिना युद्ध को उस तरह से आगे बढ़ाने में सक्षम नहीं होंगे, जैसा हम करते हैं।

भारतीय-अमेरिकी सैनिकों ने किया संयुक्त अभ्यास

एक-दूसरे की ताकत से सीखना उद्देश्य

अलास्का, 30 सितंबर (एजेंसियां)। भारत और अमेरिकी सेनाओं ने युद्ध अभ्यास के हिस्से के रूप में अलास्का में एक संयुक्त अभ्यास किया। भारतीय सेना के अधिकारियों ने जानकारी दी कि दोनों सेनाओं ने शुक्रवार को अलास्का में फील्ड ट्रेनिंग अभ्यास किया। इस अभ्यास में दोनों सेनाओं की ताकत को बढ़ाना और उनके रिश्ते को मजबूत करना है। यह अभ्यास 25 सितंबर से 8 अक्टूबर तक होगा।

सोमवार को दी थी जानकारी

बता दें, भारतीय सेना अभ्यास में भाग लेने के लिए हाल ही में अलास्का पहुंची। इससे पहले सोमवार को भारतीय सेना के जनसूचना के अतिरिक्त महानिदेशालय ने एक्स पर जानकारी दी थी कि सेना की टुकड़ियां युद्ध अभ्यास में भाग लेने के लिए दिल्ली से रवाना हो गई हैं। रवाना होने से पहले

महानिदेशक ने जवानों के दल से बातचीत की और उनको प्रोत्साहित किया था।

दोनों के बीच सालाना युद्धाभ्यास का यह 19वां संस्करण है। पिछले संस्करण का आयोजन बीते वर्ष नवंबर में उत्तराखंड के औली में हुआ था। इस बार इसमें शामिल होने के लिए भारतीय सेना के 350 सैनिकों का दल अलास्का के फोर्ट वेनराइट पहुंच चुका है। मराठा लाइट इन्फेंट्री रेजिमेंट इस अभ्यास में भारत की नेतृत्वकर्ता बटालियन होगी। वहीं, अमेरिका की ओर से फर्स्ट ब्रिगेड कॉम्बेट टीम की 1-24 इन्फेंट्री बटालियन शामिल होगी। युद्धाभ्यास की थीम 'पर्वत व चरम मौसम के हालात में संयुक्त सैनिक समूह की तैनाती' रखी गई।

जयशंकर बोले- कनाडा में जो कुछ भी हो रहा, वह सामान्य नहीं

चुनौतियों से निपटने के लिए साथ आए दुनिया

वॉशिंगटन, 30 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि बड़ी वैश्विक चुनौतियों जैसे जलवायु परिवर्तन से निपटने और आर्थिक प्रगति के लिए सारे देशों को साथ आने की जरूरत है। जयशंकर ने कहा कि इन चुनौतियों से अकेले नहीं निपटा जा सकता और पूरी दुनिया को इनके खिलाफ एकजुट होना पड़ेगा। अमेरिका में विश्व संस्कृति उत्सव के दौरान अपने संबोधन में भारतीय विदेश मंत्री ने ये बातें कही।

'दुनिया पहले के मुकाबले ज्यादा लोकतांत्रिक हुई'

जयशंकर ने कहा कि 'दुनिया को एक साथ लाना अब और अहम हो गया है। इसी सोच के साथ भारत ने जी20 सम्मेलन की अध्यक्षता की और हमारी थीम भी एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य रही। जिसे आज सांस्कृतिक रूप से हमने देखा भी। आज दुनिया पहले के मुकाबले ज्यादा लोकतांत्रिक हो गई है और एक दूसरे के प्रति सम्मान भी बढ़ा है। वैश्वीकरण और तकनीक की मदद से हम एक दूसरे को ज्यादा बेहतर तरीके से जान पा रहे हैं। आज कोई भी इंसान, कोई भी विचार या संस्कृति

हमसे बहुत दूर नहीं है लेकिन इसे ज्यादा सद्भाव और सहयोगात्मक होने की जरूरत है।'

श्री श्री रविशंकर ने कही ये बात

कार्यक्रम के दौरान श्री श्री रविशंकर ने कहा कि हम सभी लोग एक वैश्विक परिवार का हिस्सा हैं। हमें मानवता की अच्छाई में विश्वास रखना चाहिए। आज भी समाज में ये इच्छा है कि इसे कैसे बेहतर बनाया जाए। हम चुनौतियों को स्वीकार करें और एक बेहतर भविष्य का सपना देखें। श्री श्री रविशंकर ने कहा कि अगर परिवार में एक व्यक्ति खुश नहीं है तो पूरा परिवार प्रभावित होता है और ऐसे ही कुछ परिवार पूरे देश को नाखुश बना सकते हैं।

बता दें कि विश्व संस्कृति उत्सव के चौथे संस्करण का आयोजन वॉशिंगटन डीसी में हो रहा है। अगले तीन दिनों तक इस आयोजन में 100 से ज्यादा देशों के करीब 10 लाख लोग शिरकत करेंगे। इस दौरान 180 देशों के 17 हजार कलाकार भी अपनी प्रस्तुति देंगे। इसका आयोजन आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक और आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर कर रहे हैं। उद्योग जगत, सरकार और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के 1000 से ज्यादा नेता इस सांस्कृतिक उत्सव कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।

'कनाडा में जो हो रहा, वह सामान्य नहीं'

अमेरिका में एक बार फिर एस जयशंकर ने कनाडा पर हमला बोला। एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि कनाडा में जो हो रहा है, उसे सामान्य बनाने की कोशिश नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि कनाडा में भारतीय मिशन और राजनयिकों के खिलाफ उकसावे वाले बयान दिए जा रहे हैं और भारतीय मिशन के बाहर हिंसा की जा रही है। जयशंकर ने कहा कि अगर दुनिया के किसी अन्य देश में ऐसा होता तो क्या दुनिया के देश तब भी इसी तरह प्रतिक्रिया देते?

जयशंकर ने कहा कि 'भारतीय मिशन के बाहर स्मोक बम फोड़े जा रहे हैं। भारतीय कॉन्सुलेट्स के बाहर हिंसा की जा रही है। पोस्टर्स लगाए जा रहे हैं, क्या आप इसे सामान्य मानते हैं? अगर यह किसी दूसरे देश में हुआ होता तो तब आपकी क्या प्रतिक्रिया होती? कनाडा में जो हो रहा है वह सामान्य नहीं है और यह अहम है कि इसके बारे में बताया जाए।'

जलवायु परिवर्तन से हो रहे नुकसान की फंडिंग करने से मुकर रहे विकसित देश

विशेषज्ञों ने जताई चिंता

न्यूयॉर्क, 30 सितंबर (एजेंसियां)। जलवायु परिवर्तन के नुकसानों को झेल रहे विकासशील देशों को फंडिंग करने से विकसित देश मुकर रहे हैं। दरअसल विकसित देशों का कहना है कि मदद पाने वाले देशों की संख्या को कम करने की मांग कर रहे हैं। साथ ही विकसित देशों का कहना है कि मदद करने वाले देशों की संख्या को भी बढ़ाया जाए। विकसित देशों के इस रुख पर वैश्विक दक्षिणी देशों के विशेषज्ञों ने चिंता जाहिर की है।

विकसित देश फंडिंग देने में कर रहे आनाकानी

विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया है कि विकासशील देशों को दिसंबर में सऊदी अरब में संयुक्त राष्ट्र की पर्यावरण के मुद्दे पर आयोजित होने वाले सम्मेलन काप28 में एकजुट होकर विकसित देशों के सामने अपनी मांग रखनी चाहिए। बता दें कि

मिस्त्र के शर्म अल शेख शहर में आयोजित हुई काप27 की बैठक में एक हानि और क्षति निधि बनाने का फैसला हुआ था। इस निधि में विकसित देश योगदान देंगे और जलवायु परिवर्तन के नुकसानों का सामना कर रहे देशों को इस निधि से फंडिंग की जानी है। हालांकि बीते हफ्ते संयुक्त राष्ट्र में हानि और क्षति निधि के मुद्दे पर मंत्री स्तर की बैठक हुई, जिसमें इस मुद्दे पर भारी मतभेद सामने आए कि किस देश को फंडिंग मिलनी चाहिए और किन देशों को इस निधि में योगदान देना चाहिए। विकसित देशों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के सबसे ज्यादा नुकसान झेल रहे देश और छोटे और गरीब देशों को इस निधि से फंडिंग की जानी चाहिए। विकसित देश पाकिस्तान और लीबिया को भी इस लिस्ट में रखने के पक्ष में नहीं हैं, जबकि बीते दिनों इन दोनों देशों ने जलवायु परिवर्तन के चलते विनाशकारी बाढ़ का सामना किया और इससे हजारों लोगों की जान गई। विकसित देश सभी सक्षम देशों जैसे भारत और चीन को हानि और क्षति निधि में योगदान देने की भी मांग कर रहे हैं। वहीं विकासशील देशों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के नुकसान झेल रहे सभी विकासशील देशों को फंडिंग होनी चाहिए। विकासशील देशों का तर्क है कि ग्रीनहाउस गैसों में सबसे ज्यादा योगदान इतिहास में और वर्तमान में भी विकसित देश ही कर रहे हैं।

वैश्विक दक्षिण देशों के विशेषज्ञों ने विकसित देशों के रुख पर चिंता जाहिर की है और कहा है कि विकसित देश अपने वादों से मुकर रहे हैं और जलवायु परिवर्तन को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं।

मेडिकल कॉलेज के क्लासरूम में गोलीबारी

ऐम्स्टर्डैम, 30 सितंबर (एजेंसियां)। नीदरलैंड के रोटरडैम शहर में स्थानीय समय के मुताबिक गुरुवार दोपहर मेडिकल कॉलेज के क्लासरूम में गोलीबारी हुई। इसके बाद वहां आग लग गई। इसमें 3 लोगों की मौत हो गई। ये आंकड़ा बढ़ सकता है।

बीबीसी के मुताबिक, पुलिस ने बताया कि गुरुवार को जिनकी मौत हुई उसमें एक 39 साल की एक महिला और 42 साल का टीचर शामिल थे। वहीं, मरने वाली महिला की 14 साल की बेटी को भी गोली लगी थी। उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। अब पुलिस चीफ फ्रेड वेस्टरबेके ने कहा कि बच्ची की भी मौत हो गई है।

पुलिस के मुताबिक- मिलिट्री यूनिफॉर्म पहने एक शख्स ने गन से यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल के क्लासरूम में फायरिंग की। संदिग्ध आरोपी की उम्र 32 साल बताई जा रही है। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। लोकल मीडिया के मुताबिक, मेडिकल कॉलेज में गोलीबारी के बाद आग लग गई। वहीं, एपी की रिपोर्ट के मुताबिक मेडिकल कॉलेज के पास एक घर में भी फायरिंग हुई। पुलिस फिलहाल इस बात का पता लगा रही है कि ये दोनों घटनाओं के बीच कोई संबंध है या नहीं।

साउथ अफ्रीका के पूर्वी केप राज्य में एक बर्थडे पार्टी में गोलीबारी हुई। इस घटना में 8 लोगों की मौत हो गई और 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, दो हमलावर एक घर में घुसे और फायरिंग शुरू कर दी। घटना के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए।

यूक्रेन के जिन इलाकों पर रूस का कब्जा वो मॉस्को के साथ मिलना चाहते हैं

राष्ट्रपति पुतिन का बड़ा दावा

मॉस्को, 30 सितंबर (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शनिवार को कहा कि रूस द्वारा कब्जाए गए यूक्रेनी इलाकों के लोग, रूस के साथ मिलना चाहते हैं। हालिया स्थानीय चुनाव से यह साफ हो गया है। पुतिन ने बीते साल इन इलाकों में हुए जनमत का भी हवाला दिया। हालांकि उन जनमत को पश्चिमी देशों ने अवैध करार दिया था। रूस द्वारा यूक्रेन के चार इलाकों को अपने देश का हिस्सा बनाने के पुतिन के एलान के एक साल पूरा होने पर रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने एक वीडियो संदेश जारी किया।

पुतिन का दावा- रूसी आक्रमण ने लोगों को बचाया

वीडियो संदेश में पुतिन ने कहा कि रूस में शामिल होने का विकल्प इस महीने के स्थानीय चुनाव से मजबूत हुआ है, जिनमें उन लोगों को जीत मिली है, जो रूस के समर्थक हैं। जनमत के एक साल के बाद ही लोगों ने एक बार फिर रूस में शामिल होने की इच्छा जाहिर की है और उन लोगों का समर्थन किया है जो अपनी मेहनत से लोगों का विश्वास जीते हैं। पुतिन ने इस बात पर भी जोर दिया कि फरवरी 2022 में रूसी कार्रवाई ने यूक्रेनी लोगों को कीव के राष्ट्रवादी नेताओं से बचाया, जिन्होंने उनके खिलाफ गृह युद्ध छेड़ रखा था।

बता दें कि 30 सितंबर 2022 को यूक्रेन के चार इलाकों डोनेस्क, लुहांस्क, खेरसान और जेपोरेजिया को जनमत के बाद रूस के साथ मिला लिया गया था। रूस ने दावा किया था कि जनमत में उन्हें लोगों का जोरदार समर्थन मिला है। हालांकि पश्चिमी देशों ने इस जनतम को नकार दिया था और इसे गैरकानूनी करार दिया था। बता दें कि रूसी सेनाओं का अभी भी इन चारों इलाकों में पूरी तरह से नियंत्रण नहीं है और यूक्रेनी सेना, पश्चिमी देशों की मदद से लड़ रही है। यूक्रेन पर रूसी आक्रमण को डेढ़ साल से ज्यादा का वक्त बीत चुका है।

सीएम और गुढ़ा के समर्थक भिड़े

विधायक पर लगाया मारपीट का आरोप; बर्खास्त मंत्री बोले- लंगड़ी सरकार को 6 विधायक देकर मजबूती दी थी

उदयपुरवाटी, 30 सितंबर (एजेंसियां)। सीएम अशोक गहलोत और बर्खास्त मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा के समर्थन आमने-सामने हो गए। दोनों ओर से नारेबाजी की गई। देखते ही देखते दोनों के समर्थक आपस में भिड़ गए। पुलिस ने बीच बचाव कर मामला शांत कराया। घटना झुंझुनूं के उदयपुरवाटी सरकारी कॉलेज के उद्घाटन के समय की है।

दरअसल उदयपुरवाटी विधायक राजेंद्र गुढ़ा सरकारी कॉलेज के उद्घाटन समारोह में पहुंचे थे। गुढ़ा ने इस दौरान सरकार पर निशाना साधा। कहा कि साल 2008 और 2018 में गुढ़ा को खैरात में मंत्री पद नहीं मिला था। प्रदेश की लंगड़ी सरकार को दोनों बार छह-छह विधायक देकर मजबूती प्रदान की थी। विधानसभा क्षेत्र को तीन-तीन सरकारी कॉलेज ऐसे नहीं मिले। गुढ़ा ने पांव पर पांव रखकर अधिकार के साथ कॉलेज बनवाए

हैं। सरकारी कॉलेज, ट्रोमा सेंटर, नगर पालिका आदि भीख में नहीं लेकर आए। इसी दौरान वहां मौजूद कांग्रेस नेता संदीप सैनी के समर्थक सीएम अशोक गहलोत जिंदाबाद के नारे लगाने लगे। गुढ़ा समर्थन भी नारेबाजी करने लगे। दोनों के समर्थकों में मारपीट हो गई। पुलिस ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया।

थाने के बाहर किया प्रदर्शन

घटना के बाद गहलोत समर्थक संदीप सैनी के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ता थाने के सामने एकत्र हो गए। उन्होंने विधायक गुढ़ा के खिलाफ जताया। उन्होंने गुढ़ा और उनके समर्थकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की। सूचना मिलने पर एएसपी शालिनी थाने पहुंची। उन्होंने संदीप सैनी और उनके समर्थकों को समझाया। पुलिस ने बताया कि विधायक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने से पहले सरकार से स्वीकृति लेनी होती है। धनावता निवासी अशोक राठी ने विधायक गुढ़ा और उनके समर्थकों के खिलाफ शिकायत दी।

विधायक गुढ़ा पर मारपीट का आरोप

रिपोर्ट में बताया कि सरकारी कॉलेज के उद्घाटन समारोह के दौरान अशोक गहलोत जिंदाबाद के नारे लगा रहे थे कि गुढ़ा समर्थकों ने मारपीट की। अशोक के मुताबिक वह कॉलेज के गेट पर विधायक गुढ़ा ने उससे मारपीट की। इस दौरान उसकी सोने की चेन और अंगूठी भी छीन ले गए।

डीएसपी बोले- अगर कोई गलत करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी

नीमकाथाना डीएसपी जोगेंद्र सिंह ने कहा- चुनावों का समय है, विरोध प्रदर्शन भी होंगे। अगर कोई गलत करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई हो जाएगी। विधायक के खिलाफ शिकायत दी गई है। हमने स्वीकृति के लिए सरकार के पास भेज दी। अगर सरकार स्वीकृति देती है तो मामला दर्ज हो जाएगा।

गुढ़ा बोले- अगर हम भी वैसा ही करते तो स्थिति अलग होती

विधायक गुढ़ा ने कहा- कॉलेज स्वीकृत करवाने, जमीन आवंटित कराने, बिल्डिंग के लिए साढ़े चार करोड़ रुपए स्वीकृत करवाने में कितनी माथा-पच्ची करनी पड़ी, इसको कोई नहीं जानता। कॉलेज के बच्चों का पहला दिन था, इसलिए मैं किसी प्रकार की कंट्रोवर्सी नहीं चाहता था। जिस प्रकार का प्रदर्शन उन्होंने किया वैसा अगर हम भी करते तो स्थिति अलग होती। वोट देना या नहीं देना अलग बात है, लेकिन काम करवाने वाले व्यक्ति का इस प्रकार वेलकम लोकतंत्र में अच्छी परंपरा नहीं है।

राजस्थान में सेंटर बिक जाते हैं

इससे पहले गुढ़ा ने सभा में कहा कि राजस्थान में सेंटर बिक जाता है, पूरे प्रदेश में 200 थानेदार बनते हैं। उनमें से 100 एक ही सेंटर से बन जाते हैं। मेहनत करने वाले गरीब मजदूर और किसानों के बच्चे रह जाते हैं और अधिकारियों के बच्चे पास हो जाते हैं।

उपराष्ट्रपति का गहलोत पर इशारों में पलटवार

बोले- कुछ लोग राजनीतिक चश्मा पहनकर संवैधानिक संस्थाओं पर अमर्यादित टिप्पणियां करते हैं

जयपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के बार-बार राजस्थान आने पर सीएम अशोक गहलोत के सवाल उठाने पर सियासी विवाद हो गया है। उपराष्ट्रपति ने अब गहलोत के बयान पर इशारों में पलटवार किया है। नालंदा यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा- यह चिंतन, मंथन और चिंता का विषय है कि कुछ लोग राजनीतिक चश्मा पहनकर संवैधानिक संस्थाओं पर अमर्यादित टिप्पणियां करते हैं। उनको ऐसा नहीं करना चाहिए।

सीएम के बयान पर तोड़ी चुप्पी

यह आचरण हमारी सांस्कृतिक धरोहर के विपरीत है। ऐसा जो भी कर रहे हैं, जाने अनजाने में देश का बहुत बड़ा अहित कर रहे हैं। हमारा संकल्प है हम भारतीयता को हमारी सांस्कृतिक धरोहर है इसका सृजन करें और मर्यादित आचरण करें।

धनखड़ ने कहा- जो व्यक्ति जितने बड़े पद पर है उसका आचरण उतना ही मर्यादित होना चाहिए। राजनीतिक फायदा उठाने के लिए कोई भी टिप्पणी करना अच्छी बात नहीं है। राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए संवैधानिक संस्थाओं को राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए, यह स्वीकार्य नहीं है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को जयपुर में जगदीप धनखड़ के लगातार राजस्थान दौरों पर सवाल उठाए थे। गहलोत ने कहा था- पहले प्रधानमंत्री आए और अब उपराष्ट्रपति अप-डाउन कर रहे हैं। आज उपराष्ट्रपति पांच जगह जाएंगे। चार हेलिकॉप्टर से 5 जगह दौरा है। गवर्नर साहब हों या उपराष्ट्रपति हों, हम सम्मान करते हैं। उपराष्ट्रपति अगर राष्ट्रपति बनेंगे तो भी हम स्वागत करेंगे, लेकिन अभी मेहरबानी रखें। बार-बार सुबह-शाम आ रहे हैं। दौरे कर रहे हैं। इसका कोई तुक नहीं है। क्या तुक है। चुनाव चल रहे हैं राजस्थान में। आप बार-बार आओगे तो लोग क्या समझेंगे। आप चाहते क्या हो? यह संवैधानिक संस्थाएं हैं। उनका मान-सम्मान रहना चाहिए। चाहे कोई सरकार हो।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गहलोत का नाम लिए बिना पलटवार करते हुए नसीहत दे दी है। वहीं, गहलोत के बयान के बाद राजस्थान बीजेपी के नेताओं ने भी पलटवार किया था। उपराष्ट्रपति के इशारों में गहलोत को जवाब देने के बाद अब यह मामला सियासी तूल पकड़ सकता है। गहलोत सभाओं में इस मुद्दे को लगातार उठा रहे हैं।

भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर ने गहलोत सरकार को घेरा

बोले- 4 साल 9 महीने तो मुख्यमंत्री सोते रहे, चुनाव से पहले चला रहे फ्री स्कीम

दौसा, 30 सितंबर (एजेंसियां)। संविधान बचाओ यात्रा लेकर भीम आर्मी प्रमुख व आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर रावण दौसा जिला मुख्यालय पहुंचे। उन्होंने सोमनाथ औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक मैरिज गार्डन में सभा को संबोधित करते हुए राज्य की कांग्रेस सरकार पर जमकर कटाक्ष किए।

उन्होंने मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा- सीएम अभी आटा, चीनी, दाल, नमक, मिर्च, गैस व मोबाइल फोन की स्कीम चला रहे हैं। मैं कहना चाहता हूं कि 4 साल 9 महीने तो मुख्यमंत्री सो रहे थे और अब चुनाव से ऐन वक्त पहले वोटर्स को लुभाने के लिए फ्री स्कीम चला रहे हैं।

सीएम को चुनाव से पहले कैसे पता चला कि गैस सिलेंडर के दाम कम होने चाहिएं और कैसे याद आया कि लोगों को राशन सामग्री की जरूरत है। अब जनता समझ

चुकी है, कांग्रेस के झांसे में नहीं आएगी क्योंकि कांग्रेस को चुनाव के वक्त ही जनता की याद आती है। पेपर लीक पर राज्य सरकार को घेरते हुए चंद्रशेखर ने कहा दूसरे राज्यों में तो कमरों में बैठकर पेपर लीक होते हैं, लेकिन राजस्थान में चलती बस में ही पेपर लीक हो जाते हैं। यहां बेरोजगारों ने अनेकों आंदोलन किए, लेकिन सरकार ने उनकी एक नहीं सुनी। रोजगार मांगने पर युवाओं को लाठियां खानी पड़ी।

उन्होंने कहा मैं दलित को न्याय दिलाने के लिए राजस्थान आता हूं तो यहां के तनखइया नेता मुझसे पूछते हैं चंद्रशेखर राजस्थान क्यों आते हैं तो मेरा एक ही जवाब होता है कि तुम तनखइया नेताओं में अपनी सत्ता से सवाल पूछने की हिम्मत नहीं है।

उन्होंने कहा डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा दिए गए संविधान की वजह से आज हमें मौलिक अधिकार, कर्तव्य और हिस्सेदारी मिली हुई है। जो लोग संविधान की वजह से उच्च पदों पर बैठे हुए हैं लेकिन अपनी जिम्मेदारी भूल गए हैं। ऐसे में संविधान को बचाने के लिए उन लोगों को सत्ता से बाहर करना होगा। यदि हम उनको सत्ता से बेदखल कर अपनी सत्ता बना लेंगे तभी संविधान बच सकेगा और हमारे हक-अधिकार सुरक्षित रह सकेंगे।

उन्होंने बगड़ी प्रकरण, जितेंद्र मेघवाल, इंद्र मेघवाल, ओमप्रकाश रेगर, कार्तिक भील व तोला गुर्जर प्रकरण का जिक्र करते हुए कहा राजस्थान के लोगों ने कांग्रेस शासन में बेतहाशा अन्याय, अत्याचार व जुल्म सहा है।

यदि अगले 5 साल में जुल्म-अत्याचार, बेरोजगारी व भ्रष्टाचार सहना है तो कांग्रेस-बीजेपी को वोट दे देना और यदि अपने हक-अधिकार, रोजगार, बहन-बेटियों की सुरक्षा चाहते हो तो आजाद समाज पार्टी को सत्ता में लाना होगा।

चुनाव से पहले फिर उठा रोहिग्यां-बांग्लादेशियों का मुद्दा

बीजेपी ने चुनाव आयोग से कहा- जिन विधानसभाओं में 5% से अधिक वोट बढ़े, वहां बनाया गया वोटर

जयपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही अब आरोप प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया हैं। बीजेपी ने जयपुर आए मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार को ज्ञापन सौंपकर कहा है कि प्रदेश की जिन 43 विधानसभाओं में अचानक 5 प्रतिशत से ज्यादा नए वोटर्स बढ़े हैं। वहां मतदान को प्रभावित करने के लिए रोहिग्यां व बांग्लादेशियों को मतदाता बनाया गया हैं।

बीजेपी ने चुनाव आयोग से मांगी की है कि ऐसी विधानसभाओं को चिन्हित किया जाए। जांच करके फर्जी वोटर्स के नाम मतदाता सूची से हटाए जाए। वहीं, संबंधित अधिकारियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए।

नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के नेतृत्व में बीजेपी के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य चुनाव आयुक्त को ज्ञापन

सौंपा। प्रतिनिधि मण्डल में पूर्व मुख्य सूचना आयुक्त चंद्र मोहन मीणा आईएएस, रिटायर्ड आरपीएस राजेंद्र सिंह शेखावत, एडवोकेट सौरभ सारस्वत (भाजपा विधि प्रकोष्ठ), एडवोकेट देवांग चतुर्वेदी (भाजपा चुनाव आयोग संपर्क विभाग) शामिल रहें।

धार्मिक संस्थानों से हटाए पोलिंग बूथ

बीजेपी ने अपने ज्ञापन में मुख्य चुनाव आयुक्त से कहा है कि प्रदेश में कई जगह प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा कांग्रेस के जनप्रतिनिधियों के दवाब में धार्मिक संस्थानों में पोलिंग बूथों का निर्माण कर लिया गया है।

इससे एकतरफा और फर्जी मतदान की आशंका बनी हुई हैं। ऐसे में ऐसे बूथों को तत्काल चिन्हित करके रीति-नीति से सही बूथों का निर्माण करवाया जाना चाहिए।

लंबे समय से डेप्यूटेशन रहे अधिकारियों को भी हटाए

नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि चुनाव आयोग के निर्देशों से तीन वर्ष की अवधि तक एक ही जिले में रहने वाले कर्मचारियों व अधिकारियों के स्थानांतरण किए जा रहे है। लेकिन इसमें लंबे समय से डेप्यूटेशन पर एक ही जगह जमे कर्मचारी व अधिकारियों को शामिल नहीं किया गया हैं। ऐसे में उन्हें भी इसमें शामिल किया जाए।

उन्होंने कई मतदान केंद्रों पर मतदाता सूचियों में नाम जोड़ने, हटाने एवं संशोधित करने की प्रक्रिया में हो रहे पक्षपात पर अंकुश लगाने का सुझाव भी दिया। उन्होंने चिरंजीवी कार्ड और मुख्यमंत्री गारंटी कार्ड तथा ज़मीनों के पट्टों पर मुख्यमंत्री के फ़ोटो का मसला भी उठाया।

सुभाषिनी बोली राष्ट्रपति पद सफेद हाथी की तरह दिखाने का

कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा राष्ट्रपति को यहां बंधन में बांधा गया है, उनको सम्मान नहीं दिया जाता है

उदयपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुभाषिनी यादव ने एक विवादित बयान दिया है। वे बोली की देश में आज की तारीख में राष्ट्रपति का पद सफेद हाथी की तरह दिखाने का है।

वे उदयपुर में आरटीडीसी होटल में प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रही थी। उन्होंने कहा कि ट्राइबल राष्ट्रपति मिल गई है मगर उनको बाहर क्यों रखा जाता है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या उन्हें शक्तियां मिली हुई है? उन्हें सम्मान नहीं दिया जाता क्योंकि वह जनजाति वर्ग से आने वाली महिला है।

वे बोली कि राष्ट्रपति अपनी

स्वयं की शक्तियों का उपयोग क्यों नहीं कर पाती? राष्ट्रपति को यहां बंधन में बांधा गया है। यादव ने कि जब राष्ट्रपति का सम्मान नहीं तो देश का संविधान तो कटघरे में है ना।

बाद में जब वे माइक पर आई तब उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि देश मे महिला राष्ट्रपति है, उनका पूरा सम्मान होना चाइए। सदन में भी उनका ससम्मान प्रवेश होना चाहिए। जब पत्रकारों ने राष्ट्रपति वाले मामले पर जो कुछ पहले बोला उस फिर पूछा तो वे बोली आज महिला आरक्षण को लेकर बात कर रहे है तो इसी पर बात हो।

उन्होंने ओबीसी आरक्षण को लेकर केन्द्र सरकार पर सवाल खड़े किए और कहा कि मोदी सरकार कम से कम ओबीसी वर्ग का ख्याल तो रखे। वे बोली महिला सशक्तिकरण तब ही होगा जब पिछड़ी जाति की महिलाओं को लाभ मिलेगा।

कोचिंग संचालक निकला नकली नोट का सप्लायर

दिल्ली में पकड़ा गया, पेपरलीक का भी मास्टरमाइंड; एक साल से ढूंढ रही थी पुलिस

अजमेर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। कुछ समय पहले दिल्ली और राजस्थान पुलिस ने नकली नोट सप्लाई के मामले में दो अलग-अलग कार्रवाई की। इन दोनों कार्रवाई में एक नाम कॉमन था 'शिवलाल'। राजस्थान पुलिस इस बात से अंजान थी कि नकली नोटों के मामले में पकड़े गए आरोपी जिस शिवलाल का जिक्र कर रहे हैं वो कोई और नहीं बल्कि पेपर लीक का मास्टरमाइंड है।

जब शिवलाल की प्रोफाइल को खंगाला गया तो पता चला कि आरोपी अजमेर में कोचिंग चला था। इस आरोपी की पिछले एक साल से पुलिस व एसओजी तलाश कर रही थी। नकली नोट को लेकर शुरू हुई ये जांच दिल्ली तक पहुंची तो पता चला कि शिवलाल ने ही कॉन्स्टेबल भर्ती और हाईकोर्ट एलडीसी भर्ती का फर्जी पेपर भी बेचा था।

ट्रक से भिड़ी बाइक, दो भाइयों की मौत

घर में पहली सरकारी नौकरी, बड़े भाई को जॉइन कराने निकले थे; एक जिंदा जला

धौलपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। ग्रेड थर्ड टीचर की जॉइनिंग के लिए जा रहे दो भाइयों की एक्सीडेंट में मौत हो गई। बाइक और ट्रक में जबरदस्त भिड़ंत के बाद आग लग गई। बाइक समेत ट्रक के नीचे फंसे छोटे भाई की जलने मौत हो गई, वहीं बड़े भाई ने सिर में गंभीर चोटें आने से मौके पर ही दम तोड़ दिया।

मामला धौलपुर जिले के बाड़ी सदर थाने के बिजौली चौकी का है। हादसा शनिवार तड़के 5 बजे एनएच-11बी पर गौशाला के पास हुआ। घटना की सूचना पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची है

और दोनों मृतकों के शवों को बाड़ी हॉस्पिटल की मोर्च्युरी रखवाया गया है।

कॉन्स्टेबल नरेंद्र सिंह ने बताया कि विजय और आकाश अपने गांव सुंदरपुर से सुबह 4 बजे निकले थे। विजय का हाल ही रीट लेवल-1 पास करने बाद थर्ड ग्रेड टीचर में सिलेक्शन हुआ था। जिसे शनिवार को गंगापुर सिटी में जॉइनिंग करना था। बाड़ी में हाईवे पर गौशाला के पास पहुंचने पर सामने आ रहे ट्रक से बाइक की भिड़ंत हो गई। बाइक छोटा भाई आकाश चला रहा था। जो टक्कर होने के बाद बाइक समेत ट्रक के नीचे चला गया। वहीं बड़ा भाई टकराकर ट्रक के पास बाहर ही गिर गया।

सदर थाना अधिकारी विजय सिंह छोकर ने बताया कि मौके पर पहुंचे दोनों बाइक सवारों को ट्रक के नीचे से निकाला। जिसमें से एक बुरी तरह जला हुआ था। धौलपुर के सदर थाने के सुंदरपुर निवासी विजय (26) और आकाश (22) पुत्र बैजनाथ ठाकुर के शव मोर्च्युरी में रखवाए गए हैं।

किशोर को 100 रुपए का लालच देकर टंकी में उतारा

वॉल्व चालू किया तो पाइप में फंसकर मौत; ठेकेदार पर एफआईआर

नदबई, 30 सितंबर (एजेंसियां)। भरतपुर के नदबई में ठेकेदार ने 100-100 रुपए का लालच देकर 3 किशोरों को जलदाय विभाग की टंकी में सफाई के लिए उतार दिया। दो बच्चे बाहर आ गए, लेकिन एक बच्चा पाइप में फंस गया। इसके बाद ठेकेदार ने टंकी में पानी भरने के लिए वॉल्व चालू कर दिया। बच्चे की मौत हो गई।

घटना नदबई के गांव रायसीस की है। आरोपी ठेकेदार और उसके दो बेटों के खिलाफ नदबई थाने में धारा 304 और 34 के तहत मामला दर्ज कराया गया है।

नदबई थाना इंचार्ज कैलाश चंद बैरवा ने बताया- रायसीस गांव निवासी ओमवती पत्नी मानसिंह ने नदबई थाने में रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में बताया कि उसका बेटा कर्मवीर (15) और उसके साथी सचिन (15) और धीरू (10) जलदाय विभाग के ठेकेदार रमनलाल के घर के पीछे खेल रहे थे।

रमनलाल और उसके बेटे यदवीर व पुष्पेंद्र पानी की टंकी पर गए। वहां ठेकेदार ने कर्मवीर, सचिन और धीरू को बुलाया। टंकी साफ करने के लिए 100-100 रुपए का लालच दिया। बच्चे टंकी के अंदर से सफाई करने के लिए तैयार हो गए।

तीनों बच्चे टंकी के अंदर जाकर सफाई करने लगे। इसके बाद रमनलाल और पुष्पेंद्र ने टंकी में पानी भरने वाले वॉल्व को चालू कर दिया। टंकी में पानी आने लगा तो सचिन और धीरू तुरंत टंकी से बाहर आ गए। कर्मवीर टंकी के पाइप में फंस गया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

सचिन और धीरू ने घटना की जानकारी परिजनों को दी। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और कर्मवीर के शव को टंकी से बाहर निकाला। लोगों ने घटना की सूचना नदबई पुलिस को दी।

नदबई थाने के एएसआई ओमप्रकाश ने बताया- घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। परिजनों और ग्रामीणों ने कर्मवीर को टंकी से निकाल लिया था।

रिटायर्ड आईएएस पति-पत्नियों पर सरकार मेहरबान

अब तक 26 टॉप आईएएस को बोर्ड-निगमों में मिली पोस्टिंग, कई घोषणा के इंतजार में

जयपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान ब्यूरोक्रेसी में दूसरे नंबर की सीनियर आईएएस अफसर वीनू गुप्ता को सरकार ने राजस्थान रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) का चेयरपर्सन बना दिया है। उनको यह नियुक्ति रिटायरमेंट से भी 3 महीने पहले दी गई है।

वीनू गुप्ता के पति और पूर्व मुख्य सचिव डी. बी. गुप्ता को भी रिटायरमेंट के बाद मुख्यमंत्री सलाहकार और फिर मुख्य सूचना आयुक्त बनाया गया था। ऐसे और भी आईएएस जोड़े हैं, जिन्हें रिटायर होने पर सीएम गहलोत ने किसी न किसी बोर्ड, आयोग, निगम में चेयरमैन या मेंबर बनाया है। राजस्थान सरकार अब तक 26 ब्यूरोक्रेट को बोर्ड-निगमों में नियुक्तियां दे चुकी है। इनमें चार मुख्य सचिवों को भी रिटायरमेंट के बाद ऐसे पदों पर नियुक्ति दी गई है। कई पदों पर ब्यूरोक्रेट अपने नाम की घोषणा के इंतजार में हैं...

केन्द्रीय चुनाव आयोग की टीम राजस्थान के दौरे पर जयपुर पहुंच चुकी है। जयपुर में एक अक्टूबर तक यह टीम रुकेगी और विभिन्न मीटिंग्स करेंगी। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार भी जयपुर पहुंच चुके हैं। जल्द ही राजस्थान में चुनाव आचार संहिता लगने वाली है। ऐसे में टीम के पहुंचने से ठीक एक दिन पहले 28 सितंबर को वीनू गुप्ता की नियुक्ति के ऑर्डर जारी हो गए हैं। उनका ऑर्डर नगरीय विकास विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकांत की ओर से जारी किया गया है। इस ऑर्डर में उन्हें गांधी नगर (जयपुर) निवासी बताया गया है, आईएएस या अतिरिक्त मुख्य सचिव नहीं लिखा गया है। ऐसे में माना जा रहा है कि उनका रिटायरमेंट भी मंजूर हो चुका है।

अब चूंकि राज्य में चुनाव आचार संहिता लगने ही वाली है, तो सप्ताह भर में कुछ और बोर्ड-निगम, आयोग, मंडल में ऐसी नियुक्तियां सामने आ सकती हैं। इनमें मुख्यतः राज्य सूचना आयोग में दो आयुक्त और राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) में चार सदस्यों की नियुक्तियां होनी हैं। आचार संहिता लगने के बाद यह नियुक्तियां चुनाव होकर नई सरकार बनने तक नहीं की जा सकती हैं।

केंद्रीय हिंदी संस्थान हैदराबाद केंद्र द्वारा हिंदी पखवाड़ा संपन्न

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के हैदराबाद केंद्र द्वारा आयोजित हिंदी पखवाड़ा के उपलक्ष्य में विद्यालयों, स्कूलों एवं कॉलेजों में निबंध लेखन, भाषण प्रतियोगिता, पोस्टर प्रदर्शनी एवं श्रुत भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 188 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें ए.वी. कॉलेज, दोमलगुडा, हैदराबाद के विद्यार्थियों के लिए "भाषण प्रतियोगिता' का आयोजित की गई, जिसमें प्रथम पुरस्कार अर्चित यादव, द्वितीय पुरस्कार गुरुजीत सिंह एवं तृतीय पुरस्कार जान्हवी रसमल्ला ने प्राप्त किया। गवर्मेंट डिग्री कॉलेज, सीताफलमंडी के बच्चों ने "निबंध लेखन' प्रतियोगिता में भाग लिया जिसमें प्रथम पुरस्कार सुश्री मुस्कान, द्वितीय पुरस्कार रंजना श्रीवास्तव एवं तृतीय पुरस्कार यास्मीन बेगम ने प्राप्त किया। सरकारी (बालक), हाईस्कूल, बोयनपल्ली के छात्रों के लिए "कविता पाठ' प्रतियोगिता के अंतर्गत प्रथम पुरस्कार, मास्टर राहुल, द्वितीय पुरस्कार कुमारी पवित्रा तथा तृतीय पुरस्कार कुमारी तय्यबा ने प्राप्त किया। जिला परिषद हाई स्कूल, दोड्डी अलवाल, सिकंदराबाद के छात्रों के लिए "पोस्टर' प्रतियोगिता सफल आयोजन किया गया इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार, कुमारी पी. प्रणिता, कक्षा आठ, द्वितीय पुरस्कार, मास्टर एम; नितिन नायक, नौवीं कक्षा तथा तृतीय पुरस्कार, कुमारी ग्रेसी, सातवीं कक्षा ने प्राप्त किया। हैदराबाद केंद्र द्वारा चल रहे 463वें नवीकरण पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों ने भी अलग-अलग (आशु भाषण, श्रुत लेखन एवं वाद-विवाद) प्रतियोगिताओं में भाग लिया। जिसमें "आशु भाषण' में प्रथम पुरस्कार पेसला गौरीश्री, द्वितीय पुरस्कार चाँद बेगम तथा तृतीय पुरस्कार के. रमेश ने प्राप्त किया। श्रुत लेखन के प्रथम पुरस्कार बी. त्रिविक्रम राव, द्वितीय पुरस्कार एन लक्ष्मी एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में चाँद बेगम ने प्राप्त किया। "वाद-विवाद के अंतर्गत "वाद' पक्ष के प्रथम पुरस्कार चंद्रशेखर, द्वितीय पुरस्कार राजेश जी. एवं तृतीय पुरस्कार के विजय किरण एवं विवाद पक्ष में प्रथम पुरस्कार चांद बेगम, द्वितीय पुरस्कार गौरीश्री एवं तृतीय पुरस्कार शिव कुमार प्राप्त किया। यह पुरस्कार की राशि (चेक) एवं प्रमाणपत्र मुख्य अतिथि प्रो. आर.एस. सर्राजु, सम-कुलपति, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद के द्वारा प्रदान किया गया।

इस अवसर पर केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. गंगाधर वानोडे, अतिथि अध्यापक तथा स्कूलों, कॉलेजों से पधारे प्राचार्य, नवीकरण पाठ्यक्रम के प्रतिभागी हिंदी अध्यापक तथा केंद्र सभी सदस्य उपथित थे।

स्वच्छता सेवा के रूप में भारतीय रेलवे करेगा '14 मिनट का चमत्कार'

1 अक्टूबर से विजयवाड़ा और तिरुपति रेलवे स्टेशनों पर होगा आयोजित

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वंदे-भारत ट्रेनों में यात्री सुविधाओं को और बढ़ाने के लिए रेल मंत्रालय ने एक कदम और आगे बढ़ाया है। वंदे-भारत ट्रेनें स्वदेशीकरण के लिए जानी जाती हैं और यात्रियों के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हैं। ये ट्रेनें तेज़, आरामदायक और उल्लेखनीय रूप से सुविधाजनक यात्रा अनुभव प्रदान करती हैं। इन ट्रेनों को अब "14 मिनट मिरेकल" योजना के तहत कवर किया जा रहा है, जिसे 1 अक्टूबर, 2023 को स्वच्छता-ही-सेवा अभियान के हिस्से के रूप में भारतीय रेलवे के टर्मिनल स्टेशनों पर लॉन्च किया जाएगा। यह योजना औपचारिक रूप से दिल्ली कैंट रेलवे स्टेशन पर माननीय रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा शुरू की जाएगी। "14 मिनट मिरेकल" अभ्यास क्रमशः चेन्नई-विजयवाड़ा और सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए विजयवाड़ा और तिरुपति रेलवे स्टेशनों पर आयोजित किया जाएगा, जो स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के हिस्से के रूप में सुपर सफाई अभियान से गुजरेंगे। रेल मंत्रालय ने 1 अक्टूबर, 2023 को सुबह 10:00 बजे लोगों के नेतृत्व में एक व्यापक स्वच्छता अभियान चलाने की योजना बनाई है, जिसमें स्वयंसेवक महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि के रूप में कम से कम एक घंटे का श्रमदान करेंगे। इस मेगा स्वच्छता अभियान के लिए पूरे भारतीय रेलवे में लगभग 22,000 कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है।

02 अक्टूबर 2014 को माननीय प्रधान मंत्री द्वारा शुरू किया गया स्वच्छ भारत अभियान अब एक राष्ट्रीय आंदोलन में बदल गया है। इस स्वच्छ भारत आंदोलन के माध्यम से लोगों में जिम्मेदारी की भावना पैदा हुई है। महात्मा गांधी द्वारा देखा गया 'स्वच्छ भारत' का सपना आकार लेने लगा है। भारतीय रेलवे अपने व्यापक राष्ट्रव्यापी नेटवर्क के साथ स्वच्छ भारत अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हर साल की तरह, इस साल भी रेल मंत्रालय इस अभियान के सफल कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास के साथ 15.09.23 से 02.10.23 तक स्वच्छता पखवाड़ा मना रहा है, जिसका उद्देश्य अधिक हरित और अधिक पर्यावरण-अनुकूल रेलवे प्रणाली को बढ़ावा देना है। इस वर्ष, एसएचएस अभियान के पहले 15 दिनों (अर्थात 15.09.23 से 30.09.23) के दौरान, अभियान में 685,883 मानव घंटों के साथ 2.19 लाख से अधिक लोगों ने लगभग 2050 गतिविधियों में भाग लिया है।

एसबीआई के वेल्थ हब का उद्घाटन

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। देश के सबसे बड़े बैंक, भारतीय स्टेट बैंक ने आज सिकंदराबाद में अपनी संपत्ति जमा की है। बैंक के वेल्थ हब का उद्घाटन भारतीय स्टेट बैंक, श्रीनगर डेवलपर्स के मुख्य महाप्रबंधक राजेश कुमार ने किया। कंसोर्टियम सुख टीचर कौर, मुख्य महाप्रबंधक (धन एवं प्रीमियर बैंकिंग), भारतीय स्टेट बैंक, सहकारी केंद्र, मुंबई भी इस कार्यक्रम में शामिल रहे। अब 232 वेल्थ हब के नेटवर्क के साथ 102 प्रमुख अतिथि उपस्थित हैं। वर्तमान में, बेल्जियम वेल्थ 3,00,000 करोड़ रुपये से अधिक के साथ अपने ग्राहक आधार को 3,75,000 से अधिक तक बढ़ा रहा है और मार्च 2024 तक 4,00,000 करोड़ रुपये के एयूएम के साथ अपने ग्राहक आधार को 4,50,000 तक बढ़ा रहा है।

समारोह का उद्घाटन करते हुए राजेश कुमार ने कहा कि हमें अपने सिकंदराबाद शहर में 12वें वेल्थ हब का शुभारंभ करते हुए खुशी हो रही है। वेल्थ बिजनेस पेश करना बैंक की ओर से जारी है, क्योंकि हमारे पास कई एचएनआई ग्राहकों के लिए बहुत अधिक विशिष्ट सेवाओं की आवश्यकता है।

भारत के स्वच्छता ही सेवा अभियान में शामिल हुआ एनएमडीसी

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रणी सीपीएसई, एनएमडीसी 15 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2023 तक राष्ट्रीय स्वच्छता आंदोलन-स्वच्छता ही सेवा में शामिल हुआ। स्वच्छता ही सेवा अभियान के एक भाग के रूप में, कर्मचारियों ने आज अपने प्रधान कार्यालय और देश भर में स्थित अपनी परियोजनाओं में एक स्वच्छ और हरित राष्ट्र के प्रति स्वच्छता के लिए प्रत्येक सप्ताह अपने 2 घंटे समर्पित करने का संकल्प लिया। श्रमदान की भावना से, एनएमडीसी कर्मचारियों ने अपने कार्यस्थल पर अपने डेस्क, अलमारियों, कार्यालयों और कर्मशालाओं की सफाई करके अभियान शुरू किया। स्वच्छता के लिए जन भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध एनएमडीसी टाउनशिप, बाजारों, बस अड्डों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता अभियान आयोजित कर रहा है। कंपनी ने एकल उपयोग वाले प्लास्टिक को खत्म करने के लिए अपने आंतरिक और बाहरी हितधारकों को प्रोत्साहित करके प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त' करने के लिए एक जागरूकता अभियान भी शुरू किया।

अभियान में बच्चों को शामिल करते हुए, एनएमडीसी ने अपने परियोजना विद्यालयों में स्वच्छता शपथ दिलाई और स्वच्छता ही सेवा के विषयों पर प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया। एनएमडीसी ने संपूर्ण स्वच्छता प्राप्त करने के देश के विजन की दिशा में हैदराबाद में अपने प्रधान कार्यालय और पूरे भारत में अपनी परियोजनाओं के माध्यम से एक व्यापक जन-अभियान की योजना तैयार की है।

स्वच्छ भारत अभियान के बारे में कंपनी के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) अमिताभ मुखर्जी ने कहा, 'हमें संगठित रूप से स्वच्छ भारत, हरित भारत की दिशा में अपने संसाधनों को समर्पित करना चाहिए। बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान चलाते हुए राष्ट्रीय स्वच्छता आंदोलन में भाग लेने पर एनएमडीसी को गर्व है। एनएमडीसी 1 अक्टूबर को राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान 1 तारीख, 1 घंटा 1 साथ भी चलाएगा, जिसमें छत्तीसगढ़ में किरंदुल और बचेली, कर्नाटक में दोणिमलै और मध्य प्रदेश में पन्ना; प्रत्येक परियोजना के एक-एक गांव को शामिल किया जाएगा।

अधिकारियों ने लिया जनसमस्याओं का जायजा

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वाटर वर्क्स के एमडी दानाकिशोर के निर्देश पर गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र में तुरुप बाजार, मोजमजाही मार्केट, हिंदुस्तान गली, ओल्ड विक्रांत थिएटर, ओल्ड नवरंग थिएटर, समोसा गली आदि में सीवरेज की समस्याओं का अधिकारियों ने जायजा लिया। एमडी ने निचले स्तर के अधिकारियों को आदेश दिया कि वे काम का एस्टीमेट दें तो वह फंड जारी कर देंगे। इसी तरह, खैरताबाद जीएचएमसी जोनल कमिश्नर वेंकटेश धोत्रे ने कच्ची मोरी का मुद्दा उठाया। निचले स्तर के अधिकारियों को निरीक्षण करने का आदेश दिया गया। आज आनंद कुमार गौड़ ने जलकल एवं नगर निगम अधिकारियों को साथ लेकर पदयात्रा निकाली। उन्होंने कहा कि यदि वह कार्य के लिए बजट का अनुमान लगाते हैं तो उसे मंजूरी देने के लिए जिम्मेदार होंगे। उन्होंने कहा कि वह इसे मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव के ध्यान में लाएंगे और मंजूरी दिलाएंगे।

हिंदी ने देश को एक सूत्र में बांधा : डॉ. रत्नेश यादव

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू के हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रत्नेश कुमार यादव ने कहा कि भारत के कोने-कोने से लोगों को जोड़ने में हिंदी की अहम भूमिका है। राजभाषा और संपर्क भाषा के रूप में अधिकांश लोग इसका उपयोग करते हैं। युवा मातृभाषा व राष्ट्रभाषा पर गर्व महसूस करें और इसे आगे बढ़ाएं। जम्मू-कश्मीर लाइसेंस सेवा क्षेत्र दूरसंचार विभाग के हिंदी पखवाड़े के तहत कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिये डॉ. यादव ने कहा कि हिंदी का भविष्य बहुत ही उज्ज्वल है।

निःसंदेह है कि इसमें आगे युवा अपने भविषय निर्माण कर सकेंगे। हिंदी क्षेत्र से भी कई महान साहित्यकार और समाजसेवी व नेता हुए हैं, जिन्होंने इसके विकास में अविस्मरणीय यागदान दिया है। सहायक निदेशक विजय कुमार ने हिंदी पर कविता व भजन प्रस्तुत किया। उपमहानिदेशक अरुण अग्रवाल ने भी विचार रखे। हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में हिंदी निबंध लेखन और वाद-विवाद प्रयोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

प्रेक्षाध्यान-आनंद, शान्ति और संतुष्टि की साधना : साध्वीश्री डॉ मंगल प्रज्ञा

तेरापंथ युवक परिषद के आयोजकत्व में एक दिवसीय प्रेक्षाध्यान शिविर

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेरापंथ भवन, सिकन्दराबाद में साध्वीश्री डॉ. मंगल प्रज्ञा जी के पावन सान्निध्य में तेरापंथ युवक परिषद के आयोजकत्व में एक दिवसीय प्रेक्षाध्यान शिविर का समायोजन किया गया। इस अवसर पर साध्वीश्री डॉ. मंगलप्रज्ञा जी ने शिविरार्थियों को संबोधित करते हुए कहा की प्रेक्षाध्यान-आनंद, शान्ति और संतुष्टि की साधना है। स्वभाव परिवर्तन का अमोघ उपाय है। प्रेक्षा शब्द भगवान है, साहित्य में प्राप्त होता है। आचारांग में विपश्यना और पेहा शब्दों का उल्लेख मिलता है। आज यह साधना पद्धति विश्रुत विख्यात बन गई है। प्रेक्षाध्यान प्रयोग करने के लिए इच्छुक जन विदेशों से भी भारत आते हैं। आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी द्वारा प्रदत्त यह प्रेक्षाध्यान अवदान युग को दी गई अमूल्य विरासत है। साध्वी श्री जी के निर्देशन में हैदराबाद स्तरीय प्रेक्षा वाहिनी का गठन किया गया। वाहिनी की संयोजिका श्रीमती बबीता संचेती रहेगी, श्रीमती रीटा सुराणा परामर्श देती रहेगी और श्रीमती संतोष पींचा सहयोग प्रदान करेगी। प्रेक्षा वाहिनी का आयोजन डी.वी कॉलोनी सिकन्दराबाद स्थित तेरापंथ भवन में प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को किया जाएगा। तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष निर्मल दुगड़ ने सम्पूर्ण परिषद का भावपूर्ण आत्मिक स्वागत प्रस्तुत करते हुए कहा कि साध्वी श्री जी की समय-समय पर विशेष प्रेरणा प्रदान की जाती है। साध्वी चैतन्य प्रभा जी ने प्रेक्षा सिद्धान्त प्रशिक्षण दिया, जिसमें ध्वनि विज्ञान, मुद्राविज्ञान आदि की जानकारी दी गई। साध्वी राजुलप्रभा जी ने वृहद कायोत्सर्ग करवाया। प्रेक्षा प्रशिक्षक ललित मिश्रा एवं बबीता संचेती ने शिविरार्थियों को आसन प्राणायाम, एक्युप्रेशर आदि प्रयोग करवाए। तेरापथ युवक परिषद के अध्यक्ष निर्मल दुगड़ एवं उनकी सम्पूर्ण टीम ने एकजूट होकर इस शिविर को सफल बनाया। कार्यक्रम में तेरापंथी सभा, महिला मंडल, तेरापंथ युवक परिषद , टीपीएफ अणुव्रत समिति किशोर मंडल के सदस्यों ने इस शिविर में प्रतिभागी रहे। तेरापंथी सभा सिकन्दराबाद के मंत्री सुशील संचेती, परामर्शक लक्ष्मीपत बैद, अणुव्रत समिति की मंत्री रीटा सुराणा आदि उपस्थित रहे।

श्री शांतिनाथजी महाराज की पुण्यतिथि पर भव्य जागरण सम्पन्न

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीडिमेटला स्थित श्री आईमाताजी मंदिर में श्री श्री 1008 परम् पुज्य पीरजी श्री शांतिनाथजी महाराज की पावन पुण्यतिथि महोत्सव पर विशाल जागरण आयोजित किया गया। शुक्रवार 29 सितम्बर रात्रि 9.31 बजे पूजा-अर्चना, दीप प्रज्वलितकर, महाआरती के पश्चात् आयोजित किया गया। इसमें सुरेश लौहार ने राजस्थानी अंदाज में श्री शांतिनाथजी महाराज के चरणों मे भजनों के पुष्प अर्पित किये। इस अवसर पर पधारे विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारीयों का विष्णु समाज ने विशेष सम्मान किया। शनिवार 30 सितम्बर प्रात: वेला मे पुजा-अर्चना व महाआरती के श्री शांतिनाथजी महाराज की तस्वीर पर भक्तों ने श्रद्धा के पुष्प अर्पितकर सुख-समृद्धि की कामना की। पधारे मुख्य अतिथि श्रीशैलम गौड़ का विष्णु समाज बन्धुओं द्वारा राजस्थानी साफे, पुष्प-माला व शॉल से विशेष सम्मान किया गया। अपने सम्बोधन मे बोलते हुए श्रीशैलम गौड़ ने गुरुवर श्री शांतिनाथजी केआदर्शों का गुणगाण करते हुए भक्तों से अह्वान किया कि उनके द्वारा बताये गये नियमों का पालन करे। समाज बन्धुओं व भक्तों ने कार्यक्रम में सपरिवार भाग लेकर दर्शन, भजनों व प्रसाद का लाभ लिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे समस्त विष्णु समाज के पदाधिकारी, कार्यकर्ता व गुरु भक्तों का विशेष सहयोग रहा। महाआरती के पश्चात् कार्यक्रम का समापन हुआ।

अग्र महिला समिति दोमलगुड़ा शाखा का स्नेह सुगंध कार्यक्रम

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महाराजा श्री अग्रसेन जी की जयंती के उपलक्ष में अग्र महिला समिति, दोमलगुड़ा शाखा द्वारा "सास बहू स्नेह सुगंध" का कार्यक्रम विजय कुंछल के पेंट हाउस में उत्साह पूर्वक संपन्न हुआ। आज यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार समिति की मुख्य संयोजिका रश्मि अग्रवाल एवं कार्यक्रम के मुख्य संयोजिका सीमा अग्रवाल ने बताया कि लगभग 35 महिलाओं ने प्यार के नोक झोंक से भरे, जीवन के एक अटूट रिश्ते, सास बहू की जोड़ी कार्यक्रम में हर्ष पूर्ण भाग लिया। मंच संचालन करते हुए संयोजिका सीमा अग्रवाल ने सबका स्वागत संबोधन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. सुमन सराफ के साथ संयोजिकाओं एवं महिलाओं ने महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा अर्चना की। डॉ. सुमन सराफ ने उपस्थित महिलाओं के समक्ष सास बहू की इस मधुर रिश्ते की गरिमा को बनाए रखने पर अपने विचार प्रकट किये। कार्यक्रम का शुभारंभ सासू-मां पर कविता एवं सास बहू की जोड़ियां द्वारा सामूहिक नृत्य के साथ हुआ जिसमें सरोज देवी, सुमन अग्रवाल, एवं रश्मि अग्रवाल को पुरस्कृत किया गया। इसके पश्चात सीमा गर्ग एवं सुमन गर्ग ने सास बहू गीत पर नृत्य प्रस्तुत किया एवं उन्हें पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए संयोजिका सीमा अग्रवाल ने सास बहू थीम पर तंबोला का आयोजन किया। उसके विजेता सुमित्रा पंसारी, सीमा गर्ग, मीता पंसारी, याशी अग्रवाल, सीमा पंसारी, पिंकी अग्रवाल, अमिता भगेरिया, सरला जिंदल,संजीता एवं अन्य रहे। कार्यक्रम में मनोरंजन के लिए "सास बहू जोड़ी नंबर वन" एवं "लाइट द कैंडल" खेल खिलाया गया जिसमें महिलाओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया एवं खेल का आनंद उठाया। इसके विजेता अक्षिता पंसारी, संतोष गर्ग, मीता पंसारी, मंजू खेतान, सुमन अग्रवाल एवं अन्य रहे।

मुख्य संयोजिका रश्मि अग्रवाल ने शाखा के मानद मंत्री योगेश अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष विजय कुंछल का सम्मान किया। योगेश अग्रवाल ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए सभी से अनुरोध किया कि वे आगे होने वाले कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें।

विजय कुंछल ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए सबका मनोबल बढ़ाया।

संयोजिका सरला अग्रवाल ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना भरपूर साथ दिया एवं नेहा अग्रवाल ने इस कार्यक्रम के आयोजन एवं संचालन में पूर्ण सहयोग दिया। रश्मि अग्रवाल ने शाखा अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल, परामर्शदाताओं, पदाधिकारियों एवं निवर्तमान अध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी, के नेतृत्व में हुए इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

बोइनपल्ली मार्केट यार्ड में स्वच्छता ही सेवा अभियात आयोजित किया गया। इसमें भाग लेते हुए श्रीमती पूनम, ए. गौतम जैन, मधुकर नाइक, श्रीमती हरिका आनंद बंग व अन्य।

51वें रामायण मेला समिति के प्रधान संयोजक गोविंद नारायण राठी, कोषाध्यक्ष गिरधारी लाल डागा, संयोजक मनोज जायसवाल ने एग्जीबिशन समिति के उपाध्यक्ष सत्येंद्र, मानद मंत्री बी. हनुमंत राव, सह मंत्री चंद्रजीत सिंह, कोषाध्यक्ष राजेंद्र कुमार, मैनेजिंग कमेटी के सदस्य अशफाक हैदर, राजेश्वर विनय कुमार, अशोक, पी. श्रीनिवास, मोहम्मद फहीमुद्दीन, अमरजीत रेड्डी ,आनंद कुमार आनंद कुमार का सम्मान किया।

कोरेमुला स्थित श्री आईमाता मंदिर में खेतलाजी भैरुजी महाराज की पूजा-अर्चनाकर भजनों व कार्यक्रम का लाभ लेते हुए संरक्षक प्रभुराम परिहारियां, कोषाध्यक्ष पोकरराम पंवार, सहसचिव राजाराम गेहलोत, ओगड़राम सैंणचा, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

एशियाड में टेनिस मिक्स्ड डबल्स और स्क्वॉश मेंस में भारत को गोल्ड

बोपन्ना-रुतुजा की जोड़ी जीती; 10 गोल्ड के साथ अब तक कुल 36 मेडल आए

हांगझोउ, 30 सितंबर (एजेंसियां)। 19वें एशियन गेम्स के 7वें दिन के मुकाबले जारी है। शनिवार को अब तक भारत ने 2 गोल्ड और1 सिल्वर समेत कुल 3 मेडल जीते। इसके साथ ही भारत के कुल 10 गोल्ड हो गए हैं। चीन के हांगझोउ में चल रहे एशियन गेम्स में शनिवार को स्क्वॉश में भारतीय मेंस टीम ने पाकिस्तान को 2-1 से हराकर गोल्ड जीता।

गोल्ड मेडल इवेंट के पहले मैच में पाकिस्तान के नासिर इकबाल ने महेश मंगाओंकर को 3-0 से हराया। दूसरा मैच भारत के नाम रहा। सौरव घोषाल ने असीम मुहम्मद को 3-0 और तीसरे मैच में अभय सिंह ने नूर जमान 3-2 से हराया। इस तरह भारत ने फाइनल मुकाबला 2-1 से जीता।

इससे पहले, रोहन बोपन्ना और रुतुजा भोसले ने चीनी ताइपे के एन-शुओ लियांग और त्सुंग-हाओ हुआंग के खिलाफ तीसरा सेट टाई-ब्रेकर जीतने के साथ टेनिस मिक्स्ड डबल्स में गोल्ड मेडल जीता। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में चीनी ताइपे जोड़ी को 2-6, 6-3, [10] - [4] से हराया।

वहीं शूटिंग में सरबजोत सिंह और दिव्या टीएस ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीता। शूटिंग गोल्ड के हुए मुकाबले में सरबजोत और दिव्या को चीन की जोड़ी झांग बोवेन और जियांग रैनक्सिन से 16-14 से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही उन्हें सिल्वर से संतोष करना पड़ा।

भारत अब तक 36 मेडल जीत चुका है। इसमें 10 गोल्ड, 13 सिल्वर और 13 ब्रॉन्ज शामिल है। भारत मेडल टैली में चौथे नंबर पर है।

टाईब्रेक क्या है?

दो टेनिस प्लेयर्स के बीच टाई के विजेता का फैसला करने के लिए टाईब्रेक खेला जाता है। एक बार जब सेट 6 -6 तक बराबर हो जाता है, तो खिलाड़ी टाईब्रेक शुरू करते हैं और सात पॉइंट्स हासिल करने वाला पहला खिलाड़ी टाईब्रेक और सेट जीतता है। यदि खिलाड़ी 6-पॉइंट-टू-6 पर बराबर होते हैं, तो लगातार 2-पॉइंट मार्जिन वाला पहला खिलाड़ी जीत जाता है।

एशियन गेम्स में 10-पॉइंट टाईब्रेकर खेला गया। इसके नियम लगभग क्लासिक टाईब्रेकर के

समान हैं, इसमें अंतर यह है कि जो खिलाड़ी दो-पॉइंट मार्जिन के साथ 10 पॉइंट तक पहुंचता है वह जीत जाता है। यदि स्कोर 10:10 से बराबर हो गया है तो यह तब तक जारी रहता है जब तक कि एक खिलाड़ी के पास दो पॉइंट्स की बढ़त न हो जाए।

भारत के शूटिंग में हुए 19 मेडल

हांगझोउ एशियाड में अब भारत के 19 मेडल हो गए हैं। जिनमें 6 गोल्ड, 8 सिल्वर, 5 ब्रॉन्ज शामिल है।। यह गेम्स के 72 साल के इतिहास में हमारा शूटिंग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। निशानेबाजों ने 2006 गेम्स का रिकॉर्ड तोड़ा। तब दोहा गेम्स में शूटिंग में 3 गोल्ड, 5 सिल्वर, 6 ब्रॉन्ज सहित कुल 14 मेडल जीते थे।

बॉक्सिंग: लवलीना और प्रीति सेमीफाइनल में पहुंची

बॉक्सिंग के 75 किग्रा कैटेगरी में लवलीना बोरगोहेन भी सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। लवलीना ने क्वार्टरफाइनल में कोरिया की सुयेन सेओंग को 5-0 से हराया। इसी के साथ उन्होंने मेडल पक्का कर लिया।

इससे पहले, बॉक्सिंग के 54 किग्रा कैटेगरी में प्रीति पवार सेमीफाइनल में पहुंच गईं। प्रीति ने क्वार्टरफाइनल में कजाकिस्तान की ज़ैना शेकरबेकोवा को 4-1 से हराकर मेडल पक्का कर लिया। इसी के साथ उन्होंने पेरिस ओलंपिक कोटा भी हासिल किया।

इससे पहले, बॉक्सिंग के 54 किग्रा कैटेगरी में प्रीति पवार सेमीफाइनल में पहुंच गईं। प्रीति ने क्वार्टरफाइनल में कजाकिस्तान की जैना शेकरबेकोवा को 4-1 से हराकर मेडल पक्का कर लिया। इसी के साथ उन्होंने पेरिस ओलंपिक कोटा भी हासिल कर लिया।

स्केटिंग: स्पीड स्केटिंग 10000 मीटर में मेंस और विमेंस में मेडल से चूके

पुरुषों की स्पीड स्केटिंग 10000 मीटर फाइनल में भारत के आनंद कुमार वेलकुमार ने 15:40.978 का समय लेकर छठे और सिद्धांत कांबले 15:57.944 का समय लेकर सातवें स्थान पर रहे। साउथ कोरिया के बियोनही जियोंग ने 15:39.867 समय के साथ गोल्ड जीता, जबकि चीन के झांग झेंहाई ने सिल्वर और कोरिया के चोई इन्हो ने ब्रॉन्ज मेडल जीते।

वहीं महिलाओं की स्पीड स्केटिंग 10000 मीटर में आरती कस्तूरी राज 5वें और हीरल साधु 7वें स्थान पर रहीं। पेई-यू शिह और हो-चेन यांग की चीनी ताइपे जोड़ी ने गोल्ड और सिल्वर जबकि दक्षिण कोरिया के यू गरम ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

कुराश: पिंकी बलहारा क्वार्टर फाइनल में हारी

कुराश के 52 किलो वेट में पिंकी बलहारा क्वार्टर फाइनल में हार गई हैं। वहीं उनसे पहले 52 किलो वेट में सुचिका तरियाल भी पहले ही राउंड में 8-3 से हार कर मेडल की होड़ से बाहर हो गई थीं।

टेबल टेनिस: मानुष और मानव की भारतीय जोड़ी हारी

टेबल टेनिस के मेंस डबल्स में मानुष शाह और मानव ठक्कर की भारतीय जोड़ी को क्वार्टरफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। मानुष और मानव की जोड़ी को वूजिन जांग और जोंगहून लिम की कोरिया जोड़ी के खिलाफ 3-2 से हार मिली।

एथलेटिक्स: विभिन्न इवेंट में 5 खिलाड़ी फाइनल में पहुंचे

मुरली शंकर और जेसविन एलड्रिन ने मेंस लॉन्ग जंप के फाइनल में पहुंच गए हैं। वहीं 1500 मीटर रेस में भी अजय कुमार और जिन्सन जॉनसन ने भी फाइनल में जगह पक्की की। ज्योति याराजी विमेंस 100 मीटर हर्डल्स के फाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया है।

मीराबाई चानू वेटलिफ्टिंग में लेगी हिस्सा

वेटलिफ्टिंग इवेंट भी आज से शुरू होंगे, इसमें ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट मीराबाई चानू विमेंस 49 किग्रा वर्ग में पहली बार एशियन गेम्स में उतरेंगी। चानू के साथ, बिंद्यारानी देवी महिलाओं के 55 किग्रा वर्ग में भाग लेंगी।

घुड़सवारी: इवेटिंग ड्रेसेज में मेडल की उम्मीद बरकरार

घुड़सवारी के इवेटिंग ड्रेसेज में मेडल की उम्मीद बरकरार है। आशीष लिमाये राउंड में टॉप पर रहे। वहीं विकास कुमार आठवें और अपूर्व धमादे 16वें स्थान पर रहा।

दिन का आखिरी मेडल शॉटपुट में आया। विमेंस शॉटपुट इवेंट में किरण बालियान ने 17.36 मीटर के थ्रो के साथ तीसरे नंबर पर रह कर ब्रॉन्ज जीता।

इसके साथ ही भारतीय मेंस बैडमिंटन टीम ने नेपाल को 3-0 से हराते हुए 37 साल बाद एशियाड का मेडल पक्का किया। शाम को बॉक्सर निखत जरीन ने 50 KG वेट कैटेगरी के सेमीफाइनल में प्रवेश कर एक मेडल तय कर लिया। इतना ही नहीं, निखत ने पेरिस ओलिंपिक-2024 का कोटा भी हासिल भी किया।

72 वर्षों का इंतजार खत्म, किरण बालियान 1951 के बाद शॉटपुट में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला

हांगझोऊ, 30 सितंबर (एजेंसियां)। मेरठ की रहने वाली किरण ने इस वर्ष 10 सितंबर को 17.92 मीटर गोला फेंककर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। वह गुजरात राष्ट्रीय खेलों में 17.14 मीटर के साथ चैंपियन भी बनीं थीं।

उत्तर प्रदेश की किरण बालियान ने हांगझोऊ एशियाई खेलों में देश को एथलेटिक्स (ट्रैक एंड फील्ड) का पहला पदक दिलाया। उन्होंने शॉट पुट में 17.36 मीटर दूर गोला फेंककर अपने करियर का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। यह महिला शॉट पुट में 72 साल बाद देश के लिए पहला पदक है। इससे पहले 1951 के पहले दिल्ली एशियाई खेलों में बारबरा वेबस्टर ने इस स्पर्धा में कांस्य जीता था। 2017 की एशियाई चैंपियन मनप्रीत कौर पांचवें स्थान पर रहीं। मनप्रीत की सर्वश्रेष्ठ थ्रो 16.25 मीटर रही।

मेरठ की रहने वाली और मूलरूप से मुजफ्फरनगर की किरण ने इस वर्ष 10 सितंबर को 17.92 मीटर गोला फेंककर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। वह गुजरात राष्ट्रीय खेलों में 17.14 मीटर के साथ चैंपियन भी बनीं थीं। किरण ने पहला थ्रो 15.42 मीटर फेंका। उसके बाद

उन्होंने 16.84 और तीसरी थ्रो 17.36 मीटर का किया। इसके बाद उन्होंने 16.79 और 16.87 का थ्रो किया। चीन की लीजियाओ गांग ने 19.58 मीटर के साथ स्वर्ण और इसी देश की जियायुआन ने 18.92 मीटर के साथ रजत पदक जीता।

बेटी की सुरक्षा के लिए मां बनी 'कोच'

बेटी के सपनों को पंख लगे। सफलता की राह में असुरक्षा जैसी अड़चनों से उसके कदम न ठिठकें। इसलिये एक मां कोच की भूमिका में आ गई। वह अपनी बेटी किरण के साथ रोजाना पांच घंटे कैलाश प्रकाश स्पोर्ट्स स्टेडियम गुजारती थीं। प्रैक्टिस के दौरान उनकी खामियां बताती थीं और आगे बढ़ने के लिये प्रेरित भी करती थीं।

मुजफ्फरनगर निवासी किरण शॉट पुट में राष्ट्रीय स्तर पर कई पदक जीत चुकी हैं। उनके पिता सतीश बालियान पीएसी में तैनात हैं। किरण रोजाना सुबह-शाम अपनी मां बॉबी के साथ स्टेडियम में प्रैक्टिस करती हैं। जब किरण के पिता की पोस्टिंग आगरा में थी तो वहां कभी-कभी वह मां के साथ स्टेडियम जाती थीं, लेकिन मेरठ में रोजाना दोनों साथ में स्टेडियम जाते थे। किरण के अनुसार उनके पास कोई महिला ट्रेनर नहीं था, जो उन्हें प्रैक्टिस कराए। वहीं, मां बॉबी के मुताबिक, बेटियों की सुरक्षा बड़ा मुद्दा है। आज के जमाने में किसी पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। इसलिए रोजाना स्कूटी पर किरण के साथ स्टेडियम जाती थीं। दोनों सुबह सवा छह से आठ बजे तक स्टेडियम में रहते थे। इसके बाद शाम चार से साढ़े छह बजे तक दोनों फिर अभ्यास के लिए स्टेडियम जाते थे। बाकी समय में मां बॉबी घर का काम, बेटी को खाना देना करती थीं। बॉबी के मुताबिक, उनका बेटा बास्केटबॉल खेलता है, लेकिन वह छोटा है। बॉबी का सपना है कि बेटी जल्दी से ओलंपिक में खेले और देश का नाम रोशन करे, ताकि उनकी तपस्या सफल हो जाए।

मां बॉबी बताती हैं कि महिला ट्रेनर न होने की वजह से किरण को स्ट्रेचिंग करने, प्रैक्टिस करने में दिक्कत आती थी। इसमें लड़कों की मदद नहीं ले सकते थे। इसीलिए यह सब वह खुद ही किरण से करवाती थीं। बॉबी केवल बेटी को व्यायाम नहीं करातीं, बल्कि वीडियो बनाकर उसकी गलतियां भी बताती थीं। बेटी के साथ रोजाना स्टेडियम आकर बॉबी इस खेल की सभी बारीकियों को समझ चुकी थीं। आठवीं पास बॉबी का कभी खेलों से ताल्लुक नहीं रहा, लेकिन बेटी के साथ आते-आते वह मंझे हुए कोच की तरह बन गईं। अब किरण ने एशियाई खेलों में देश को एतिहासिक पदक दिलाकर अपनी मां बॉबी और पूरे परिवार का नाम रोशन किया है।

'मैं हिस्ट्री को नहीं देखता...' वर्ल्ड कप से पहले राहुल द्रविड़ ने भरी हुंकार

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। कप्तान के तौर पर, राहुल द्रविड़ ने 2000 के दशक में भारतीय क्रिकेट के कुछ बेहतरीन पलों को देखा था। उनकी कप्तानी में भारत ने वेस्टइंडीज में पहली टेस्ट सीरीज जीती (2006 में), दक्षिण अफ्रीकी धरती पर पहली टेस्ट जीत (दिसंबर 2006) और लगातार 17 सफल जीत शामिल हैं। इसके अलावा राहुल की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम ने अनेकों उपलब्धियां प्राप्त की।

इन बेहतरीन उपलब्धियों के बावजूद राहुल द्रविड़ को 2007 वर्ल्ड कप के लिए याद किया जाता है। राहुल ने अपनी कप्तानी को भारत को विश्व कप विजेता नहीं बना पाए। 2007 विश्व कप में बांग्लादेश और श्रीलंका से हार के बाद भारत बाहर हो गया था।

2023 वर्ल्ड कप राहुल द्रविड़ की पुरानी यादें करेगी ताजा

अब, साढ़े 16 साल बाद यह वही टूर्नामेंट है, जिसमें राहुल द्रविड़ कोच के तौर पर टीम को जीत दिलाने की भूमिका बना रहे हैं। या कहा जा सकता है कि राहुल द्रविड़ जो कप्तान रहते नहीं कर पाए वो अब बतौर कोच कर के दिखाएंगे।

राहुल द्रविड़ के कोच रहते पिछले साल नवंबर में एडिलेड में टी20 विश्व कप में भारत को हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद जून में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से भारतीय टीम की हार हुई थी। विश्व कप 2023, द्रविड़ का अंतिम कार्यभार है। इसके बाद उनका दो साल का कार्यकाल समाप्त होने वाला है। ऐसे में राहुल द्रविड़ के लिए ये वर्ल्ड कप बेहद ही खास है, जो पुरानी यादों को ताजा कर सकता है और अगर भारत यह वर्ल्ड कप अपने नाम करती है तो राहुल द्रविड़ के लिए बड़ी उपलब्धि साबित होगी।

यह भी पढ़ें: इकोनॉमी क्लास में थक गए इंग्लैंड के खिलाड़ी, जॉनी बेयरस्टो की इंस्टा स्टोरी वायरल

वर्ल्ड से पहले राहुल द्रविड़ की कोचिंग में भारतीय टीम ने एशिया कप पर अपना कब्जा जमाया। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में भारत ने 2-1 से जीती हासिल की। अब, भारतीय टीम की नजर विश्व कप जीतने पर है।

मैं इतिहास पर ध्यान नहीं देता: राहुल द्रविड़

एशिया कप के लिए रवाना होने से पहले राहुल द्रविड़ से पूछा गया था कि क्या उनका मानना है कि विश्व कप कोच के रूप में उनके कार्यकाल को परिभाषित करेगा? इसके जवाब में राहुल द्रविड़ ने कहा था, "मैं लिगेसी । में नहीं हूं। घरेलू मैदान पर विश्व कप खेलना रोमांचक है। इसके साथ एक निश्चित मात्रा में दबाव होने वाला है, लेकिन यह कुछ ऐसा है जिसकी हम सभी उम्मीद करते हैं। एक कोच के रूप में, मैं इसका इंतजार कर रहा हूं। मैं बस वर्तमान में रहता हूं, उस काम के बारे में चिंता करता हूं जो मुझे अभी करना है और भविष्य की नहीं करते।"

अब, देखना होगा कि विश्व कप में भारतीय टीम का कैसा प्रदर्शन करती है। हालांकि, एशिया कप और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए मैच भारतीय फैन्स में पॉजिटिव वाइब्स आई है। केएल राहुल, शुभमन गिल, रोहित शर्मा, सूर्य कुमार यादव से लेकर विराट कोहली तक ने जबरदस्त फॉर्म में दिखाई दिए हैं।

वर्ल्ड कप से पहले बांग्लादेश को लगा बड़ा झटका, स्टार ऑलराउंडर हुआ चोटिल

ढाका, 30 सितंबर (एजेंसियां)। वर्ल्ड कप से पहले बांग्लादेश टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम के कप्तान और स्टार ऑलराउंडर शाकिब अल हसन चोटिल हो गए हैं। 28 सितंबर को फुटबॉल खेलते समय चोट लगने के कारण श्रीलंका के खिलाफ विश्व कप के पहले वार्म अप मैच से बाहर हो गए। बताया गया है कि टीम ट्रेनिंग के दौरान फुटबॉल खेलते समय शाकिब के पैर में चोट लग गई, जिसके कारण उन्हें पहले वार्म-अप मैच से बाहर होना पड़ा। अब

ऐसे में वर्ल्ड कप से पहले शाकिब का चोटिल होना बांग्लादेश टीम के लिए जोर का झटका है।

हालांकि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन कहा जा रहा है कि शाकिब अगले अभ्यास मैच में इंग्लैंड के खिलाफ भी नहीं खेल पाएंगे और धर्मशाला में विश्व कप के पहले मैच में भी उन्हें बेंच पर समय बिताना पड़ सकता है। 36 वर्षीय बांग्लादेशी क्रिकेटर शाकिब विश्व कप के स्टार ऑलराउंडर क्रिकेटर में गिने जाते हैं। उन्होंने अपने दम पर बांग्लादेश को की मैच जिताए हैं। उन्होंने 2006 में डेब्यू करने के बाद से टीम का प्रतिनिधित्व किया है। अब तक उन्होंने 240 एकदिवसीय मैच खेले हैं जबकि 117 टी20 और 66 टेस्ट मैच खेले हैं।

'चोकर्स' क्या करेंगे कमाल? कागजों पर मजबूत है साउथ अफ्रीका

प्रिटोरिया, 30 सितंबर (एजेंसियां)। तेंबा बावुमा की कप्तानी में साउथ अफ्रीका की टीम भारत में वर्ल्ड कप जीतने का मिशन लेकर पहुंची है. चोकर्स का तमगा पा चुकी इस टीम के लिए एक बार फिर से सपने को संजोने का वक्त है, लेकिन क्या भारत में ये टीम इतिहास रच पाएगी. भारत में अफ्रीका के क्या चांस हैं और वर्ल्ड कप में टीम कितनी मजबूत है जानिए...

साउथ अफ्रीका एक ऐसी टीम है जो किसी भी वर्ल्ड कप या बड़े टूर्नामेंट में एक दावेदार होने के नाते अपनी शुरुआत करती है, लेकिन हर बार कुछ ना कुछ ऐसा होता है कि बड़े मंच पर ये टीम

अपना सबसे बुरा प्रदर्शन करती है. यही वजह है कि अफ्रीकी टीम को चोकर्स की उपाधि मिली हुई है. लेकिन क्या इस बार भारत में ये चोकर्स का तमगा दूर होगा या नहीं, इस पर हर किसी की निगाहें हैं. तेंबा बावुमा की अगुवाई में ये टीम कितनी ताकतवर नज़र आ रही है और क्या इस बार हर किसी को चौंकाने में ये कामयाब होती है या नहीं, इस पर एक बार नज़र डाल लेते हैं...

दिग्गजों की विदाई के बाद एक फेज़ ऐसा आया था, जब साउथ अफ्रीकी टीम बीच में औसत नज़र आने लगी थी. लेकिन अब वो फेज़ खत्म होता दिख रहा है, टीम के पास ऐसे बल्लेबाजों की फौज है जो लगातार बेहतर और चौंकाने वाले प्रदर्शन कर रही है. बस यहां सारा मसला कप्तानी और भरोसे का है, जिसे पार पाना साउथ अफ्रीका के लिए काफी जरूरी होगा.

आईसीसी रैंकिंग में अफ्रीका अक्सर ही टॉप 4 और 5 की टीम रही है, अभी भी यही हाल है. ऐसे में इस टीम को कभी भी कमजोर नहीं माना जा सकता है और अभी के हिसाब से इसकी सबसे बड़ी ताकत इस टीम की बल्लेबाजी ही है. क्विंटन डि कॉक, हेनरिक क्लासेन, एडन मार्करम और डेविड मिलर टॉप-5 में ये ऐसे बल्लेबाज हैं जो अकेले दम पर कभी भी मैच बदल सकते हैं, इन चारों का ही वनडे करियर में स्ट्राइक रेट सौ के करीब या उससे ऊपर ही है यानी बल्लेबाजी पूरी तरह से धमाकेदार रहने वाली है. ऐसे में विरोधी टीम को सिर्फ एक-दो ही नहीं बल्कि पूरी बैटिंग ऑर्डर को ही निशाने पर लेना होगा.

अगर बॉलिंग की बात की जाए तो खगिसो रबाडा, लुंगी नगीदी, मार्को येनसन जैसे तेज़ गेंदबाज़ टीम के पास है. हालांकि एनरिक नॉर्किया को टीम जरूर मिस करेगी. लेकिन स्पिनर्स के लिए तबरेज शम्सी और केशव महाराज की जोड़ी भी जरूर है. टीम के पास कई ऐसे एक्स-फैक्टर वाले प्लेयर्स हैं, जो किसी भी विरोधी टीम को मात दे सकते हैं और जीत दिला सकते हैं.

किसान पिता ने बेटे को कर्ज लेकर राइफल दिलाई, अखिल ने विदेशी धरती पर तमगों की लाइन लगाई

बागपत, 30 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बागपत जनपद के अंगदपुर निवासी अखिल श्योराण ने वर्ष 2007 में स्कूल की राइफल से प्रैक्टिस शुरू की थी। एक राइफल होने के कारण ट्रायल छूट गया था, तब पिता ने कर्ज लेकर राइफल दिलवाई। इसके बाद अखिल ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। एशियन गेम्स में देश को स्वर्ण पदक दिलाने वाले अंगदपुर गांव के अखिल श्योराण ने उधार की राइफल से प्रैक्टिस शुरू की थी। इसलिए ही शुरूआत में अखिल का ट्रायल छूट गया था और तब किसान पिता रविंद्र श्योराण ने कर्ज लेकर बेटे को राइफल दिलाई। जिसके बाद अखिल ने सोने समेत अन्य तमगों की लाइन लगा दी। अखिल श्योराण ने मेरठ के गॉडविन स्कूल में पढ़ाई करते हुए वर्ष 2007 में वहां से मिलने वाली राइफल से प्रैक्टिस शुरू की थी। उसके साथ पढने वाला एक अन्य छात्र भी उसी

राइफल से शूटिंग करता था। अखिल इंटर स्कूल के प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली शूटिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीत चुका था।

इस बीच ही स्कवायड ट्रायल होना था और एक ही राइफल होने के कारण वह ट्रायल नहीं दे सका। जिसके बाद दो हेक्टेयर जमीन से खेती करके परिवार का गुजारा करने वाले पेशे से किसान पिता रविंद्र ने करीब 85 हजार रुपये का कर्ज लिया और खेती से जोड़े हुए 80 हजार रुपये मिलाकर बेटे को राइफल दिलाई। जिसके बाद अखिल का ट्रायल व प्रतियोगिता नहीं छूटी और वह पदक जीतने में लगा है।

अखिल के पिता रविंद्र श्योराण बताते है कि स्कूल में अखिल की खेलों में रूचि को देखते हुए वुशू खिलाना शुरू कर दिया गया। जिसमें वह अच्छा खेलने लगा, लेकिन उसकी सीनियर खिलाड़ी से भिडंत करा दी गई, जिससे उसको चोट लग गई।

स्टुअर्ट ब्रॉड का बढ़ गया 'कद', इंग्लैंड के मैदान ने दिया बड़ा सम्मान

लंडन, 30 सितंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड के दिग्गज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड भले ही क्रिकेट के मैदान से रिटायर हो गए हों, लेकिन वे करोड़ो क्रिकेटप्रेमियों के दिल में हमेशा रहेंगे। ब्रॉड को अब बड़ा सम्मान मिला है। दरअसल, ट्रेंट ब्रिज के पवेलियन एंड का नाम बदलकर 'द स्टुअर्ट ब्रॉड एंड' रखने का फैसला लिया गया है।

इस समर सीजन के बाद पेशेवर क्रिकेट से संन्यास लेने वाले पूर्व नॉटिंघमशायर और इंग्लैंड के तेज गेंदबाज की मान्यता में ये नाम रखा

जाएगा। 37 साल के ब्रॉड ने द ओवल में शानदार गेंदबाजी करते हुए अपने 16 साल के टेस्ट करियर का 604वां और अंतिम विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया पर 49 रन की जीत दर्ज की। मैच की अंतिम शाम 29 जुलाई 2023 को उन्होंने संन्यास का ऐलान कर दिया था।

नॉटिंघमशायर ने ब्रॉड को अब ठीक वैसा ही सम्मान देने का फैसला लिया है जो लंकाशायर ने अपने लंबे समय के इंग्लैंड टीम के साथी जेम्स एंडरसन के लिए दिया था। उन्होंने ओल्ड ट्रैफर्ड के पवेलियन का नाम बदल दिया था। ब्रॉड ने अपने करियर की शुरुआत लीसेस्टरशायर से की थी, लेकिन 2007 में पहले सीज़न के लिए काउंटी में शामिल होने से पहले ही ट्रेंट ब्रिज के साथ उनके संबंध मजबूत रहे।

मिलाद-उन-नबी जुलूस को लेकर सीपी ने अधिकारियों को दिए कई निर्देश

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कल के लिए निर्धारित मिलाद-यूएन-नबी जुलूस के साथ, शहर के पुलिस आयुक्त श्री सीवी आनंद ने जुलूस के सुचारू प्रवाह को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सुरक्षा और यातायात व्यवस्था का सावधानीपूर्वक आकलन करने के लिए सेक्टर एसआई और उससे ऊपर के अधिकारियों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की। बैठक की शुरुआत करते हुए, शीर्ष अधिकारियों ने गणेश शोभा यात्रा और मूर्ति विसर्जन को शांतिपूर्ण तरीके से सफलतापूर्वक संपन्न करने में शहर पुलिस के सभी रैंकों द्वारा प्रदर्शित अटूट समर्पण की सराहना की। वरिष्ठ अधिकारियों को घटना की त्वरित रिपोर्टिंग के महत्व पर जोर देते हुए, उन्होंने गश्त के प्रयासों को तेज करते हुए मिश्रित इलाकों में एक महत्वपूर्ण पुलिस बल की तैनाती का निर्देश दिया। बाइक पर यात्रा करने वाले युवाओं की व्यापकता को देखते हुए, यातायात अधिकारियों को सड़क दुर्घटनाओं को कम करने और सड़क सुरक्षा बढ़ाने के उद्देश्य से प्रभावी उपाय लागू करने के निर्देश मिले। अधिकारियों को कार्यक्रम आयोजकों के साथ निकटता से संपर्क करने का भी काम सौंपा गया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जुलूस के मार्ग स्पष्ट रहें और पूर्व निर्धारित पथों का पालन किया जाए।

सिटी पुलिस के भीतर कई नए एसएचओ, डीसीपी की उपस्थिति को देखते हुए, सीपी आनंद ने दक्षिण क्षेत्र के डीसीपी को वार्षिक रीति-रिवाजों, मिलाद उत्सव के ऐतिहासिक महत्व, संबंधित बैठकों, कार्यक्रमों और शामिल प्राथमिक संगठनों पर व्यापक जानकारी प्रदान करने का निर्देश दिया। सम्मेलन के दौरान, सभी जोनल डीसीपी ने अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में निर्धारित जुलूसों की संख्या और किए जा रहे उपायों का एक सिंहावलोकन प्रदान किया। अंतर-आयुक्त जुलूसों को छोड़कर, जो आंशिक रूप से शहर की सीमा में प्रवेश कर सकते हैं। सात क्षेत्रों में कई जुलूस होंगे जिनमें दक्षिण, दक्षिण पूर्व और दक्षिण पश्चिम में अधिकतम सीमा होगी।

राज्यपाल ने पहले कार्यकाल के दौरान महिला मंत्रियों की कमी पर राज्य सरकार पर कटाक्ष किया

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदरराजन ने एक बार फिर राज्य सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जब उन्होंने राज्यपाल के रूप में तेलंगाना में प्रवेश किया था, तो कैबिनेट में एक भी महिला मंत्री नहीं थी और उनके आने के बाद उन्होंने एक दो महिला मंत्रियों को शपथ दिलाई। तमिलिसाई सौंदरराजन ने कहा, ''मुझे बहुत खुशी है कि मेरे तेलंगाना में राज्यपाल बनने के बाद दो महिलाओं को मंत्री बनने का मौका मिला।''

शनिवार को यहां राजभवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा महिला आरक्षण विधेयक को मंजूरी दिए जाने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल ने कहा कि चाहे राज्य सरकार प्रोटोकॉल दे या नहीं, वह अपना काम करती रहेंगी। तमिलिसाई ने कहा, "अगर मुझ पर पत्थर फेंके जाएंगे तो मैं उनसे घर बनाऊंगी। अगर कोई मुझ पर हमला करेगा तो मैं उस खून को स्याही बनाऊंगी और उस खून से अपना इतिहास लिखूंगी।"

प्रधानमंत्री आज महबूबनगर से जैकलेयर-कृष्णा नई रेल लाइन का लोकार्पण करेंगे

दक्षिणी तेलंगाना में रेल विकास की एक नई सुबह की होगी शुरुआत

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 1 अक्टूबर को जैकलेयर-कृष्णा के बीच नई रेलवे लाइन राष्ट्र को समर्पित करेंगे और कृष्णा रेलवे स्टेशन से काचीगुडा तक (वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से) उद्घाटन ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाएंगे। समारोह महबूबनगर में आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री समारोह के दौरान सड़क, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस और उच्च शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में 13,500 करोड़ रुपये से अधिक की कई अन्य विकास परियोजनाओं को भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे और आधारशिला रखेंगे। तेलंगाना हाल के दिनों में अपने रेल नेटवर्क में तेजी से बदलाव का गवाह रहा है। चाहे वह नई लाइनों का निर्माण हो, मौजूदा लाइनों का विस्तार हो, रेल लाइनों का विद्युतीकरण हो या नई यात्री सुविधाओं की शुरुआत हो, राज्य ने पहले कभी ऐसा विकास नहीं देखा है। इस परिवर्तनकारी विकास को आगे बढ़ाते हुए, प्रधान मंत्री द्वारा जैकलेयर और कृष्णा के बीच एक नई लाइन राष्ट्र को समर्पित की जा रही है, जो दक्षिणी तेलंगाना में रेल विकास की एक नई सुबह की शुरुआत करेगी। तेलंगाना के दक्षिणी जिलों को राज्य की राजधानी और कर्नाटक के रायचूर दोनों से जोड़ने वाले इस मार्ग पर ट्रेन सेवाओं की शुरूआत से क्षेत्र के लोगों के सामाजिक-आर्थिक विकास में मदद मिलेगी।

जैकलेयर और कृष्णा के बीच 37.48 किमी की दूरी के लिए नई रेल लाइन महबूबनगर-मुनीराबाद नई लाइन परियोजना का हिस्सा है, जिसे दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है। इस खंड का चालू होना परियोजना के पूरे तेलंगाना हिस्से यानी, देवराकाद्र - कृष्णा (65.825 किमी) के पूरा होने का प्रतीक है। जैकलेयर-कृष्णा नई लाइन परियोजना 504.89 करोड़ रुपये की लागत से पूरी की गई है। कृष्णा में एक मौजूदा स्टेशन के अलावा चार नए स्टेशन भवन, जकलेयर, मगनूर, मकथल और कुंसी हॉल्ट का निर्माण किया गया है। नई लाइन दक्षिणी तेलंगाना के अंदरूनी इलाकों को रेल मानचित्र पर लाकर जोड़ती है। इस मार्ग से कोयला, सीमेंट, क्लिंकर, खदान आदि की ढुलाई बढ़ने से माल ढुलाई को भी काफी बढ़ावा मिलेगा। यह हैदराबाद/सिकंदराबाद से हुबली और गोवा की दूरी 100 किमी से अधिक कम कर देता है। काचीगुडा - रायचूर - काचीगुडा वाया देवराकाद्रा - कृष्णा के बीच एक नई ट्रेन सेवा (डेमू) शुरू की जा रही है।

उद्घाटन ट्रेन सेवा को प्रधान मंत्री द्वारा हरी झंडी दिखाई जाएगी और इसे कृष्णा से काचीगुडा तक संचालित किया जाएगा। नियमित ट्रेन का संचालन हैदराबाद, रंगारेड्डी, महबूबनगर, नारायणपेट और रायचूर जिलों को जोड़ने वाले काचीगुडा और रायचूर के बीच किया जाएगा। अन्य उपलब्ध मार्गों की तुलना में यह काचीगुडा और रायचूर के बीच सबसे छोटा मार्ग है। यह ट्रेन महबूबनगर और नारायणपेट जिलों के लोगों को राजधानी क्षेत्र की ओर परिवहन का सस्ता और किफायती साधन प्रदान करती है। यह ट्रेन छात्रों, दैनिक यात्रियों, मजदूरों आदि के लिए बेहद फायदेमंद होगी और नारायणपेट में हथकरघा उद्योग को बढ़ावा देगी।

बंडी संजय ने एमआईएम को गद्दारों की पार्टी करार दिया

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा सांसद बंडी संजय कुमार आज एमआईएम पार्टी पर जमकर बरसे। उन्होंने आरोप लगाया कि एमआईएम कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को एक रैली के दौरान जानबूझकर उनके आवास और करीमनगर में उनके कैंप कार्यालय पर शांति भंग करने की कोशिश की। उन्होंने आरोप लगाया कि एमआईएम पार्टी गद्दारों की पार्टी है। बंडी ने यह भी आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल के नेता एमआईएम पार्टी कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय, अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं के खिलाफ झूठे मामले दर्ज कर रहे हैं। उन्होंने मांग की कि पुलिस उनके घर और दफ्तर पर हमला करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करे। उन्होंने बीआरएस और एमआईएम पार्टी के नेताओं को चारमीनार के भाग्यलक्ष्मी मंदिर में 'जन गण मन' और 'वंदे मातरम' गाने की चुनौती भी दी। उन्होंने साफ किया कि बीजेपी हमलों से डरने वाली नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस और एमआईएम पार्टियां करीमनगर में शांति भंग कर तबाही मचाने की साजिश रच रही हैं।

75 लाख के गांजे के साथ दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस ने कथित तौर पर गांजा ले जाने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया और 250 किलोग्राम मूल्य का मादक पदार्थ जब्त किया। बरामद गांजे का मूल्य बाजार में 75 लाख रुपए बताया जा रहा है। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति मलयली स्वामी उर्फ शिवा (31) और रामर (39) हैं।

दोनों तमिलनाडु के मूल निवासी और मौजूदा समय में चंद्रयानगुट्टा में रह रहे है। इस मामले में दो अन्य आरोपी राजेश और चन्द्रशेखर फरार हैं। राचकोंडा के पुलिस आयुक्त डी एस चौहान ने कहा कि राजेश के कहने पर शिवा और रामर ओडिशा गए और चंद्र शेखर से गांजा खरीदकर शहर ले आए।

राजेश के निर्देशानुसार किसी अन्य गंतव्य पर ले गए और उसे सौंप दिया। डीएस चौहान ने कहा कि पुलिस को गुमराह करने के लिए आरोपियों ने ट्रक में नारियल के ढेर के नीचे गाजा छिपा दिया था। एक गुप्त सूचना पर राचकोंडा स्पेशल ऑपरेशस टीम (महेश्वरम) ने मीरपेट पुलिस के साथ मिलकर आरोपियों को गांजे के साथ पकड़ लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.